फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 281 प्रभात जयपुर, बुधवार 14 मई, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

When We Used To Fight Wars Which Looked Like Wars

I was met by the UN representatives who said we are coming with you to arrange the withdrawal of the Pakistani army and the takeover of the government. I said thank you very much, but I don't need your help

Tiny Tales, Big Impact

भाजपा ग्यारह दिन की तिरंगा यात्रा निकालेगी

13 मई से 23 मई तक देशभर में चलने वाली इस यात्रा में पार्टी के प्रमुख नेता व कार्यकर्ता तिरंगा झण्डा लेकर चलेंगे, तथा ऑपरेशन ''सिन्दूर'' की सफलता का जश्न मनायेंगे सड़कों पर

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मई। भाजपा ने ''ऑपरेशन सिंदूर'' की सफलता को ''अपना बनाने'' के लिए, आज ग्यारह दिवसीय ''तिरंगा यात्रा'' की शुरुआत की, लेकिन पार्टी के इस अभियान में विजय का स्वर गायब नजर आया और इसके दो मुख्य कारण हैं:

पहला, भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के इस दावे पर सरकार की अपर्याप्त प्रतिक्रिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम का यह समझौता उन्होंने करवाया था और दूसरा, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का यह दावा कि भारत और पाकिस्तान किसी तटस्थ स्थान पर कश्मीर समेत, लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए बैठक करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कल राष्ट्र को संबोधित करते हुए ट्रंप के दावे का परोक्ष जवाब दिया और कहा कि भारत पाकिस्तान से पीओके और आतंकवाद के अलावा अन्य किसी मुद्दे पर बात नहीं करेगा। हालांकि, रणनीतिक विशेषज्ञ

- **पर, पार्टी का यह अभियान अभी जोर नहीं पकड़ पाया है, क्योंकि, सरकार अभी तक पूर्णतया संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाई, ट्रम्प की इस गर्वोक्ति का कि उन्होंने ''सीज़ फायर'' करवाई है, भारत-पाकिस्तान के बीच।**
- **हालांकि प्र.मंत्री मोदी ने इस गर्वोक्ति का थोड़ा-बहुत जवाब तो दिया, यह कहकर कि, भारत पाकिस्तान से केवल आतंकवाद व पाक अधिकृत कश्मीर पर ही बात करेगा।**
- **थोड़ा इस बात से भाजपा का जोश ठण्डा पड़ा कि ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि, उन्होंने दोनों देशों को धमकी दी, कि अमेरिका दोनों देशों से व्यापार नहीं करेगा, अगर वह ''सीज़ फायर'' पर राजी नहीं होते हैं।**
- **विदेश मंत्रालय ने इस बात का भी खण्डन किया, यह कह कर कि भारत व अमेरिका के बीच वार्ता में ''व्यापार'' (ट्रेड) पर कोई बात नहीं हुई।**
- **''सीज़ फायर'' के बाद, भाजपा की पहली प्रेस कांफ्रेंस में सम्बित पात्रा ने यह दावा करके, कि पाकिस्तान ने इस लड़ाई में मिसाइल, एयर बेस तथा 100 आतंकवादी गंवाए, भाजपा की ''तिरंगा यात्रा'' में जोश भरने का प्रयास जरूर किया।**

ब्रह्मा चेल्लानी का कहना है कि कश्मीर का मुद्दा उठाये बिना पाकिस्तान से पीओके और आतंकवाद पर बातचीत करना असंभव होगा।

आज मीडिया को संबोधित करते हुए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने ट्रंप के एक और दावे को खारिज किया। ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि अगर वे युद्धविराम पर सहमत नहीं होंगे तो अमेरिका उनके साथ व्यापार नहीं करेगा। जायसवाल ने कहा कि भारत और अमेरिका के नेताओं के बीच हुई बातचीत में व्यापार का कोई जिक्र नहीं था।

रविवार को भाजपा प्रमुख जे.पी. नड्डा के आवास पर हुई पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों-जैसे अमेरिका की भूमिका और कश्मीर मुद्दे पर किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की संभावना पर चर्चा की गई। बैठक में इन प्रश्नों के जवाबों पर भी चर्चा हुई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित, विपक्षी नेता इन मुद्दों पर सरकार से स्पष्टीकरण देने के लिए सर्वदलीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्र के आश्वासन के बाद भी देहरादून में दहगाह तोड़ी

नई दिल्ली, 13 मई। वक्फ संशोधन कानून को लेकर केन्द्र सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में आश्वासन दिए जाने के बावजूद, उत्तराखंड में वक्फ संपत्ति के रूप में अधिसूचित हजरत कमाल शाह दरगाह को तोड़े जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड सरकार सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव आनंद बर्धन, देहरादून के जिला मजिस्ट्रेट सविन बंसल, देहरादून के सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह और देहरादून नगर आयुक्त नमामि बंसल को

- **सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखण्ड सरकार व देहरादून जिला प्रशासन को एक अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए नोटिस जारी किया।**

अवमानना याचिका पर नोटिस जारी किया है। मामले की सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि सरकार के आश्वासन के बावजूद, 25 अप्रेल सुबह बिना किसी सूचना के दरगाह को गिरा दिया गया। कोर्ट ने सरकार ने आश्वासन के उल्लंघन पर चिंता जताई है।

17 अप्रैल को वक्फ बोर्ड संशोधित कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान, केन्द्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को यह आश्वासन दिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा को शीघ्र ही जवाब ढूंढ़ना पड़ेगा इन सवालों का

जब भारत, ''मिलिटरिली'' पाकिस्तान पर हावी था, विशेषकर ''हवाई युद्ध'' में, फिर, भारत ने ''क्यों'' स्वीकार किया, अमेरिका का ''आदेश'' सीज़ फायर के लिए

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समय कटघरे में खड़े हैं। उन्हें अपनी ही पार्टी, आरएसएस, अपने प्रमुख जनाधार मध्यम वर्ग, विपक्ष और सबसे महत्वपूर्ण, सशस्त्र बलों के भीतर से कई सवालों का सामना करना पड़ रहा है।

निराशा है, आक्रोश है और यह भावना भी है कि जिस तरह से नरेन्द्र मोदी, डॉनल्ड ट्रंप के पाकिस्तान के खिलाफ युद्धविराम के निर्देश के आगे झुक गए, वह एक तरह का विश्वासघात था, जबकि सैन्य दृष्टि से भारत युद्ध में बहुत आगे था और अपनी श्रेष्ठ वायु शक्ति के साथ पाकिस्तान पर भारी प्रहार कर रहा था।

यह लगभग सभी के लिए एक झटका था।

प्रधानमंत्री कैसे और क्यों यह मान गए कि युद्धविराम की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप करें, वह भी शाम 5 बजे, जबकि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम का समझौता तो पहले ही तय हो चुका था, जब पाकिस्तान के डीजीएमओ ने दोपहर 3:30 बजे भारत के डीजीएमओ को फोन किया।

- **दूसरा सवाल है, क्या भाजपा सरकार ने ट्रम्प को अनुमति/सहमति दे दी थी शाम को पांच बजे, यह घोषणा करने के लिए कि भारत पाकिस्तान में ''सीज़ फायर'' हो गया है, उन्होंने सीज़ फायर करवा दिया है। जबकि डेढ़ घण्टे पहले ही, दोनों देशों के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिटरी ऑपरेशन ने आपस में बात करके ''सीज़ फायर'' की सहमति बना ली थी।**
- **तीसरा सवाल है, दो देशों के बीच चल रहे मुद्दे में तीसरी पार्टी को भूमिका निभाने का मौका कैसे मिल गया?**
- **चौथा, सवाल है, भारत की ''डिप्लोमैसी'' इतनी कमज़ोर कैसे हो गई कि वह पाकिस्तान को आई.एम.एफ. का पैकेज देने से नहीं रोक सकी। और यहां तक कि पैकेज में कुछ विलम्ब तक नहीं करा सकी, यह कहकर कि अभी दोनों देशों के बीच युद्ध चल रहा है, तथा यह आशंका है, कि वित्तीय पैकेज का उपयोग हथियार खरीदने में किया जाएगा।**

भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय मामला अचानक त्रिपक्षीय कैसे हो गया, जिसमें अमेरिका ने पूरी स्थिति की दिशा तय कर दी?

भारत की कूटनीति तब विफल हुई, जब वह पाकिस्तान के लिए आईएमएफ राहत पैकेज को रोक नहीं सका, यहाँ तक कि युद्ध की स्थिति में भी, वह इसे मात्र एक महीने के लिए भी टाल नहीं पाया।

पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हमला करने वाले आतंकवादी अब भी खुलेआम घूम रहे हैं, उन्हें न तो पकड़ा गया है और न ही मारा गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शशि थरूर किसके प्रवक्ता हैं, कांग्रेस के या मोदी के?

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 13 मई। राजनैतिक गलियारों में इन दिनों ये चर्चाएं और अफवाहें सुनने को मिल रही हैं कि क्या कांग्रेस सांसद शशि थरूर भाजपा में पहुंच गये है, क्योंकि ''ऑपरेशन सिंदूर'' के बाद, वे नरेन्द्र मोदी सरकार के अनौपचारिक प्रवक्ता की तरह काम करते नजर आ रहे हैं। सर्वविदित है कि ऑपरेशन सिंदूर के अन्तर्गत, भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने 7 मई को पड़ोसी देश पाकिस्तान के आतंकी शिविरों पर सटीक स्ट्राइक की थी।

ये अफवाहें उस समय विश्वसनीय लगने लगीं, जब तिरुवन्तपुरम सांसद थरूर ने उस मुद्दे का उल्लेख किया, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार शाम को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में अनकहा छोड़ दिया था-अर्थात दोनों न्यूक्लियर पड़ोसियों पर युद्धविराम के लिए दबाव डालने की अमेरिका की भूमिका का मुद्दा।

सोमवार शाम को मोदी के राष्ट्र के नाम संदेश से पहले, थरूर ने जाने-माने पत्रकार करण थापर को दिये गये एक इंटरव्यू में जोर देते हुए कहा कि अमेरिकन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प को शर्मिन्दगी उठानी पड़ेगी, क्योंकि भारत, पाकिस्तान के साथ गनपॉइन्ट पर तो समझौता करने से रहा। और ट्रंप तथा अमेरिकन सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रूबियो ने यह बात कही भी है।

आश्चर्य की बात यह है कि थरूर ने वह बात कह दी, जिसे कहने की हिम्मत प्रधानमंत्री मोदी नहीं जुटा सके, जिस बात को उनकी सरकार का कोई मंत्री नहीं कह पाया, और यहां तक कि विदेश मंत्रालय के अधिकृत प्रवक्ता भी जिसे कहने का साहस नहीं कर सके।

थरूर, जो विदेशी मामलों से संबंधित संसद की स्थायी समिति के अध्यक्ष है, ने थापर के एक प्रश्न के उत्तर में कहा, ''हम भारत की विदेश नीति के सम्पूर्ण सिद्धान्त को उनके सिर पर नहीं उड़ेल रहे हैं। हम अपने सिर पर रखी बंदूक की नौंक के डर से भी समझौता करने वाले नहीं हैं।

शनिवार की शाम को राष्ट्रपति ट्रंप ने इस बात का तीन बार श्रेय लिया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को ''पूर्ण

- **क्योंकि, अब ऑपरेशन ''सिन्दूर'' पर थरूर न केवल अपनी पार्टी से भिन्न मत प्रस्तुत कर रहे हैं, बल्कि, वो तर्क प्रस्तुत कर रहे हैं, भाजपा सरकार की ओर से, जो स्वयम् मोदी या उनके अफसर या उनके पार्टी के नेता प्रस्तुत करने से हिचकिचाते हैं।**
- **जब थरूर से पूछा गया क्या कि आप अब भाजपा ''जॉइन'' कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक किसी भी पार्टी का इतिहास, सोच, व मान्यताएं पूर्णतया अंगीकार नहीं कर लेते उस पार्टी को ''जॉइन'' करना गलत मानते हैं। पर वे, ''इंडिपैन्डैंट'' तो रह ही सकते हैं।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जिंदा बम प्रकरणः हाईकोर्ट ने रिकॉर्ड मंगाया

जयपुर, 13 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने 13 मई, 2018 को शहर में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के बाद जिंदा मिले बम के मामले में विशेष न्यायालय से रिकॉर्ड तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में राज्य सरकार को भी नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अवनीश झिंगन और जस्टिस भुवन गोयल की

- **याचिका में चार अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा को चुनौती दी।**

खंडपीठ ने यह आदेश अभियुक्त शाहबाज हुसैन की आपराधिक याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। दूसरी ओर मामले के एक अन्य अभियुक्त, सरवर आजमी ने भी निचली अदालत के सजा के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दे दी है।

याचिका में अधिवक्ता फाहरुख अहमद ने बताया कि बम धमाकों के मूल मामले में विशेष न्यायालय ने याचिकाकर्ता को बरी कर दिया था। शेष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत-पाक युद्ध को अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया में इतना कम स्थान/फोकस क्यों मिल रहा है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मई। आतंकी हमले, जवाबी हमले, ड्रोन स्ट्राइक और पलटवार, और फिर दोनों देशों के दावे, कि किसे कितना नुकसान हुआ, यह सब दक्षिण एशिया में सुर्खियों में हैं। लेकिन पश्चिमी मीडिया की प्रतिक्रिया काफी मौन और धीमी रही है। जब दो परमाणु शक्ति संपन्न देश टकराव के कगार पर हों, तो वैश्विक स्तर पर अधिक तीव्र प्रतिक्रिया की अपेक्षा की जाती है। इसके विपरीत, इन घटनाओं का कवरेज छुटपुट, यदाकदा और मध्यम रहा और यूक्रेन, गाज़ा या अमेरिका की राजनीति जैसे मुद्दों की छाया में कहीं दबा हुआ सा रहा, ऐसा क्यों?

इसका उत्तर भू-राजनीतिक प्राथमिकताओं, मीडिया की आर्थिक रणनीति और रिस्क नहीं लेने की संपादकीय मनोवृत्ति के जटिल जाल में छिपा है।

पहला कारण है, वृत्तांत थकावट (नैरेटिव फटीग)। पश्चिमी न्यूज़रूम पहले से ही यूक्रेन के युद्ध और गाज़ा की मानवीय त्रासदी जैसे उच्च-तीव्रता वाले वैश्विक संकटों से जूझ रहे हैं। ऐसे में दक्षिण एशिया की खबरें तब तक ध्यान में नहीं आतीं, जब तक कि वे किसी भयानक स्तर तक न पहुँच जाएं। नैरेटिव फटीग का अर्थ है कि सम्पादक और पत्रकार विश्वभर में व्याप्त हाई इन्टैन्सिटी संकटों को कवर करते-करते थक गए हैं। संपादकों और पत्रकारों की ऊर्जा और संसाधन सीमित हैं।

यूक्रेन पर रूस की चढ़ाई तथा गाज़ा का मानवीय संकट, जैसी ग्लोबल खबरों के कारण साउथ एशिया सहित अन्य क्षेत्रों को अक्सर कम कवरेज मिलता है। भारत-पाक प्रतिद्वंदिता को एक ''स्थायी क्षेत्रीय झगड़े'' के रूप में देखा जाता है, न कि किसी तात्कालिक वैश्विक संकट के रूप में। इस नज़रिए का सूक्ष्म खतरा यह है कि दक्षिण एशिया में परमाणु तनाव को सामान्य मान लिया गया है, जबकि स्थिति गंभीर होती जा रही है।

वास्तविक खतरा इस रवैये से पैदा होने वाली आत्मसंतुष्टि (कम्प्लैसन्सी) में निहित है। दक्षिण एशिया में परमाणु तनाव को सामान्य मानकर या अनदेखा करके दुनिया बढ़ते तनाव और संघर्ष के संकेतों को मिस कर सकती है, जिससे गलत अनुमान लगाने का संकट का खतरा बढ़ जाता है।

दूसरा कारण है, इस क्षेत्र की रिपोर्टिंग में चुनौतियाँ। संघर्ष क्षेत्रों, जैसे कि कश्मीर में पत्रकारों की पहुँच सीमित है। भारत और पाकिस्तान दोनों ही अपने-अपने पक्ष को आक्रामक रूप से प्रचारित करते हैं। स्वतंत्र सत्यापन की कमी के कारण संपादक किसी भी पक्ष के दावों को प्रमुखता देने से कतराते हैं। परिणामस्वरुप, इस तरह की खबरें सावधानी बरतते हुए लिखी जाती हैं और उन खबरों के आगे इन्हें उन्हें प्राथमिकता नहीं दी जाती, जिनकी पुष्टि की जा सकती है और जो आसानी से मिल जाती हैं।

इसके अलावा, पश्चिमी मीडिया अब ''पक्षपाती'' दिखने से बचना चाहता है। अगर भारत की सैन्य कार्यवाही को उजागर किया गया, तो मानवाधिकार संगठनों या पाकिस्तानी आलोचकों की आलोचना का सामना करना पड़ेगा। वहीं, अगर पाकिस्तान की उकसावे वाली भूमिका को उजागर किया गया, तो भारतीय समर्थकों की तीखी प्रतिक्रिया हो सकती है। ऐसे में ''संतुलन'' के नाम पर मीडिया एक हल्की और सतही रिपोर्टिंग का सहारा लेता है।

एक और कारक है, पाठकों व

- **जबकि, दोनों देश न्यूक्लियर हथियारों से सुसज्जित हैं, और किसी भी देश की नादानी/नासमझी/गैर जिम्मेदाराना सोच/एक्सीडैंट के विश्व के लिए भयानक व दर्दनाक (डैवस्टेटिंग) परिणाम हो सकते है।**
- **इन मीडिया की इस युद्ध के प्रति बे परवाह सोच व रवैये का विश्लेषण उतना ही जरूरी है, जितना इस युद्ध को विश्व युद्ध में परिवर्तित होने से रोकना।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ऑपरेशन सिंदूर अब भारत का ''न्यू नॉर्मल'' है'

नयी दिल्ली, 13 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार सुबह सवेरे आदमपुर वायु सेना स्टेशन पहुंचे और वहां मौजूद वायुयौद्धाओं तथा अन्य जवानों से बातचीत की। पाकिस्तान ने इस वायु सेना स्टेशन पर लड़ाकू विमानों

- **आदमपुर वायु सेना स्टेशन पर सैनिकों के साथ मुलाकात में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा। मोदी ने वायु रक्षा प्रणाली एस-400 के समक्ष जवानों को संबोधित कर पाकिस्तान के उस झूठ का पर्दाफाश कर दिया कि एस-400 नष्ट हो गई है।**

तथा ड्रोन से हमले का असफल प्रयास किया था। मोदी ने भारत की वायु रक्षा प्रणाली एस 400 के समक्ष जवानों को संबोधित कर पाकिस्तान के उस झूठ का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत-पाक युद्ध एक मध्यकालीन (मिडीवल टाइम्स) युद्ध है, जो, 21वीं शताब्दी में लड़ा जा रहा है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस व्यक्ति की तरह दिखे, जो एक अदृश्य शत्रु से लड़ रहा हो।

उनका बयान भले ही देश के भीतर भी असर डालता हो, लेकिन मुख्य रूप से यह बाहरी दुनिया के लिए था। वे उस चीज़ के खिलाफ लड़ रहे थे, जिसका नाम नहीं लिया गया, लेकिन जिसे बहुत व्यापक रूप से फैलाया गया। वॉशिंगटन और अमेरिका में अफवाहें चल रही थीं कि भारत व पाक में अचानक हुआ युद्धविराम अमेरिका ने इसलिए करवाया, क्योंकि उसकी खुफिया जानकारी के अनुसार, भारत की विनाशकारी वायु शक्ति से परेशान पाकिस्तान परमाणु हमला करने की योजना बना रहा था।

लेकिन इस पृष्ठभूमि में मुख्य मुद्दा यह है कि भारत में आधिकारिक रूप से युद्धविराम घोषित होने से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने उसकी घोषणा कर दी थी।

प्रधानमंत्री के बयान और भारत की परमाणु नीति पर उनके वक्तव्य को इसी संदर्भ में पढ़ा जाना चाहिए। पर्दे के पीछे क्या-क्या चल रहा था, वो असली बातें शायद वर्षों बाद सामने आएंगी, उम्मीद है कि तब ये आपसी संघर्ष केवल इतिहास बनकर रह जाएगा।

लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति का सार्वजनिक बयान और फिर टेलीविज़न पर इसे दोहराने से पूरा घटनाक्रम मज़ाक बनकर रह गया है। ऐसा लगता है, जैसे अमेरिका का सर्वोच्च पद एक बचकाने, अविवेकी, उद्दण्ड के हाथ में चला गया है, जो लगभग मूर्खता की सीमा पर है।

डॉनल्ड ट्रंप को भारत-पाक के बीच के संघर्ष की न तो समझ थी, न ही कोई जानकारी।

दुर्भाग्यवश, भारत एक बार फिर पाकिस्तान के साथ एक मध्ययुगीन संघर्ष में उलझ गया, पाकिस्तान, जो अपने पड़ोसी के खिलाफ एक ''पवित्र युद्ध'' लड़ रहा है।

इस संघर्ष की शुरुआत का भद्दा स्वरुप यह रहा, एक समूह ने निर्दोष लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी, और उनके निजी अंगों की जांच कर उनकी पहचान की। अगर भविष्य में कोई इतिहासकार इस संघर्ष को लिखेगा, तो शायद वह इसे ऐसे कहेगा ''युद्ध जिसका कारण.....है।'' अपराध की यह क्रूरता इतनी घिनौनी थी कि उसका उल्लेख करना भी कठिन है।

और इससे भी ज़्यादा अविश्वसनीय बात यह है कि इक्कीसवीं सदी का एक देश इन अपराधियों की रक्षा करने की कोशिश कर रहा है। वहीं, भारत की स्थिति देखिए, वह इस जघन्य अपराध के चारों ओर बने चक्रव्यूह में फंस गया। इन आतंकवादियों को सज़ा दिए बिना भारत पीछे नहीं हट सकता था और वो भी सबसे स्पष्ट और प्रभावशाली तरीक़े से।

इस संदर्भ में, डॉनल्ड ट्रंप की युद्धविराम पर टिप्पणी तो देखिए। उन्होंने कुछ इस तरह कहाः ''मैंने इन दोनों देशों के नेताओं से कहा, यह लड़ाई बंद करो। मैं तुम्हारे साथ व्यापार करूंगा। बहुत सारा व्यापार। लड़ाई बंद करो। अभी बंद करो। नहीं तो मैं व्यापार नहीं करूंगा। और उन्होंने लड़ाई बंद कर दी।''

क्या इससे ज़्यादा हास्यास्पद कुछ हो सकता है? एक ''पवित्र युद्ध'' को व्यापार के प्रस्ताव से रोक रहे हैं। यह एक मानसिकता का संघर्ष है, वह मानसिकता, जिसे कुछ समय पहले पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने व्यक्त किया था, जिसे ''मुल्ला मुनीर'' के नाम से जाना जाता है, जो उसके लिए सटीक नाम है।

इस मानसिकता को संबोधित कैसे किया जाए? यह जिहादी मानसिकता है। इसका इलाज किसी युद्धक्षेत्र में नहीं, बल्कि तब हो सकता है, जब किसी देश की मानसिकता को एक मनोचिकित्सक के पास ले जाकर इलाज कराया जाए या फिर जब तक उस मानसिकता को शारीरिक रूप से पूरी तरह नष्ट न कर दिया जाए।

यह वही नैतिक संघर्ष है, जिसका ज़िक्र अर्नेस्ट हेमिंग्वे ने स्पैनिश गृहयुद्ध पर अपने उपन्यासों में किया है। यही बौद्धिक टकराव विलियम फॉकनर के उपन्यासों में भी झलकता है।

अब सोचिए, डॉनल्ड ट्रंप का चीन के साथ क्या झगड़ा है? के अक्सर चीन के साथ व्यापार असंतुलन को लेकर झुंझलाते रहते हैं, कहते हैं कि चीन ने अमेरिका की तकनीक और शोध चुरा लिया, चीन ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था का दुरुपयोग कर अमेरिका की निर्माण शक्ति को बर्बाद कर दिया।

इन्हीं अमेरिकी संसाधनों और धन से चीन ने आधुनिक हथियारों का भंडार खड़ा किया है - परमाणु हथियार, हाइपरसॉनिक मिसाइलें, नौसैनिक

- **पर, त्रासदी यह है कि यह ''मिडीवल वॉर'', तीर-कमानों, तलवारों व भालों से नहीं, बल्कि, 21वीं सदी के खतरनाक व भयानक हथियारों से (न्यूक्लियर बम) मिसाइल व ड्रोन से लड़ा जा रहा है।**
- **प्र.मंत्री मोदी की विडम्बना है कि वे एक अदृश्य शत्रु से लड़ रहे हैं, वॉशिंगटन व पाकिस्तान की अफवाह गढ़ने वाली एजेन्सियों से, जो टी.वी. व सोशल मीडिया का जमकर उपयोग करते हैं, पर सामने नहीं आते।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार क्या कर रही है

जयपुर, 13 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर क्या कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही अदालत ने सुरक्षा को लेकर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की खरीद को लेकर भी राज्य सरकार से जानकारी मांगी। राजस्थान के मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस मुकेश राजपुरोहित ने यह आदेश मामले में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि हम राज्य सरकार पर दबाव डालकर न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा नहीं चाहते, लेकिन न्यायिक अधिकारियों को अपनी सुरक्षा को लेकर किसी तरह का डर नहीं होना चाहिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की

- **हाईकोर्ट ने इस संबंध में की जा रही कार्यवाही का ब्यौरा पेश करने के निर्देश दिये।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

डिजिटल प्रौद्योगिकी ने सिनेमा के अनुभव को बदल दिया है

इन दिनों यह परिभाषित करना कठिनतर होता जा रहा है कि सिनेमा क्या है? अब ज्यादातर लोग सिनेमाघरों में जाने की बजाय विशाल फ्लैट स्क्रीन टीवी, हाथ में रख सक्ने वाले टैबलेट, मेज पर रखे कंप्यूटर या अपने स्मार्टफोन पर चलचित्र देखते हैं। सिनेमा के दृश्यों को अब सेल्यूलॉइड फिल्म पर नहीं उतारा जाता। अब डिजिटल माध्यम से वीडियो फॉर्मेट में चलचित्र बनाये जाते हैं। कभी कैमरा, लाइट, फिल्म, प्रोजेक्टर और स्क्रीन का रिश्ता हुआ करता था। लेकिन ये सभी इतिहास की चीजें बनती जा रही हैं। तकनीकी छलांग ने फिल्में बनाने और प्रदर्शित करने के तरीकों को ऐसा आमूल बदला है कि आईफोन के कैमरे की संभावनाओं से रोमांचित महान फिल्मकार ज्यां लुक गो'दार की यह भविष्यवाणी सच हो साबित हो रही है कि फोन कैमरे फिल्म निर्माताओं की एक नई पीढ़ी को जन्म देंगे। अब तो एक साधारण हैंडहेल्ड डिवाइस से कोई भी फ़िल्म शूट कर सकता है, उसे संपादित कर बड़े पैमाने पर वितरित कर सकता है। इस तरह नये सिनेमा में छवियों को पकड़ने तथा उनके माध्यम से कहानी कहने का शिल्प बदल गया है। व्यावसायिक मनोरंजन की दुनिया में तो नया सिनेमा ध्वनि के माध्यम से दर्शकों को छवियां दिखाने का प्रयत्न कररहा है। एक प्रकार से उसने दृश्यों के फ्रेमिंग की धारणा को ही बदल कर रख दिया है। सिनेमा एक ऐसा माध्यम है जो समय के साथ लगातार विकसित होता रहा है। सिनेमा की शुरुआत मूक फिल्मों से हुई। आज हम वीएफएक्स, सीजीआई और 3डी तकनीक से युक्त सिनेमा का आनंद ले रहे हैं। इस पूरे विकास क्रम में क्रांतिकारी मोड़ तब आया जब परंपरागत सेलुलॉइड फिल्मों की जगह डिजिटल फॉर्मेट ने ले ली। इस परिवर्तन ने न केवल फिल्मों के निर्माण की तकनीक को बदला, बल्कि उनके वितरण, प्रदर्शनी और दर्शकों की देखने की आदतों को भी पूरी तरह से बदल दिया। परंपरागत सिनेमा में कैमरे के जरिए शूट करके फिल्म को रील पर दर्ज किया जाता था। इसमें भारी-भरकम कैमरे, रील्स और डार्करूम में डेवलपिंग जैसी प्रक्रिया शामिल होती थी। वहीं, डिजिटल फॉर्मेट के आगमन से यह पूरी प्रक्रिया बदल गई और कहीं अधिक सहज, तीव्र और किफायती हो गई है। आज फिल्मकार हाई-डेफिनिशन (एचडी), 4के और 8के जैसे डिजिटल कैमरों का उपयोग कर रहे हैं, जिनसे शूटिंग की गुणवत्ता कई गुना बढ़ जाती है। एडिटिंग भी अब डिजिटल सॉफ्टवेयर के माध्यम से की जाती है जैसे– 'अडोबी प्रीमियर', 'फाइनल कट प्रो' आदि, जिससे फिल्म संपादन सरल, तेज और अधिक सटीक हो गया है। डिजिटल फॉर्मेट ने स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं और नए निर्देशकों को भी फिल्में बनाने के अवसर दिये हैं, क्योंकि इसमें निर्माण, वितरण और प्रदर्शन की लागत परंपरागत फिल्मों की तुलना में बहुत कम हो जाती है। पहले मूल निगेटिव से फिल्मों के प्रिन्ट बनते थे और फिल्मों की रीलें डिब्बों में रखी जाती थी और ये डिब्बे पेटियों में बंद कर थियेटरों में प्रदर्शन के लिए भेजे जाते थे। डिजिटल फॉर्मेट ने इसे पूरी तरह बदल दिया है। अब फिल्में हार्ड ड्राइव्स, इंटरनेट या सैटेलाइट के जरिए थियेटरों तक पहुंचाई जाती हैं। इससे वितरण और प्रदर्शन लागत में भारी कमी आई है। डिजिटल सिनेमा पैकेज (डीसीपी) एक ऐसा फॉर्मेट है जिसमें फिल्म को एन्क्रिप्टेड रूप में भेजा जाता है, जिससे पाइरेसी को भी नियंत्रित किये जाने के उपाय किए जाते हैं।

थियेटर अब डिजिटल प्रोजेक्टर से सुसज्जित हैं, जिससे रील बदलने की आवश्यकता नहीं होती, और दर्शकों को अधिक स्पष्ट और आकर्षक चित्र देखने को मिलते हैं। डिजिटल सिनेमा ने दर्शकों के लिए फिल्म देखने के अनुभव को भी अत्याधुनिक बना दिया है। डिजिटल फिल्में 4के रिज़ॉल्यूशन और डॉल्बी डिजिटल साउंड जैसे फीचर्स के साथ आती हैं, जिससे थियेटर में सिनेमा देखने का आनंद कई गुना बढ़ जाता है। डिजिटल तकनीक के कारण ही आज दर्शक 3डी फिल्मों और अद्भुत वीएफएक्स का अनुभव ले पा रहे हैं, जो परंपरागत सिनेमा में संभव नहीं था। लेकिन अब नई प्रौद्योगिकी दर्शकों को सिनेमाघरों से दूर भी कर रही है तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म्स सिनेमा और टीवी के बीच की रेखा धुंधली कर दे रहे हैं। अब बड़े फिल्मी सितारे और निर्देशक भी वेब सीरीज़ बना रहे हैं, जो कभी सिर्फ टीवी तक सीमित था। डिजिटल फॉर्मेट की सबसे बड़ी देन ओटीटी (ओवर-द-टॉप) प्लेटफॉर्म हैं, जिनसे दर्शक अब कहीं भी और कभी भी अपनी पसंद की फिल्में देख सकते हैं। वास्तव में डिजिटल फॉर्मेट ने सिनेमा को लोकतांत्रिक बना दिया है। अब हर व्यक्ति जिसके पास कहने को कुछ है, वह फिल्म बना सकता है। आज स्मार्टफोन से भी अच्छी क्वालिटी की फिल्में बन रही हैं। इसका उदाहरण है आईफोन 7 प्लस पर शूट की गई 'अनसेन' जैसी फिल्में, जो व्यावसायिक सफलताएं भी पा रही हैं। यूट्यूब, इंस्टाग्राम रील्स और शॉर्ट फिल्म प्लेटफॉर्म्स से नए कलाकारों को पहली बार मंच मिल रहा है और इसी कारण अब नये-नये सामाजिक, राजनीतिक और संवेदनशील मुद्दों पर फिल्में बनाई जाने लगी हैं, जो पहले संभव न था। हालांकि इससे सामाजिक नैतिक मुद्दों के सवाल भी उठ रहे हैं। डिजिटल सिनेमा ने रोजगार के नए अवसर भी पैदा किए हैं। एडिटिंग, कलर ग्रेडिंग, ग्राफिक डिजाइन, वीएफएक्स, साउंड इंजीनियरिंग जैसी डिजिटल स्किल्स की मांग तेजी से बढ़ी है। अब कलाकार और तकनीशियन स्वतंत्र रूप से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से काम पा सकते हैं, जो पहले कठिन था। डिजिटल फॉर्मेट ने परंपरागत सिनेमा के लगभग हर पहलू को प्रभावित किया है – चाहे वह निर्माण हो, वितरण हो, प्रदर्शन हो, विषयवस्तु हो या दर्शकों का अनुभव। इसने सिनेमा का सार्वजनीकरण कर दिया है। यह परिवर्तन जितना तकनीकी है, उतना ही सामाजिक और सांस्कृतिक भी है। हालांकि, इसके साथ कुछ चुनौतियाँ भी आई हैं जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट की अधिकता से गुणवत्ता का ह्रास, थिएटर संस्कृति का क्षरण और पाइरेसी के नये जातं। फिर भी यह कहना उचित होगा कि डिजिटल फॉर्मेट ने सिनेमा को एक नई दिशा और ऊंचाई दी है, जिससे भविष्य के लिए अनंत संभावनाओं के द्वार खुलेंगे।

अब हर व्यक्ति जिसके पास कहने को कुछ है, वह फिल्म बना सकता है। आज स्मार्टफोन से भी अच्छी क्वालिटी की फिल्में बन रही हैं। इसका उदाहरण है आईफोन 7 प्लस पर शूट की गई 'अनसेन' जैसी फिल्में, जो व्यावसायिक सफलताएं भी पा रही हैं। हालांकि इससे सामाजिक नैतिक मुद्दों के सवाल भी उठ रहे हैं।

भारत में सिनेमा मनोरंजन व्यवसाय जगत का बड़ा खिलाड़ी रहा है। इस बाज़ार में अब फिल्मों को भी फ्रैंचाइज़ी या एपिसोडिक फॉर्म में देखा जा रहा है, जो टीवी सीरियलों की तरह हर फिल्म में कुछ अधूरी कहानी छोड़ता है ताकि दर्शक अगली कड़ी का इंतजार करें। टीवी सीरियल्स की तरह अब डिजिटल फिल्मों और वेब सीरीज़ में किरदारों की गहराई, लंबे प्लॉट, और धीमी गति से कहानी का विस्तार देखा जा सकता है, जो पारंपरिक दो-तीन घंटे की फिल्मों में मुश्किल होता था। अब दर्शक बिंज-वॉचिंग (एक साथ कई एपिसोड देखने) के आदी हो चले हैं। इसलिए सिनेमा को भी उनके अनुरूप खुद को ढालना पड़ा है, जिससे उसका फॉर्मेट और टेम्पो टीवी सीरियल जैसा महसूस होने लगा है। डिजिटल कैमरा, वीएफएक्स और एडिटिंग टूल्स की वजह से अब कम बजट में भी ऐसा कंटेंट बनाया जा सकता है जो बड़े सिनेमा जितना भव्य हो। हालांकि डिजिटल तकनीक ने सिनेमा को कहानी कहने के तरीके, दर्शक की आदतें और प्रस्तुतिकरण में टीवी सीरियल जैसा बना दिया है, लेकिन यह भी सच है कि इससे स्वतंत्र रचनाकारों को नई आज़ादी मिली है और उनके लिए विविधता और प्रयोग के अवसर बढ़ गए हैं। भले ही उन लोगों की संख्या बढ़ गई है जो अब घर बैठे फिल्में देखना पसंद करते हैं, लेकिन बड़े परदे का अनुभव, साउंड क्वालिटी और थिएटर का माहौल अब भी अनोखा बना हुआ है। खासकर बड़े बजट की फिल्में अपने विजुअल तथा साउन्ड इफेक्ट्स के जरिए दर्शकों को सिनेमाघरों की ओर खींचती हैं और सफल भी होती हैं। मगर युवा दर्शक छोटे फॉर्मेट,जैसे यूट्यूब, रील, शॉर्ट फिल्मकी ओर आकर्षित हो रहे हैं। लंबी फिल्मों के बजाय अब वेब सीरीज और एपिसोडिक कंटेंट ज्यादा देखे जा रहे हैं। एक समय था जब दर्शक फिल्म शुरू होने से पहले बड़े ध्यान से सेंसर सर्टिफिकेट को देखा करते थे, और उसमें खास तौर पर फिल्म की रीलों की संख्या और लंबाई पर अवश्य नज़र डालते थे। फिल्में तब सेलुलॉइड रीलों पर आती थीं, और एक रील लगभग 1000 फीट की होती थी, जो लगभग 10-11 मिनट की फिल्म को समेटती थी। तो अगर किसी फिल्म में 15-16 रीलें होती थीं, तो वह फिल्म लगभग ढाई घंटे की मानी जाती थी। अब डिजिटल युग में यह चलन खत्म हो गया है – फिल्में डिजिटल प्रोजेक्शन से चलती हैं, रीलें नहीं होतीं, और सेंसर सर्टिफिकेट को कोई नहीं देखता है। पर समीक्षकों का कहना है कि यह बदलाव केवल 'फॉर्मैट' में है, सिनेमा के प्रति प्रेम में नहीं, जो अब भी बना हुआ है। डिजिटल युग में कंटेंट की भरमार से कभी-कभी गुणवत्ता प्रभावित होती लगती है, लेकिन अच्छी कहानियां फिर भी टिकती हैं और दर्शकों का ध्यान खींचती हैं। परिवर्तन के दौर में सिनेमा एक नया रूप ले रहा है। डिजिटल युग के सिनेमा में प्रयोग, विविधता और व्यापक पहुंच जैसी संभावनाएं हैं। डिजिटल फॉर्मेट पुराने जमाने में बनी फिल्मों के संरक्षण और उनको मूल जैसी अवस्था में संरक्षित करने अर्थात रेस्टोरेशन को भी संभव बना रहा है। अनेक क्लासिक फिल्मों को डिजिटल रूप में स्कैन कर संरक्षित किया गया है, जिससे वे अगली पीढ़ियों तक सुरक्षित रह सकें। डिजिटल तकनीक की मदद से पुरानी फिल्मों के ध्वनि और रंग को सुधारा जा सकता है, जिससे वे परदे पर वैसी सी स्पष्ट नज़र आती हैं जैसी वे अपने प्रथम प्रदर्शन के समय थीं।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

भारत-पाक युद्ध : भक्ति, आस्था एवं आराध्य का विश्वास

अविनाश जोशी

भारत-पाक युद्ध पर आध्यात्मिक विचारों और भक्ति भाव का प्रभाव एक महत्वपूर्ण विषय है एवं इस विषय पे मंथन हमारे विचारों को ओर अधिक आत्मिक बल एवं शक्ति प्रदान करता है। आस्था, मनोबल और राष्ट्रवाद का संगम अगर विचारों में आ जाए तो हमारा सैन्य बल एवं सीमाओं में रहने वाले नागरिक ज्यादा आत्मविश्वास से आगे बढ़ सकते है।

युद्ध, मानवीय इतिहास का एक क्रूर और विनाशकारी अध्याय रहा है, जहाँ जीवन और मृत्यु के बीच की रेखा धुंधली पड़ जाती है। ऐसे विषम परिस्थितियों में, सैन्य रणनीतियों और हथियारों के अलावा, कुछ अदृश्य शक्तियाँ भी निर्णायक भूमिका निभाती हैं – वे हैं आस्था, विश्वास और भक्ति। ये तत्व न केवल सैनिकों के मनोबल को प्रभावित करते हैं, बल्कि राष्ट्र के सामूहिक चेतना और युद्ध के प्रति दृष्टिकोण को भी आकार देते हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्षों का इतिहास मात्र सैन्य रणनीतियों या राजनीतिक दांव-पेचों का लेखा-जोखा नहीं है, बल्कि यह उन अदृश्य शक्तियों और मानवीय भावनाओं का भी दर्पण है जिन्होंने युद्ध के मैदान और जनमानस दोनों को प्रभावित किया है। इन युद्धों के दौरान, आध्यात्मिक विचारों और भक्ति का गहरा प्रभाव देखा गया, जिसने सैनिकों के मनोबल, नागरिकों की एकजुटता और राष्ट्रवाद की भावना को अप्रत्याशित रूप से आकार दिया। विचारधारा और औचित्य का आधार भारत-पाक विभाजन स्वयं धार्मिक पहचान के आधार पर हुआ था, जिसने दोनों राष्ट्रों के बीच एक मूलभूत वैचारिक अंतर पैदा किया।

युद्ध के मैदान में सैनिकों को अक्सर शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की चरम चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में, किसी उच्च शक्ति, अपने देश के आदर्शों, या अपने उद्देश्य की पवित्रता में अटूट आस्था उनमें अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प भर देती है। यह विश्वास कि वे किसी बड़े उद्देश्य के लिए लड़ रहे हैं या किसी ईश्वरीय शक्ति का आशीर्वाद उनके साथ है, उन्हें भय और अनिश्चितता के बावजूद आगे बढ़ने की शक्ति देता है। देशभक्ति या धार्मिक प्रतीकों के प्रति गहरी भक्ति सैनिकों को अपनी जान की परवाह किए बिना कर्तव्य पथ पर बढ़ने के लिए प्रेरित करती है, यह मानते हुए कि उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा।

भारतीय संदर्भ में, भगवद गीता में वर्णित धर्म युद्ध का सिद्धांत, जो न्याय और सत्य की स्थापना के लिए आवश्यक होने पर युद्ध को एक कर्तव्य मानता है, ने संघर्ष में संलग्न होने के लिए एक नैतिक और दार्शनिक आधार प्रदान किया। यह विचार कि अन्याय और हिंसा के समक्ष निष्क्रिय रहना स्वयं एक अधर्म है, भारतीय सैनिकों और नागरिकों के लिए एक शक्तिशाली प्रेरणा स्त्रोत बना।

मनोबल और प्रेरणा में भक्ति का योगदान

युद्धकाल में सैनिकों के मनोबल को बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होती है, और यहाँ भक्ति व आध्यात्मिक विश्वासों ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ईश्वर में अटूट विश्वास, कर्म के सिद्धांत और देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने की भावना ने सैनिकों को अत्यधिक दबाव और जीवन-मृत्यु की परिस्थितियों में भी अडिग रहने की शक्ति दी।

इसका सबसे सशक्त उदाहरण राजस्थान के जैसलमेर जिले में स्थित तनोट माता मंदिर है। 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्धों के दौरान, यह माना जाता है कि पाकिस्तानी सेना द्वारा गिराए गए सैकड़ों बम मंदिर परिसर को कोई नुकसान नहीं पहुँचा सके। इस घटना को सैनिकों और स्थानीय लोगों ने माता के आशीर्वाद के रूप में देखा। यह मंदिर भारतीय सेना के लिए एक महत्वपूर्ण प्रेरणा स्त्रोत बन गया है और इसे दिव्य संरक्षण के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। यह दिखाता है कि कैसे धार्मिक आस्थाएँ युद्ध के बीच भी सैनिकों को आशा और सुरक्षा की भावना प्रदान कर सकती हैं। कई सैनिकों ने युद्ध के मैदान में भी अपनी व्यक्तिगत भक्ति को बनाए रखा।

युद्ध से पहले या दौरान प्रार्थना करना, अपने इष्टदेव का स्मरण करना, या धार्मिक ठांथों का पाठ करना सैन्य बल को मानसिक शांति और आंतरिक शक्ति प्रदान करता है। लेफ्टिनेंट जनरल हनुत सिंह राठौड़, जिन्हें उनके सैनिक गुरुदेव के नाम से जानते थे, एक ऐसे सैन्य अधिकारी थे जो अपनी आध्यात्मिक प्रवृत्ति और नेतृत्व के लिए जाने जाते थे।

उनके आध्यात्मिक मूल्यों ने न केवल उनके व्यक्तिगत आचरण को बल्कि उनके सैनिकों में विश्वास और समर्पण की भावना को भी प्रभावित किया। युद्धकाल में, देशभक्ति की भावना अक्सर धार्मिक भावनाओं से ओत-प्रोत होती थी। लोग देश की जीत और सैनिकों की सुरक्षा के लिए मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और चर्चों में विशेष प्रार्थनाएँ करते थे। धार्मिक स्थलों पर आयोजित सामूहिक अनुष्ठान और भजन-कीर्तन जनता को एकजुट करते थे और उनमें सामूहिक आशा व संकल्प की भावना भरते थे। विभिन्न धार्मिक और आध्यात्मिक नेताओं ने भी इस दौरान अपनी भूमिका निभाई। कुछ ने युद्ध की विभीषिका को समाप्त करने और शांति स्थापित करने के लिए प्रार्थना और सद्भाव का संदेश दिया। वहीं, कुछ ने राष्ट्र की रक्षा और सैनिकों के समर्थन में लोगों को एकजुट होने का आव्हान किया। जैन मुनियों जैसे आध्यात्मिक गुरुओं ने वैश्विक शांति के लिए अपनी प्रार्थनाओं के माध्यम से संघर्षों को आध्यात्मिक दृष्टिकोण से हल करने की आवश्यकता पर बल दिया।

अक्सर, आस्था और विश्वास युद्ध में संलग्न होने या उसका समर्थन करने के लिए एक शक्तिशाली प्रेरक शक्ति और औचित्य प्रदान करते हैं। इतिहास गवाह है कि अनेक संघर्षों को धर्म युद्ध पवित्र कर्तव्य या न्याय के लिए संघर्ष के रूप में प्रस्तुत किया गया है। चाहे वह भगवद गीता का धर्म युद्ध का सिद्धांत हो, जहाँ अन्याय के विरुद्ध संघर्ष को कर्तव्य माना गया है, ये वैचारिक आधार सैनिकों और नागरिकों को यह विश्वास दिलाते हैं कि उनका संघर्ष नैतिक और आध्यात्मिक रूप से सही है। यह प्रेरणा उन्हें अपने उद्देश्य के लिए अडिग रहने और युद्ध की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति देती है।

मानसिक सहारा और भावनात्मक लचीलापन

युद्ध का आघात और तनाव सैनिकों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालता है। आस्था और भक्ति उन्हें इन भयानक अनुभवों से निपटने में मदद करती हैं। प्रार्थना, ध्यान, या धार्मिक अनुष्ठान सैनिकों को मानसिक शांति प्रदान करते हैं और भय, चिंता तथा भावनात्मक सदमे से उबरने में सहायक होते हैं। नुकसान और हार की स्थिति में भी, विश्वास यह आशा देता है कि अंततः न्याय होगा या उनके साथियों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। यह मानवीय लचीलेपन को बढ़ाता है और उन्हें विपरीत परिस्थितियों में भी आशावान रहने की शक्ति देता है।

बलिदान की भावना और नैतिक आयाम

गहरे विश्वास और भक्ति से ओत-प्रोत व्यक्ति अपने देश, अपनी विचारधारा या अपने धर्म के लिए सर्वोच्च बलिदान देने को तैयार रहते हैं। वे मानते हैं कि उनकी मृत्यु एक नेक काम के लिए होगी और उसका कोई आध्यात्मिक या राष्ट्रीय महत्व होगा। युद्ध के बाद, वीरगति प्राप्त करने वाले सैनिकों को अक्सर धार्मिक या सांस्कृतिक नायक के रूप में सम्मानित किया जाता है, जिससे दूसरों को भी प्रेरित होकर लड़ने की प्रेरणा मिलती है। हालाँकि, यह भी महत्वपूर्ण है कि आस्था का उपयोग कभी-कभी युद्ध अपराधों को सही ठहराने या मानवीय मूल्यों का उल्लंघन करने के लिए भी किया जा सकता है, जो इस शक्ति के दोहरे पहलू को दर्शाता है।

युद्ध में आस्था, विश्वास और भक्ति की भूमिका केवल एक सहायक तत्व नहीं है, बल्कि यह संघर्षों के मनोविज्ञान और परिणाम को आकार देने वाली एक मूलभूत शक्ति है। यह सैनिकों को आंतरिक शक्ति, प्रेरणा और नैतिक बल प्रदान करती है, वहीं पूरे राष्ट्र को एकजुट करती है और उन्हें कठिन समय में दृढ़ रहने की क्षमता देती है। युद्ध की विभीषिका के बीच, ये मानवीय मूल्य और आध्यात्मिक धारणाएँ आशा की किरण और दृढ़ संकल्प का स्त्रोत बनी रहती हैं, जो मानवीय सहनशीलता की असीम गहराई को दर्शाती हैं।

–अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक

एक प्राचार्य के भरोसे चल रहा है राजलदेसर का राजकीय महाविद्यालय

महाविद्यालय में 20 पद स्वीकृत, वर्तमान में मात्र कला संकाय विषय संचालित है

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर कस्बे में राजकीय महाविद्यालय में लंबे समय से प्रोफेसर एवं कार्यालयकर्मी के रिक्त पद चल रहे हैं जिसमें 7 प्रोफेसर, 13 कार्यालय कर्मी जिसके कारण महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

वर्तमान में मात्र एक प्राचार्य के भरोसे चल रहा है। वर्तमान में महाविद्यालय में मात्र एक कला संकाय है जिसमें प्रथम वर्ष में 300 छात्र-छात्राएं अध्यनरत है। द्वितीय वर्ष में 180, तृतीय वर्ष में 160, इसके अलावा साइंस, कॉमर्स का विषय नहीं होने के कारण सीनियर करने वाले छात्र-छात्राओं को अन्यत्र जगह जाना पड़ता है। जिससे उनको समय के साथ-साथ आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। साथ ही अभिभावकों को भी काफी परेशानी होती है। वहीं रिक्त पदों को लेकर अनेकों बार पूर्व में कांग्रेस सरकार एवं वर्तमान में भाजपा सरकार को राजलदेसर कस्बे के राजनीतिक दलों के पदाधिकारी एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी की ओर से सरकार को अवगत करा चुके हैं, लेकिन किसी तरह की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इसके अलावा प्रथम वर्ष कला संकाय में कम सीट होने के कारण 500 आवेदन पिछले सत्र में आए थे, जिसमें मात्र 300 सीट होने के कारण छात्र-छात्राओं को दूसरी जगह प्रवेश लेना पड़ा। साथ ही आने वाले सत्र में कला संकाय में सीटें और बढ़ाने की आवश्यकता है।

राजलदेसर कस्बे में राजकीय महाविद्यालय में प्रोफेसर एवं कार्यालयकर्मी के रिक्त पद चल रहे हैं।

- लंबे समय से प्रोफेसर एवं कार्यालयकर्मी के पद रिक्त चल रहे हैं
- छात्र-छात्राओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है

जानकारी अनुसार महाविद्यालय सन् 2020 के अंदर कांग्रेस सरकार में स्वीकृत हुआ था। भवन नहीं बनने के कारण श्री यूनियन क्लब विद्यालय में स्थाई तौर पर शुभारंभ किया गया था। उसके बाद सरकार द्वारा भूमि उपलब्ध करवाई गई एवं कांग्रेस की सरकार में नेशनल हाईवे 11 पर भवन का निर्माण हुआ जिसका उद्घाटन 2024 में वर्चुअल उद्घाटन करके भवन पूर्णतया रूप से संचालित होने लगा। उद्घाटन के अवसर पर रतनगढ़ विधायक पूसाराम गोदारा ने 7. 50 लाख रुपए की लागत राशि से बच्चों को बैठने के लिए फर्नीचर की घोषणा की, जो महाविद्यालय के अंदर पहुंच चुका है। इसके अलावा राजलदेसर के भामाशाहों के द्वारा अनेकों उपकरण उपलब्ध करवाई एवं जीनस कंपनी एवं श्री राजलदेसर गौशाला के संयुक्त तत्वाधान में 2 लाख की अधिक की राशि के ड्रिप पद्धति द्वारा पेड़ पौधे लगाए गए जो आज महाविद्यालय में पेड़ बड़े-बड़े हो चुके हैं, लेकिन सब कुछ होते हुए यहां पर स्टॉफ नहीं होने के कारण छात्र-छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

नए शिक्षा सत्र से पहले इंग्लिश मीडियम स्कूलों में शिक्षकों को पोस्टिंग मिलेगी

शिक्षा विभाग की ओर से पिछले साल 25 अगस्त को चयन परीक्षा आयोजित की गई थी

बीकानेर, (निसं)। चयन परीक्षा में चयनित 30 हजार शिक्षकों को 8 माह से पदस्थापन का इंतजार है। प्रदेश के सभी 3737 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में राज्य सरकार की ओर से प्रवेश के निर्णय के बाद उम्मीद की जा रही है कि नए शिक्षा सत्र से पहले इन स्कूलों में शिक्षकों का पदस्थापन भी हो जाएगा। महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने के लिए शिक्षा विभाग की ओर से पिछले साल 25 अगस्त को चयन परीक्षा आयोजित की गई थी। चयन परीक्षा का परिणाम 23 दिसंबर को घोषित किया गया। जिसमें करीब 30 हजार शिक्षक चयनित हुए। चयनित शिक्षकों से पोस्टिंग के लिए 41 जिलों के आधार पर शिक्षा विभाग पूर्व में विकल्प ले चुका है। लेकिन इन शिक्षकों के पदस्थापन से पहले ही राज्य सरकार ने महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों की समीक्षा के लिए रिव्यू कमेटी का गठन कर दिया। दिसंबर में गठित हुई कमेटी ने दो दिन पूर्व ही फैसला दिया है कि वर्तमान शिक्षा सत्र में एक भी इंग्लिश मीडियम स्कूल को बंद नहीं किया जाएगा। पूर्व में संचालित सभी इंग्लिश मीडियम स्कूल में वर्तमान शिक्षा सत्र में भी प्रवेश होंगे। प्रवेश की प्रक्रिया भी 7 मई से शुरू हो चुकी है। उधर अब चयनित शिक्षक इन स्कूलों में पदस्थापन की मांग कर रहे हैं। संभावना जताई जा रही है कि 1 जुलाई से पहले चयनित शिक्षकों को इन स्कूलों में पदस्थापन दिया जा सकता है। शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित की गई चयन परीक्षा में लगभग 30 हजार शिक्षक का चयन हुआ था। बताया जा रहा है कि इनमें से 25 हजार शिक्षकों ने विभिन्न जिलों में पदस्थापन के लिए विकल्प भरा है। ऑनलाइन सबमिट किए गए विकल्पों के आधार पर ही मेरिट से चयनित शिक्षकों को जिला आवंटित किया जाना है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 14 मई, 2025

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, अनुराधा नक्षत्र दिन 11:47 तक, परिघ योग प्रातः 6:24 तक, तैतिल करण दिन 1:33 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कर्क, बुध-मेष, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि और अमृत योग सूर्योदय से दिन 11:47 तक है। राजयोग दिन 11:47 तक रहेगा। आज ज्येष्ठ संक्रांति, सूर्य वृषभ में प्रवेश रात्रि 12:12 पर करेगा। पुण्य काल गुरूवार को रहेगा। गुरू मिथुन राशि में रात्रि 10:35 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ अमृत सूर्योदय से 9:03 तक, शुभ 10:43 से 12:23 तक, चर 3:43 से 5:22 तक, लाभ 5:22 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:44, सूर्यास्त 7:02

मेष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में परिजनों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

वृश्चिक
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

धनु
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

प्रदेश सरकार युवाओं को दे रही रोजगार के पर्याप्त अवसर : भजनलाल शर्मा

- बजट 2025-26 की समीक्षा बैठक में बोले मुख्यमंत्री, ''प्रत्येक बजटीय घोषणा को पूरा करने के लिए अधिकारी बनाएं टाइमलाइन''
- 'वन कार्मिक, पटवारी, स्कूल शिक्षक तथा कांस्टेबल के पदों पर भर्ती शीघ्र'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को उनके निवास पर वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित किया। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बजट की प्रत्येक घोषणा को पूरा करने के लिए अधिकारी टाइमलाइन बनाते हुए काम करें। अधिकारी उसी तय सीमा में काम को पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 2047 तक विकसित राजस्थान के संकल्प को ध्यान में रखते हुए अपने प्रत्येक बजट में राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए विभिन्न प्रावधान किए हैं। हम प्रदेश के युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर देते हुए उन्हें आत्मनिर्भर, सशक्त एवं खुशहाल बनाने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने विभिन्न घोषणाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बजटीय घोषणाओं की प्रगति का नियमित फॉलोअप सुनिश्चित कर रही है, जिससे जमीनी स्तर पर इन योजनाओं का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि राज्य के युवाओं को रोजगार मिले। इस दिशा में लगभग 1 लाख 88 हजार सरकारी पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में जनकल्याणकारी योजनाओं की सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण पहुंच सुनिश्चित कर रही है। इसी क्रम में शीघ्र ही वन विभाग में विभिन्न कार्मिकों, पटवारी, स्कूल शिक्षक तथा कांस्टेबल के पदों पर भर्ती की जाएगी। कार्मिक विभाग द्वारा इस संबंध में अग्रिम कार्यवाही प्रारंभ की जा चुकी है। शर्मा ने कहा कि चिकित्सा महाविद्यालयों सहित सभी चिकित्सा संस्थानों में बेहतर प्रशासनिक प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए हॉस्पिटल मैनेजर का पद सृजित किया जाएगा। विभाग में कार्यरतमुख्य संचालकएवं नर्सिंग स्टाफ को विशेष प्रशिक्षण दिया जाए जिससे उनकी प्रबंधन दक्षताओं में वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि मा योजना तथा आरजीएचएस पोर्टल को इंटीग्रेटेड हैल्थ मैनेजमेंट सिस्टम के अंतर्गत इंटीग्रेट किया जाए। साथ ही, स्वास्थ्य शिविर लगाकर ई-हैल्थ रिकॉर्ड के कार्य में गति लाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री अन्न को राज्य सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल किया जाए जिससे इसके उपयोग को प्रोत्साहन मिले। उन्होंने कहा कि श्री अन्न की पोषण क्षमता एवं उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए मिड-डे मील तथा मां बाडी केन्द्रों पर पायलट बेसिस पर श्री अन्न आधारित उत्पाद शुरू किए जाएं जिससे बच्चों में सुपोषण तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी आयोजनों में स्वयं सहायता समूह तथा राजीविका की महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों को उपयोग में लाया जाए जिससे न केवल उन उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा बल्कि उनकी आय में वृद्धि भी होगी। शर्मा ने अधिकारियों को श्री अन्न के मार्केटिंग, उत्पादन तथा प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक समिति बनाने के भी निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि बजटीय घोषणाओं की स्पष्ट कार्ययोजना बनाई जाए जिससे तय समयसीमा में घोषणाएं धरातल पर उतर सकें। उन्होंने कहा कि विभाग अपनी बजटीय घोषणाओं की प्रगति रिपोर्ट तैयार कर उनकी नियमित समीक्षा करें। साथ ही, जिन विभागों में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है उनके कार्य में तेजी लाई जाए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में रोजगार के अवसरों का सृजन करने के साथ सर्विस सेक्टर में निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर पॉलिसी लाई जाएगी। साथ ही, राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी लाकर राज्य में ट्रेडिंग सेक्टर का विकास एवं संवर्धन किया जाएगा। बैठक में मुख्यमंत्री ने सर्कुलर इकोनॉमी के व्यापक प्रसार, ई-बस सेवा, प्रस्तावित एमनेस्टी स्कीम, राजस्थान व्हीकल स्क्रैप पॉलिसी, घरेलू उपभोक्ताओं को पाइप्ड गैस सप्लाई से जोड़ने की प्रक्रिया को गति देने सहित विभिन्न बजटीय घोषणाओं की प्रगति पर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने जल संसाधन, उद्योग, नगरीय विकास, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, नागरिक उड्डयन, परिवहन, सूचना प्रौद्योगिकी, वित्त, वन, पर्यावरण, ग्रामीण विकास, राजस्व, स्वायत्त शासन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कार्मिक, स्कूल शिक्षा, सार्वजनिक निर्माण विभाग जैसे प्रमुख विभागों की बजटीय घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा की। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पत्रकारिता में अन्वेषण मूल्यों का अधिकाधिक समावेश हो : बागड़े

विश्व संवाद केन्द्र फाउण्डेशन की ओर से आयोजित नारद जयंती व पत्रकार सम्मान समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने संबोधित किया।

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि पत्रकारिता में खोज और अन्वेषण मूल्यों का विकास जरूरी है। उन्होंने इज़राइल के अपने यात्रा संस्मरण सुनाते हुए कहा कि वहां पत्रकारिता में शोध को पहले पन्ने पर प्रकाशित किया जाता है। पत्रकारिता में यह दृष्टि अपनाई जाए। उन्होंने भारतीय शोध का अधिकाधिक पेटेंट करवाने का भी आव्हान किया।

राज्यपाल मंगलवार को विश्व संवाद केन्द्र फाउंडेशन द्वारा आयोजित नारद जयंती व पत्रकार सम्मान समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मौखिक मीडिया की प्रासंगिकता कई बार दूसरे मीडिया से अधिक होती है। महर्षि नारद इसी मीडिया से जुड़े थे। उन्होंने पीओके के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि यह उस समय की ऐतिहासिक भूल थी। उन्होंने कहा कि पीओके निर्माण का पाप लार्ड माउंटेन बेटेन का था।

उन्होंने कहा कि भारत में बाहरी आक्रांता इसलिए हावी रहे कि हमारे यहां आंतरिक एकता का अभाव था। एक राजा दूसरे राजा की मदद नहीं करता था। उन्होंने कहा कि भारत बदल रहा है। उन्होंने राष्ट्र भक्ति, सावरकर और भारत पाकिस्तान सम्बन्धों की चर्चा करते हुए कहा कि देश प्रेम का जज्बा बदले भारत की सुनहरी तस्वीर है।

राज्यपाल ने महर्षि अरविंद की चर्चा करते हुए कहा कि पंडित नेहरू ने उनके दर्शन की विशेष रूप से "डिस्कवरी ऑफ इंडिया" में चर्चा की है। अरविंद ने बच्चों की बौद्धिक क्षमता कैसे बढ़ें, इसी पर विशेष ध्यान देने की बात कही है। उन्होंने कहा कि लार्ड मैकाले द्वारा भारत को मानसिक रूप से गुलाम बनाए रखने के लिए अंग्रेजी शिक्षा का प्रसार किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने नई शिक्षा नीति इसी आलोक में लागू की है कि बच्चे भारतीय ज्ञान की परंपरा से जुड़े और उनकी बौद्धिक क्षमता का विकास हो।

राज्यपाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति का परिणाम अभी नहीं आयेगा, दस बीस सालों में दिखेगा। आने वाले समय में देश की बौद्धिक और नैतिक प्रगति होगी। उन्होंने कहा कि याद रखें जो देश अपना इतिहास भूलते हैं, वे राष्ट्र का भूगोल भी भूलने लगते हैं।

उन्होंने कहा कि 1150 में भास्कराचार्य ने लीलावती नाम का ग्रन्थ लिखकर बता दिया था कि गुरुत्वाकर्षण के कारण पृथ्वी और आकाश में परस्पर आकर्षण रहता है। इसी शोध को न्यूटन के नाम से हम जानते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पर विश्वास के लिए अपने आत्म में झांकना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि नारद जयंती पत्रकारिता के मूल्यों से जुड़ी है। नारद जी तीनों लोकों में हर प्रकार की सूचनाओं का आदान प्रदान मौखिक करते थे। यही तब की पत्रकारिता थी। इससे पहले उन्होंने विभिन्न वर्गों में पत्रकारिता में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों को सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि जो पत्रकार सम्मानित हुए हैं, वे समाज के लिए अनुकरणीय हैं।

इससे पहले मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के संपादक हितेश शंकर ने कहा ऑपरेशन सिंदूर में भारत की नैतिकता की विजय हुई। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत की बहुत कुशल और प्रभावी रणनीति की विश्वभर में सराहना हुई है। उन्होंने इस दौरान भारत और पाकिस्तान मीडिया में पत्रकारिता की रही दृष्टि की भी विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर डा. हेमंत सेठिया, चैन सिंह राजपुरोहित ने भी विचार रखे।

सुबोध शिक्षा समिति मामले में दूसरी बार पेश एफआर अस्वीकार

जयपुर। एसीबी मामलों की विशेष अदालत ने सुबोध शिक्षा समिति से जुडे एसीबी केस में दूसरी बार पेश एफआर को अस्वीकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में परिवादी की ओर से उठाए बिंदुओं को लेकर जांच के आदेश दिए हैं। पीठासीन अधिकारी सुरेंद्र कुमार ने यह आदेश परिवादी लक्ष्मीकांत की ओर से पेश प्रार्थना पत्र पर दिए।

मामले के अनुसार भवानी सहाय, पुलिस निरीक्षक द्वारा प्रारंभिक जांच कर सत्यापन रिपोर्ट पेश की थी। जिसमें कहा गया कि सुबोध शिक्षा समिति के अध्यक्ष नवरतन कोठारी, प्रोफेसर अश्वनी कुमार, एनके लोहिया और प्राचार्य केबी शर्मा ने मिलीभगत कर पदीय कर्तव्यों का दुरुपयोग किया।

इन्होंने चयन समिति के मिनिट्स में कांट छांट कर केबी शर्मा को एसएस सुबोध पीजी कॉलेज के प्राचार्य पद पर नियम विरुद्ध चयनित किया। उस समय केबी शर्मा भौतिक शास्त्र के व्याख्याता पद पर कार्यरत थे। प्राचार्य पद पर चयनित होने के बाद भी भौतिक शास्त्र के व्याख्याता पद का वेतन के रूप में सरकार से 22.64 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त कर आर्थिक हानि पहुंचाई। मामले में 12 अक्टूबर, 2017 को अदालत में तथ्यों की भूल के आधार पर एफआर पेश की गई। जिसे कोर्ट ने अस्वीकार कर अग्रिम जांच के आदेश दिए। वहीं अब फिर से एसीबी ने एफआर पेश कर दी। परिवादी की ओर से इस एफआर का विरोध करते हुए कहा गया कि एसीबी ने कई बिंदुओं पर जांच नहीं की है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने एसीबी को जांच के आदेश दिए हैं।

'आचार्यकुलम् में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा'

जयपुर। स्वामी महाराज व आचार्यश्री महाराज द्वारा स्थापित आवासीय विद्यालय आचार्यकुलम् में आज हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट का परीक्षाफल शत प्रतिशत आने पर हर्षोल्लास का वातावरण रहा। इस वर्ष हाईस्कूल में अथर्व ने 99.40 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम, ध्रुव ने 98 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय, सान्या सेजल ने 97.80 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि 97.60 अंकों के साथ सहज चतुर्थ व 97.40 अंको के साथ अंशुमान व कन्हैया कुमार पंचम स्थान पर रहे। कुल मिलाकर सभी 153 विद्यार्थियों के उत्तीर्ण होने के साथ ही विद्यालय का औसत 86.30 रहा। 21 विद्यार्थियों ने सभी पाँचों विषयों में-1 ग्रेड प्राप्त किए जबकि 43 विदयार्थियों ने विविध विषयों में शतांक अर्जित किए। 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 25 रही।

इस वर्ष इण्टरमीडिएट के विज्ञान, मानविकी व वाणिज्यवर्ग में प्राप्तांकों का औसत क्रमशः 83.59, 90.64 व 90.85 रहा जबकि क्रमशः सिद्धेश (99), आर्यमन (98.6) तथा रिद्धिमा (98) ने वर्गवार सर्वोत्तम प्रदर्शन किया। कुल मिलाकर सभी 97 विद्यार्थियों के उत्तीर्ण होने के साथ ही विद्यालय का औसत 88.38 रहा। सिद्धेश ने 99 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। 14 विद्यार्थियों ने सभी पाँचों विषयों में -1 ग्रेड प्राप्त किए जबकि 32 विदयार्थियों ने विविध विषयों में शतांक अर्जित किए।

आचार्यकुलम् प्रबंध समिति की उपाध्यक्षा डॉ.ऋतंभरा शास्त्री बहन सहित प्राचार्या स्वाति मुंशी ने उक्त सुअवसर पर विद्यार्थियों समेत सभी आचार्यों व कर्मचारियों को शुभकामनाएँ देते हुए अपने आशीर्वचन प्रदान किए। इस पावन अवसर पर स्वामी अर्जुनदेव, उपप्राचार्य तापस कुमार बेरा, समन्वयिका दीपाजी व मुख्य छात्रावास अधीक्षक व क्रीड़ाध्यक्ष अमित सहित सभी आचार्यवृंद, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सचिवालय कैंटीन का टेंडर देने पर अंतरिम रोक

जयपुर। हाईकोर्ट ने सचिवालय कर्मचारी संघ के जरिए संचालित सचिवालय कैंटीन का बिना विधिक प्रक्रिया अपनाए नई फर्म को देने वाले टेंडर पर आगामी सुनवाई तक अंतरिम रोक लगा दी है। वहीं मामले में मुख्य सचिव, कार्मिक सचिव व उप सचिव से 30 मई तक जवाब देने के लिए कहा है।

भाजपा प्रदेशभर में निकालेगी तिरंगा यात्रा : अरूण चतुर्वेदी

- 'जयपुर में 15 मई को अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक निकाली जाएगी तिरंगा यात्रा'

तिरंगा यात्रा को लेकर मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पर बैठक आयोजित की गई।

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि भाजपा की ओर से पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर चलाकर आतंकियों की कमर तोड़ने का काम किया है। ऐसे में भारतीय सेना के मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से भाजपा की ओर से तिरंगा यात्रा निकालने का निर्णय किया है। तिरंगा यात्रा किसी राजनीतिक पार्टी का कार्यक्रम नहीं है, यह देश का, समाज का हमारी सेना के लिए निकाला जा रहा कार्यक्रम है। इसमें आमजन की भागीदारी रहेगी। तिरंगा यात्रा संभाग स्तर के साथ जिला और फिर विधानसभा क्षेत्रवार भी निकाली जाएगी। तिरंगा यात्रा को लेकर मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पर बैठक आयोजित की गई।

चतुर्वेदी ने बताया कि बैठक में राजधानी जयपुर में 15 मई को तिरंगा यात्रा निकालने का फैसला किया गया है। जयपुर में गुरुवार को सुबह 11 बजे अल्बर्ट हॉल से तिरंगा यात्रा को शुरू किया जाएगा। यात्रा न्यू गेट, बापू बाजार, सांगानेरी गेट होते हुए बड़ी चौपड़ तक जाएगी। तिरंगा यात्रा का बड़ी चौपड़ पर समापन किया जाएगा। तिरंगा यात्रा को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार प्रदेश स्तरी और संभाग स्तरीय कमेटी बनाई गई है। भाजपा प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी और युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अंकित चेची को समिति का प्रदेश समन्वयक बनाया गया है।

भाजपा प्रदेश मंत्री एवं तिरंगा यात्रा कार्यक्रम के प्रदेश समन्वयक भूपेंद्र सैनी ने बताया कि जयपुर के बाद तिरंगा यात्रा प्रदेशभर में निकाली जाएगी। इसके लिए संभाग अनुसार समन्वयक बनाए गए है। इसमे जयपुर में रामलाल शर्मा, विमल अग्रवाल, रघुनाथ नरेडी, प्रेम सिंह बनवासा, उदयपुर संभाग में पिंकेश पोरवाल, दिप्ती माहेश्वरी, पंकज बोराणा, जोधपुर में महेंद्र कुमातव, राजेंद्र बोराणा, नारायण पुरोहित, भरतपुर संभाग में भानुप्रताप सिंह, डीडी कुमावत, भगवान दास शर्मा, बीकानेर संभाग में विजेंद्र पूनिया, विजय आचार्य, महेश व्यास, कोटा संभाग में अनुसूईया गोस्वामी, हेमंत विजयवर्गीय, नरेंद्र नागर और अजमेर में मोतीलाल मीणा, पुखराज पहाडिया और नीरज जैन को संभाग समन्वयक बनाया गया है।

सरकारी स्कूलों में कला शिक्षकों की भर्ती की क्या योजना है : हाईकोर्ट

जयपुर।हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को आखिरी अवसर देते हुए पूछा है कि प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में कला शिक्षकों के पदों के सृजन और उन पर भर्तियों होने के संबंध में उनकी क्या कार्य योजना है। वहीं अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि वह आगामी सुनवाई पर उनके निर्देशों की पालना करना सुनिश्चित करे। सीजे एमएम श्रीवास्तव व जस्टिस मुकेश राजपुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश विमल शर्मा की जनहित याचिका पर दिए। खंडपीठ ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उन्हें चित्रकला व संगीत कला से वंचित नहीं किया जा सकता, वह भी तब जबकि आरटीई कानून बन चुका है।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से आदेश की पालना के लिए समय दिए जाने का आग्रह किया। इस पर अदालत ने कहा कि पांच महीने से ज्यादा समय हो गया है और राज्य सरकार का प्लान आ जाना चाहिए था। ऐसे में अब राज्य सरकार को अदालत के आदेश की पालना के लिए अंतिम मौका दिया जा रहा है। पिछली सुनवाई पर भी अदालत ने कहा था कि जब कला विषय अनिवार्य विषय है तो स्कूलों में कला शिक्षकों की नियुक्ति होनी ही चाहिए। जनहित याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने बताया कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत हर स्कूल में चित्रकला और संगीत कला के विषय को अनिवार्य किया गया है। इसके बावजूद प्रदेश की करीब 70 हजार स्कूलों में कला शिक्षा देने के लिए कोई विशेषज्ञ शिक्षक नियुक्त नहीं किया गया है। स्कूलों में कला विषय पढाने का काम दूसरे विषयों के शिक्षकों को सौंप दिया जाता है। यह शिक्षा सेवा नियम और एनसीटीई के मानकों के भी खिलाफ है। याचिका में कहा गया कि कला शिक्षा बच्चों के रचनात्मक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है। योग्य कला शिक्षकों के अभाव में बच्चों के रचनात्मक विकास में बाधा उत्पन्न हो रही है और इसके अभाव में उनमें मानसिक तनाव और हिंसात्मक प्रवृत्ति बढ़ रही है। याचिका में यह भी बताया गया कि आरटीआई में मिली जानकारी के अनुसार कला अनिवार्य विषय होने के बावजूद इसके लिए न तो कोई पद सृजित किया गया और ना ही कला शिक्षक के रूप में नियुक्ति का प्रावधान है।

पतंजलि संस्थान ने आई.सी.ए.आर. को भेंट की मृदा परीक्षण की ऑटोमेटेड मशीन

पतंजलि संस्थान द्वारा आचार्य बालकृष्ण के मार्गदर्शन में केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान को मृदा परीक्षण की ऑटोमेटेड मशीन 'धरती का डॉक्टर' उपहार स्वरूप भेंट की गई।

हरिद्वार। पतंजलि संस्थान द्वारा आचार्य बालकृष्ण के मार्गदर्शन में केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान को मृदा परीक्षण की ऑटोमेटेड मशीन 'धरती का डॉक्टर' उपहार स्वरूप भेंट की गई। इस मशीन के प्रयोग से न केवल किसानों को अपनी कृषि भूमि की मिट्टी की जांच करने में सहायता मिलेगी,अपितु साथ ही जैविक एवं रासायनिक खेती हेतु आवश्यक उर्वरक प्रयोग के लिए सुझाव भी प्राप्त किए जा सकेंगे।

इस अवसर पर भरूआ एग्री साइंस के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण ने बताया कि मृदा परीक्षण मशीन 'धरती का डॉक्टर' को पहले ही भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रमाणन-पत्र प्रदान किया जा चुका है। इस मशीन के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य के12आवश्यक मानकों का परीक्षण किया जाता है जिसमें मुख्य पोषक तत्व उपलब्ध नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटाश एवं गौण पोषक तत्व बोरॉन, आयरन, जिंक, कॉपर एवं मैंगनीज सम्मिलित हैं। इस मशीन को भारत सरकार द्वारा पेटेंट तथा-सर्टिफिकेट प्राप्त है। उन्होंने बताया कि इस मशीन को पतंजलि के वैज्ञानिकों द्वारा वर्षों के व्यापक शोध के बाद विकसित किया गया है जो किसानों के लिए वरदान है। आचार्य जी ने बताया कि इस मशीन के द्वारा सरल विधियों से फसलानुसार उर्वक संस्तुतियाँ रासायनिक,जैविक एवं मिश्रित तीनों प्रकार से प्राप्त की जा सकती हैं।

कार्यक्रम में केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. राजेंद्र कुमार यादव ने कहा कि धरती का डॉक्टर देश के किसानों तथा भारत सरकार की मृदा स्वास्थ्य योजना के लिए बड़ी उपयोगी मशीन साबित होगी। उन्होंने कहा कि हमारा स्वास्थ्य धरती के स्वास्थ्य के साथ जुड़ा है। मृदा स्वास्थ्य के लिए12पैरामीटर्स हैं जिनके आधार पर मिट्टी की गुणवत्ता निर्धारित की जाती है। हमारी टीम ने इस मशीन पर गहन परीक्षण किया जिसमें पाया गया कि यह देश की ऐसी पहली मशीन है जिसके द्वारा सभी12पैरामीटर्स की सटीक जाँच की जा सकती है।

इस अवसर पर पतंजलि संस्थान के डॉ. अशोक मेहता ने उपस्थित सभीवैज्ञानिकों का ध्यान पतंजलि संस्थान के द्वारा किसानों के लिए किये जाने वाले निरन्तर प्रयासों की तरफ आकर्षित किया।

माह में चार दिन ग्राम पंचायतों में रात्रि विश्राम करे अधिकारी : दिलावर

जयपुर। शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने मंगलवार को शिक्षा विभाग के अंतर्गत संस्कृत विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में गत वर्ष अक्टूबर माह में आयोजित बैठक में दिए गए निर्देशों की प्रगति की समीक्षा की गई। शिक्षामंत्री ने सभी अधिकारियों को प्रत्येक माह कम से कम 4 दिन ग्राम पंचायतों में रात्रि विश्राम करने के निर्देश दिए।

शिक्षा मंत्री ने उच्चाधिकारियों को प्रत्येक 15 दिन में फील्ड में जाकर फीडबैक लेने के निर्देश दिए गए। उन्होंने राइजिंग राजस्थान के दौरान हुए शिक्षा विभाग सम्बंधी एमओयू की प्रगति की समीक्षा की और इनकी तत्परता से क्रियान्विति के निर्देश दिए।

शिक्षामंत्री ने संस्कृत शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर देते हुए राजकीय संस्कृत संस्थानों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, प्राचीन ग्रंथों के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार और विद्यार्थियों में संस्कृत के प्रति रुचि जागृत करने के लिए ठोस एवं सार्थक प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजकीय संस्कृत संस्थानों में नामांकन वृद्धि की दिशा में सार्थक प्रयास करने और इसके लिए रूट मैप तैयार करने तथा राजकीय संस्थानों की मान्यता के नियमों में शिथिलता लाने का सुझाव दिया, आधारभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान देते हुए खेल मैदान के विकास, प्रयोगशालाओं में सुविधा सुधार , भवन में स्वच्छता व बालक और बालिकाओं के लिए पृथक-पृथक शौचालय पर विशेष जोर दिया।

शिक्षामंत्री ने विभाग के लंबित मामलों पर भी विस्तार से चर्चा कर सभी तरह की शिकायतों का 10 दिन के भीतर निस्तारण करने के निर्देश दिए।

शिक्षामंत्री ने पर्यावरण सुरक्षा के तहत विभाग को चार करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य सौंपा है। उन्होंने कहा कि प्रति विद्यार्थी 300 पौधे प्रति माह और कार्मिकों को 15 पौधे प्रतिदिन लगाना अनिवार्य होगा। इस कार्य के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने और स्थानीय एनजीओ के सहयोग से कार्य को गति देने के निर्देश दिए। इस कार्य की क्रियान्वति के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाना सुनिश्चित किया गया है।

25 हजार रूपये की रिश्वत लेते चेचट तहसीलदार व होमगार्ड गिरफ्तार

क्रय की गई तीन बीघा भूमि को औद्योगिक भूमि में कनर्वजन के लिये रिश्वत मांगी थी

रामगंजमण्डी, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोटा की स्पेशल यूनिट ने कोटा जिले के चेचट में बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए चेचट के तहसीलदार व होमगार्ड को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तर किया है। यह कार्रवाई एसीबी मुख्यालय, जयपुर के निर्देश पर कोटा एसीबी स्पेशल यूनिट द्वारा की गई।

एसीबी की स्पेशल यूनिट टीम ने परिवादी से मिली शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए चेचट के तहसीलदार भरत कुमार यादव व होमगार्ड दिनेश कुमार को परिवादी से 25 हजार रूपये नगद रिश्वत राशि लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की कोटा स्पेशल यूनिट को परिवादी ने एक लिखित शिकायत दी, शिकायत में परिवादी ने कहा कि उसके द्वारा क्रय की गई तीन बीघा भूमि को औद्योगिक भूमि में कनर्वजन और समर्पण करवाने के लिए एक प्रार्थना पत्र तहसीलदार कार्यालय चेचट व एसडीएम कार्यालय रामंगजमंडी में ऑनलाइन अप्लाई किया था, जो कई दिनों से पैण्डिग रखकर तहसीलदार चेचट द्वारा रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा था। जिस पर एसीबी रेंज कोटा के उप महानिरीक्षक शिवराज मीणा के सुपरविजन में एसीबी स्पेशल यूनिट के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकुल शर्मा के निर्देशन में पृथ्वीराज मीणा पुलिस निरीक्षक द्वारा शिकायत का सत्यापन करवाया गया। शिकायत के सत्यापन के दौरान चेचट तहसीलदार भरत कुमार यादव द्वारा भूमि कनर्वजन/नामान्तरण करण करने के लिए 25 हजार रूपये की मांग कर अपने होमगार्ड दिनेश को देने हेतु कहने की पुष्टि होने पर ट्रेप कार्यवाही का आयोजन किया गया।

कार्रवाई में तहसीलदार के कहने पर होमगार्ड दिनेश कुमार द्वारा तहसीलदार के लिए 25 हजार रूपये परिवादी से लेने पर एसीबी टीम ने ट्रेप कार्रवाई करते हुए तहसीलदार भरत यादव व होमगार्ड दिनेश कुमार को 25 हजार रूपये रिश्वत राशि लेते हुये रंगे हाथों डिटेन कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। एसीबी की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपियों से पूछताछ जारी है।

तहसीलदार चेचट भरत कुमार यादव व होमगार्ड दिनेश कुमार।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म किया

बीकानेर, (निसं)। युवक ने एक युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। उसे और उसकी मौसेरी बहन को नागौर दोस्तों के पास भेज दिया जहां उन्होंने होटल में रखकर छेड़छाड़ की। पुलिस ने जांच में आरोप प्रमाणित माने और तीन आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश कर दिया है। दुष्कर्म का मुख्य आरोपी जेल में है।

जानकारी के अनुसार 6 मार्च को दो युवतियों की ओर से सदर पुलिस थाने में दुष्कर्म और छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज करवाया गया था। आरोप लगाया कि मोहम्मद अयूब ने एक युवती को शादी को झांसा दिया और उससे दुष्कर्म किया। उसे बहला फुसलाकर शादी के लिए नागौर जाने के लिए कहा। युवती और उसकी मौसेरी बहन को बीकानेर रेलवे स्टेशन से ट्रेन में बैठा दिया। नागौर में आरोपी के दोस्त समीर और जाहिर ने दोनों युवतियों को एक गेस्ट हाउस में ठहराया। आरोपी ने एक दिन बाद नागौर पहुंचने का झांसा दिया था। आरोपी के दोस्तों ने दोनों युवतियों के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया।

कार्यालय नगर परिषद् ब्यावर

Tel.No. 01462-258665 Email Add:- npbeawar@gmail.com

क्रमांक /नपब्या/रोशनी /2025–26/1368 दिनांक – 08.05.2025

ई दर संविदा सूचना

निम्नांकित विवरण के अनुसार ई दर संविदा हेतु ई–प्रोक्यूरमेट पोर्टल राजस्थान पर दिनांक 26.05.2025 को प्रातः 11:00 बजे तक ई दर संविदाऐ आमंत्रित है। दिनांक 26.05.2025 को सांय 3.00 बजे ई दर संविदा खोली जाऐगी। विस्तर्त शर्ते ई दर संविदा फार्म के साथ संलग्न है। यह दस्तावेज एस.पी.पी. पोर्टल पर एवम् ई–प्रोक्यूरमेंट पोर्टल पर उपलब्ध है।

क्रं. सं.	सेवा का विवरण	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	ई दर संविदा फार्म शुल्क	ई दर संविदा प्रोसेसिंग शुल्क
1.	नगर परिषद ब्यावर क्षेत्र हेतु विभिन्न पर्व, त्यौहार, मेले के अवसरों पर अस्थाई लाईट डेकोरेशन कार्य की ई दर संविदा	42.00 लाख	84,000/–	1000/–	500

NIB - DLB2526A1200
UBN - DLB2526SLRC 4412

राज.संवाद/सी/25/2173 प्रशासक नगर परिषद् ब्यावर आयुक्त नगर परिषद् ब्यावर

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/31 - 33 Date : 09/05/2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 08/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

निविदा कार्यो की कुल लागत	: रूपये 448.73 लाख (10 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/ अपलोड करने की अवधि	: 12.05.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 23.05.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	: 12.05.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 23.05.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	: 26.05.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526WSOB00049 To ITU2526WSOB00058

राज.संवाद/सी/25/2155 अधिशाषी अभियन्ता - चतुर्थ उदयपुर विकास प्राधिकरण

सड़क हादसे भाभी की मौत, देवर व एक अन्य गंभीर घायल

मालपुरा, (निसं)। जयपुर–भीलवाड़ा स्टेट हाइवे पर डिग्गी थाना क्षैत्र मे मंगलवार को हुये सड़क हादसे मे अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार भाभी की मौत हो गई वहीं देवर व एक अन्य गंभीर घायल हो गये। गंभीर घायल देवर को जयपुर रैफर किया।

मामले के अनुसार पचेवर थाना क्षैत्र के किरावल गांव निवासी 55 वर्षिय महिला जमना देवी पत्नी राधेश्याम शर्मा जो कि अपने देवर कालू पुत्र रामगोपाल व परिवार के ही सदस्य ओमप्रकाश पुत्र श्योनारायण शर्मा के साथ मोटरसाइकिल से धोलीखेडा निवासी कालूराम पुत्र रामेश्वर व्यास के यहां आयोजित मुण्डन संस्कार कार्यक्रम में जा रहे थे। पेट्रोल पम्प के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार महिला जमना देवी सहित दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। सूचना पर पहुंची डिग्गी थाना पुलिस ने तीनों गंभीर घायलों को डिग्गी अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां चिकित्सको ने स्वास्थ्य परीक्षण कर जमना को मृत घोषित कर दिया तो गंभीर घायल कालूराम को जयपुर रैफर किया। तो तीसरे घायल ओमप्रकाश का डिग्गी अस्पताल में उपचार जारी है। सूचना पर डिग्गी अस्पताल पहुंचे मृतक के परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

सीबीएसई 10वीं और 12वीं का परिणाम जारी

■ अजमेर रीजन का 10वीं का 95.44 प्रतिशत, 12वीं का 90.40 प्रतिशत परिणाम रहा

अजमेर, (कासं)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने मंगलवार को 10वीं और 12वीं का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया है। अजमेर रीजन का 10वीं का परिणाम 95.44 प्रतिशत रहा, जो देश के 16 रीजन में छठें स्थान पर रहा है, जबकि 12वीं का परीक्षा परिणाम 90.40 प्रतिशत रहा, जो देश में 16 रीजन में से 10वें स्थान पर है। बोर्ड ने इस बार री इवैल्युएशन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। गौरतलब है कि अजमेर रीजन से 12वीं में 1.25 लाख विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। जबकि 10वीं में सवा लाख परीक्षार्थी बैठे, अजमेर रीजन में राजस्थान के साथ गुजरात स्टेट शामिल है।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 12वीं का रिजल्ट जारी कर दिया है। इस साल अजमेर रीजन में 90.40 प्रतिशत परीक्षार्थी पास हुए हैं। इस साल भी अजमेर रीजन देशभर में 10वें नंबर पर है। हालांकि रिजल्ट में पिछले साल के मुकाबले 0.87 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अजमेर रीजन में 1 लाख 22 हजार 772 में से 1 लाख 22 हजार 243 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, जिसमें से एक लाख 10 हजार 508 पास हुए, जोकि 90.40 प्रतिशत है। अजमेर रीजन में छात्र का उत्तीर्ण प्रतिशत 88.31 और छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 93.30 हैं। अजमेर रीजन में राजस्थान के साथ गुजरात स्टेट शामिल है। अजमेर निवासी रेहान खान ने 12वीं कॉमर्स में 98.2 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। रिहान अजमेर के केंद्रीय विद्यालय प्रथम के छात्र हैं। रिहान के पिता फिरोज खान कैटरिंग का काम करते हैं। अजमेर के किशनगढ़ में रहने वाली इशिका गोयल ने 12वीं कॉमर्स में 96.8 प्रतिशत मार्क्स हासिल किए हैं। इशिका एमएसएस पब्लिक स्कूल किशनगढ़ में पढ़ाई कर चुकी हैं। अजमेर जिले के किशनगढ़ में रहने वाली विभूति मेहता 12वीं कॉमर्स में 95.4 प्रतिशत मार्क्स हासिल किए हैं। विभूति मयूर स्कूल की छात्रा है। अजमेर के दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में पढ? वाली 12वीं आर्ट्स की छात्रा जास्मिन कुमावत के 98 प्रतिशत हासिल किए हैं। अजमेर की दिल्ली पब्लिक स्कूल में 12वीं क्लास में पढ? वाले शिवांश पटवा ने आर्ट्स में 98 प्रतिशत हासिल किए हैं।

अजमेर रीजन 10वीं का परिणाम 95.44 प्रतिशत : सीबीएसई 10वीं की परीक्षा परिणाम भी जारी कर दिया है। 10वीं में अजमेर रीजन का परिणाम 95.44 प्रतिशत रहा। अजमेर रीजन में 1 लाख 41 हजार 832 में से 1 लाख 41 हजार 523 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, जिसमें से एक लाख 35 हजार 65 पास हुए। अजमेर रीजन में उत्तीर्ण गर्ल्स का प्रतिशत 96.44 रहा, जबकि बॉएज का पासिंग प्रतिशत 94.72 रहा। अजमेर के सेंट एंस्लम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ने वाले 10वीं के छात्र अभिनव बेडवाल ने 96.2 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। अभिनव के परिवार में खुशी का माहौल है। रिश्तेदार अभिनव को पास होने की बधाई दे रहे हैं।

कार्यालय नगरपालिका बाली (पाली) राज.

Tel.- (02938) 222045 E-mail : municpalboardbali@yahoo.in

क्रमांक : न.पा.बा./2025–26/335 दिनांक : 09.05.2025

-:: Notice Inviting Bid MB-03/2025-26::-

Bid for works (28 Nos 488.63 lacs) of subject matters of procurement are invited from interested bidders upto (date)& (time). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (https://sppp.rajasthan.gov.in) or https://eproc.rajasthan.gov.in/) of the state departmental website.

S.NO	Work Name	UBN NO.
1	Construction interlocking block in ADJ Court.	DLB2526WSOB04328
2	Construction RCC HALL OF SATASANG bhavan at ramdev mandir top khana bas.	DLB2526WSOB04329
3	Construction of C.C road IN BAYOSA MATAJI MANDIR TO JAGDISH VARMA JI HOME IN WARD NO. 10	DLB2526WSOB04330
4	Construction of C.C road & drain IN magilal ji house se ramlal ji ghar tak ward no 12	DLB2526WSOB04331
5	Construction of C.C road IN mandanlal ji house to rajendra singh ji home & various place ward no. 04.	DLB2526WSOB04332
6	Construction of Safety wall near adarsh bal niketan school bali.	DLB2526WSOB04333
7	Construction of C.C road bera rupji vala ward no 25.	DLB2526WSOB04334
8	Construction of C.C road samudayak chochalay se laduram jogi ghar tak puran kerapura road ward no 25.	DLB2526WSOB04335
9	Construction of C.C road IN jain padi mandir ward no.11.	DLB2526WSOB04336
10	Construction of C.C road & drain bera badlawa road se dhani road tak ward no 04	DLB2526WSOB04337
11	Construction of hall in goswami samaj samshan.	DLB2526WSOB04338
12	Construction of nalla from aai mata school towards government school in w.no-16.	DLB2526WSOB04339
13	Construction of drain ,paver block infront of LIC office on main road.	DLB2526WSOB04340
14	Construction of Bitumen road and drain in kanji nagar in w.no 24	DLB2526WSOB04341
15	Construction of bus stop in tin set (Steel)	DLB2526WSOB04342
16	Construction of C.C road & drain works amba mata temple to gomaram various place.	DLB2526WSOB04343
17	indarraj ji bhandari adv, ki gali c.c road and drain ward no. 04	DLB2526WSOB04344
18	Construction of C.C road In ghisulal foji ka bera daknava ward 03	DLB2526WSOB04345
19	Construction of room and hall in muncipal board office	DLB2526WSOB04347
20	Construction of C.C road IN radawa bayosa mandir vali gali ward no. 22	DLB2526WSOB04348
21	Construction of boundary wall repairing in various palce bali	DLB2526WSOB04349
22	Construction of repairing in nala of girls school bali & near high sec. school.	DLB2526WSOB04350
23	Construction of repairing in nalla of various place in bali.	DLB2526WSOB04351
24	Construction of nalla near rajawat parks ward no 08	DLB2526WSOB04352
25	Construction of C.C road In radawa main road falna sadari road ward no 21	DLB2526WSOB04353
26	Construction of c.c road in madanlal house to sugno devi house tak	DLB2526WSOB04354
27	Construction of C.C road IN ARC IN 1 TO 25 WARDS.	DLB2526WSOB04355
28	Construction of DRAIN WORKS IN ARC IN 1 TO 25 WARDS.	DLB2526WSOB04356

राज.संवाद/सी/25/2133 अधिशाषी अधिकारी

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय में वातानुकूलन यंत्र (ए.सी.) हेतु निविदा जारी की गयी हैं, जिनके यूबीएन GSU2526GSOB00010 हैं। निविदाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी **http://sppp.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/2159 वित्त नियंत्रक

Rajasthan Financial Services Delivery Limited

3rd Floor, REIL House, Shiprapath, Mansarovar, Jaipur - 302020

File No. F.1(21)/RFSDL/2025 Date : 19/03/2024

NOTICE INVITING BIDS (NIB-02/2025-26)

Bids for Rate Contract/ Empanelment for Procurement of multiple Service Packages by RFSDL are invited from interested bidders up to 06.00 PM on dated 23.06.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in and RFSDL website https://rfsdl.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement is INR 50 Crores. The multiple packages include :

Subject matter of procurement	Value of procurement
(a) Empanelment of CA Firms for providing services related to Accounting, Taxation and Finance related services. UBN : FGT2526SLRC00003	INR 5 Crores
(b) Empanelment of Law Firms for providing Legal Services. UBN : FGT2526SLRC00004	INR 5 Crores
(c) Empanelment of Consultancy Firms(Tier-I). UBN : FGT2526SLRC00005	INR 25 Crores
(d) Empanelment for providing Transaction Advisory service. UBN : FGT2526SLRC00006	INR 10 Crores
(e) Empanelment for Fund Management. UBN : FGT2526SLRC00007	INR 5 Crores

Raj.Samwad/C/25/2169 Executive Director (Adm.) Rajasthan Financial Services Delivery Limited

बजरी से भरे दो ट्रेलरों में भिड़ंत, एक घायल

राष्ट्रीय राजमार्ग पर भिड़ंत होने के बाद एक ट्रेलर क्षतिग्रस्त हो गया।

■ पुलिस ने एम्बुलेंस से घायल को निवाई चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद टोंक रेफर कर दिया

निवाई/ ग़ुंसी, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सोमवार की रात मूंडिया गांव के नजदीक बजरी से भरे दो ट्रेलरों की भिड़ंत हो गई। हादसे में एक जना गंभीर रूप से घायल हो गया।

सदर थाना ड्यूटी प्रभारी रूपसिंह गुर्जर ने बताया कि सोमवार को बजरी से भरे दो ट्रेलर साथ साथ जयपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रात में मूंडिया गांव के समीप आगे चल रहे ट्रेलर में तकनीकी खराबी आ गई। इसी खराबी के चलते ट्रेलर सड़क मार्ग पर ही अचानक थम गया।

इसी के ठीक पीछे चल रहे ट्रेलर चालक को संभलने का मौका नहीं मिला और वो आगे वाले ट्रेलर से जा भिड़ा। इस भिड़ंत से पीछे के ट्रेलर में सवार रतन लाल पुत्र बजरंग लाल निवासी ढाणी कल्याणपुरा थाना दूनी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर सदर एवं ग़ुंसी चौकी पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद ट्रेलर में फंसे घायल को बाहर निकाला। इसी दौरान हाइवे पेट्रोलिंग टीम एवं एम्बुलेंस भी घटनास्थल पर पहुंची और पुलिस ने एम्बुलेंस से घायल को राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय निवाई में भर्ती करवाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे टोंक रेफर कर दिया गया।

पैंथर के बच्चे की मौत

निवाई, (निसं)। गांव बहड़ के पास सड़क पर अज्ञात वाहन की टक्कर से एक पैंथर के बच्चे मौत हो गई। बरोनी थानाधिकारी ब्रजेन्द्रसिंह राठौड़ ने बताया कि सोमवार की रात सूचना मिली कि गांव बहड़ के पास सड़क पर किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से पैंथर के 7–8 माह के एक बच्चे की मौत हो गई। जिसकी सूचना वन विभाग को दी गई। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पैंथर के मृत बच्चे को अग्रिम कार्रवाई हेतु कब्जे में लिया।

कार्यालय–सदस्य सचिव एवं प्रमुख चिकित्सा अधिकारी, राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी, सामान्य चिकित्सालय, करौली

क्रमांक : रामेरिसो/निविदा/2025–26/393 दिनांक : 5.5.25

ई–निविदा सूचना संख्या 20 एवं 21 / 2025–26

कार्यालय सामान्य चिकित्सालय करौली में उपयोग हेतु सर्विस प्रदाता एजेंसी से वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए मुहरबंद ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा के नियम एवं शर्तें, स्पेसिफिकेशन, विवरण निविदा प्रपत्र में अंकित है। निविदा प्रपत्र एवं संबंधित दस्तावेज वेबसाइट eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.rajasthan.gov.in पर देखें एवं प्राप्त किये जा सकेंगे।

निविदा संख्या	सामान/कार्य का विवरण	अनु. लागत (लाखों में)	निविदा प्रपत्र शुल्क	निविदा प्रपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय	निविदा जमा कराने अंतिम तिथि एवं समय	निविदा खोलने की तिथि एवं समय
20/ 2025–26	हैल्पर सफाईकर्मी, आदि (UBN-MHS2526 SLOB00776)	83.00	1000	15.5.2025 3.00 P.M.	15.5.2025 4.30 P.M.	16.5.2025 12.00 P.M.
21/ 2025–26	सुरक्षा गॉर्ड, स्वास्थ्य मार्ग दर्शक, कम्प्यूटर ऑपरेटर्स मशीन विद मैन, फार्मासिस्ट, ब्लड बैंक काउन्सलर, इलेक्ट्रीशियन, वाहन चालक एवं प्लम्बर आदि (UBN-MHS2526 SLOB00777)	80.25	1000	15.5.2025 3.00 P.M.	15.5.2025 4.30 P.M.	16.5.2025 12.00 P.M.

नोट :– उक्त निविदा दिनांकों में यदि कोई राजकीय अवकाश/अन्य अवकाश, आकस्मिक रूप से घोषित होता हैं तो उक्त दिवस से संबंधित निविदा कार्यवाही आगामी कार्य दिवस को सम्पन्न की जायेगी।

DIPR/C/6048/2025 सदस्य सचिव एवं प्रमुख–चिकित्सा अधिकारी सामान्य चिकित्सालय, करौली

कार्यालय नगरपरिषद करौली (राज0)

Phone no. 07464-294024 Email id np.karauli@yahoo.com

क्रमांक: 440 दिनांक: 12.05.2025

ई – निविदा सूचना

सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद क्षेत्र करौली में लगी समस्त एलईडी स्ट्रीट लाईटों के रिपयेरिंग एवं मेंटीनेंस का कार्य (मय सामान) कराना चाहती हैं, जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई–टैण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्ते www.sppp.raj.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कुल निविदा कार्य	नगरपरिषद क्षेत्र करौली में लगी समस्त एलईडी स्ट्रीट लाईटों के रिपयेरिंग एवं मेंटीनेंस का कार्य (मय सामान)
निविदा की लागत	25.22 लाख
धरोहर राशि	अनुमानित लागत का 2 प्रतिशत (आयुक्त नगरपरिषद करौली के नाम से जरिये डी0डी0)
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने/डाउनलोड की तारीख	13.05.2025 समय 2:00 पीएम से 26.05.2025 समय 6:00 पीएम तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की अन्तिम तिथि	26.05.2025 समय 6:00 पीएम तक
भौतिक दस्तावेज प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	27.05.2025 समय 01:00 पीएम तक
ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर तकनीकी बिड की खोलने की तिथि	27.05.2025 समय 03:30 (दोपहर)
निविदा शुल्क	1000/– रूपयें (आयुक्त नगरपरिषद करौली के नाम से जरिये डी0डी0)
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	500/–रूपये (MDRISL JAIPUR के नाम से जरिये डी0डी0)
निविदा प्रपत्र व शर्ते डाउनलोडिंग बेबसाईट	eproc.rajasthan.gov.in
कार्य की समयावधि	12 माह
UBN. -	DLB2526WSRC04415

सभापति नगरपरिषद, करौली आयुक्त नगरपरिषद, करौली

राज.संवाद/सी/25/2175

होटल नाज़ अग्निकांड : होटल संचालक व मैनेजर गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। शहर के डिग्गी चौक स्थित होटल नाज में गत एक मई को हुए भीषण अग्निकांड मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए होटल संचालक और मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया है। हादसे में दो पुरुष, दो महिलाएं और एक मासूम बच्ची की मौत हो गई थी। जांच में होटल में सुरक्षा मानकों में खामियां पाई गई थी, जिस पर प्रशासन और होटल व्यवसायियों की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर दिए थे।

■ हादसे की जांच में सुरक्षा मानकों में खामियां पाई थी

■ हादसे में दो पुरुष, दो महिलाएं और एक मासूम बच्ची की मौत हो गई थी

थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि दिल्ली निवासी रेहाना की ओर से क्लॉक टावर थाने में दर्ज मुकदमें में जांच में सामने आया कि होटल नाज में फायर सेफ्टी उपकरण तक मौजूद नहीं थे और न कोई अलार्म सिस्टम और न ही इमरजेंसी एक्जिट की समुचित व्यवस्था। यह हादसा होटल संचालक की लापरवाही का नतीजा थी। जिसकी कीमत पांच निर्दोष लोगों की जान से चुकानी पड़ी। पुलिस ने दोनों आरोपियों होटल संचालक राजेंद्र कुमार माली और मैनेजर श्रीकांत पांडे को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया है, ताकि उनसे पूछताछ में और तथ्य सामने लाए जा सकें।

घटना के बाद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देश पर नगर निगम और जिला प्रशासन की संयुक्त टीमें मैदान में उतरी। दरगाह और आसपास के क्षेत्रों में स्थित होटलों की जांच शुरू की गई और फायर सेफ्टी और भवन मानकों की अवहेलना करने वाले होटल संचालकों को नोटिस थमाए गए। इस अग्निकांड ने पूरे अजमेर शहर में होटल इंडस्ट्री की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी। यह हादसा लापरवाही, नियमों की अनदेखी और प्रशासनिक सुस्ती का परिणाम था। स्थानीय लोगों और मृतकों के परिजनों ने दोषियों को कड़ी सजा देने और ऐसे होटलों के लाइसेंस निरस्त करने की मांग की है।

पुलिस ने होटल संचालक व मैनेजर को गिरफ्तार किया।

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

RISING RAJASTHAN REPLETE • RESPONSIBLE • READY

प्रत्यक्ष आवंटन योजना - 2025

राइज़िंग राजस्थान में MoU करने वाले निवेशकों के लिए भूखण्ड के आरक्षित मूल्य पर

औद्योगिक भूखण्डों का डायरेक्ट अलॉटमेंट (द्वितीय चरण)

7,109 कुल औद्योगिक भूखण्ड | 6301 अनारक्षित | 98 औद्योगिक क्षेत्र

विभिन्न श्रेणियों / वर्गों के लिए आरक्षित भूखंड

253 अनुसूचित जाति/जनजाति | 224 महिला वर्ग | 118 भूतपूर्व सैनिक | 151 बेंचमार्क दिव्यांगता | 62 सशस्त्र बलों/अर्ध सैनिक बलों के मृतक आश्रित

EMD प्रारम्भ तिथि: 15 मई, 2025 (प्रात: 10:00 बजे)
अंतिम तिथि : 28 मई, 2025 (सायं 6:00 बजे)

ई-लॉटरी 5 जून, 2025

आवंटन की प्रक्रिया

एक भूखण्ड पर एक ही आवेदक होने पर सीधा आवंटन तथा एक से अधिक आवेदक होने पर ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटन

आवेदन हेतु स्कैन करें

EMD - भूखण्ड की कुल देय प्रीमियम राशि की 5 प्रतिशत राशि आवेदन के साथ ही ऑनलाइन जमा।

पात्रता - निवेशक जिन्होंने 30/04/2025 तक राइजिंग राजस्थान में राज्य सरकार के साथ एमओयू किये हैं वे सभी इस स्कीम में भूखण्ड के लिए पात्र हैं।

भूखण्ड की राशि का भुगतान

25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान

या

RIICO की टर्म लोन स्कीम के तहत भूमि की लागत का 75% तक का ऋण 5 साल की पुनर्भुगतान अवधि एवं 8.5% ब्याज के साथ

इस योजना के तहत भूखण्ड देखने या आवेदन करने के लिए http://www.riico.co.in या riico.rajasthan.gov.in पर दिए गए Direct Land Allotment लिंक पर क्लिक करें अथवा SSO Portal पर login के बाद RIICO के आइकन पर क्लिक करके Land Allotment पर जाएं और Direct Land Allotment Policy - 2025 (for RR MoU Holders) पर क्लिक करें।

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर 302005
हैल्पलाइन नंबर : 0141 4593250, 4593237 | वाट्सएप : +91 90013 06515 | ई-मेल : riico@riico.co.in
http://www.riico.co.in • riico.rajasthan.gov.in • riicogis.rajasthan.gov.in/riicogiscitizen

राज.संवाद/सी/25/2211

राजस्थान में पुलिस-कॉन्स्टेबल के 10 हजार पदों पर होगी भर्ती

383 पद बढ़ाए गए, 12वीं पास कर चुके अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे

जयपुर। राजस्थान में पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा की संशोधित विज्ञप्ति जारी की गई है। इसके बाद अब प्रदेश में कुल 10 हजार पदों पर पुलिस कॉन्स्टेबल की भर्ती की जाएगी। इससे पहले प्रदेशभर में 9 हजार 617 पदों पर पुलिस कॉन्स्टेबल की भर्ती करने का फैसला किया गया था। इसकी आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई थी। मंगलवार को सरकार ने 383 पद बढ़ाए। इसके लिए 12वीं पास कर चुके अभ्यर्थी राजस्थान पुलिस की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर 17 मई तक ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। इसके बाद रिटर्न और फिजिकल के आधार पर अभ्यर्थी का सिलेक्शन किया जाएगा। इसे डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के बाद पोस्टिंग दी जाएगी।

दरअसल, बजट घोषणा में सरकार ने पुलिस कॉन्स्टेबल के पदों पर भर्ती का ऐलान किया था। इसके बाद पुलिस विभाग में भर्ती और पदोन्नित बोर्ड के अतिरिक्त महानिदेशक विपिन कुमार पांडेय ने आरएसी बटालियन, जयपुर और जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट के साथ ही प्रदेश के सभी पुलिस अधीक्षकों को लेटर भेजा था। इसमें उन्होंने जिलेवार पुलिस कॉन्स्टेबल के रिक्त (खाली) चल रहे पदों की जानकारी मांगी थी। इसके बाद अब सरकार ने रिक्त पदों के आधार पर ही प्रदेशभर में 10 हजार पदों पर भर्ती करने का फैसला किया है। इसके तहत जिला यूनिट के साथ ही बटालियन में सामान्य कॉन्स्टेबल, ड्राइवर, बैंड, ऑपरेटर के पदों पर भर्तियां की जाएंगी।

राजस्थान के पुलिस विभाग में कॉन्स्टेबल के 10 हजार पदों पर भर्ती रिटन टेस्ट, फिजिकल टेस्ट और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के आधार पर की जाएगी। रिटन टेस्ट में शॉर्टलिस्ट अभ्यर्थियों को फिजिकल टेस्ट के लिए बुलाया जाएगा। फिजिकल टेस्ट क्लियर करने वाले अभ्यर्थियों को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए बुलाया जाएगा। उसके बाद फाइनल मेरिट लिस्ट तैयार की जाएगी।

कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा में समान पात्रता परीक्षा (सीईटी) सेकेंडरी लेवल पास करने वाले अभ्यर्थी ही आवेदन कर सकेंगे। पिछले दिनों कर्मचारी चयन बोर्ड ने सीईटी का आयोजन किया था। इस परीक्षा के पात्र अभ्यर्थी ही अब भविष्य में होने वाली कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए उम्मीदवार की उम्र 18 से 28 साल होना जरूरी है। वहीं, आरक्षित श्रेणी को 28 साल से ज्यादा का होने पर भी भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने की छूट दी जाएगी।

वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा जप्त माल की नीलामी अब 21 मई को

जयपुर। वाणिज्यिक कर विभाग, प्रवर्तन शाखा-प्रथम के घट-द्वितीय, वृत्त-सी द्वारा जब्त की गई परचून सामग्री की सार्वजनिक नीलामी अब 21 मई को होगी।

प्रवर्तन शाखा-प्रथम, घट-द्वितीय, वृत्त-सी के सहायक आयुक्त सज्जन सिंह यादव ने बताया कि यह नीलामी पूर्व में 14 मई को प्रस्तावित थी, जो अपरिहार्य कारणों से अब 21 मई को प्रातः 11 बजे प्रवर्तन शाखा कार्यालय परिसर में होगी।

इच्छुक बोलीदाता विभागीय वेबसाइट पर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। नीलामी में भाग लेने वाले बोलीदाता को निर्धारित राशि का डिमांड ड्राफ्ट सहायक आयुक्त (राज्य कर), वार्ड-द्वितीय, सर्किल-सी, प्रवर्तन शाखा-प्रथम, जयपुर के नाम से प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

तेज रफ्तार कार डिवाइडर से भिड़ी, कार सवार युवक घायल

जयपुर। सोडाला चौराहे पर देर रात करीब 2 बजे एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से भिड़ी। कार की टक्कर की आवाज सुन कर लोग घरों से बाहर निकले। कार सवार लोगों को बाहर निकाला। स्थानीय लोगों की सूचना पर सोडाला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। कार सवार युवकों की हालत ठीक बताई जा रही है।

- आवाज सुन घरों से बाहर निकले लोग, नशे में था कार चालक
- घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

दुर्घटना थाना पुलिस ने बताया कि देर रात ढाई बजे सोडाला थाने से एक दुर्घटना को लेकर सूचना मिली थी। इसके बाद टीम को मौके पर भेजा गया। टीम को मौके पर एक क्षितग्रस्त कार और स्कूटी मिली।

स्थानीय लोगों ने बताया कि कार ड्राइवर शराब के नशे में था। कार में दो-तीन युवक और थे कार ओवर स्पीड में थी।

कार चालक कार से संतुलन खो बैठा और कार को डिवाइडर पर चढ़ा दी। इससे रोड पर खड़ी एक स्कूटी क्षितग्रस्त हो गई। हादसे के बाद इतना जोरदार धमाका हुआ कि आसपास के लोग घरों से बाहर निकले और घटना स्थल पर पहुंचे। स्थानीय निवासी विमल ने बताया कि उनका घर पास में ही था। दुर्घटना की आवाज सुन कर वह मौके पर पहुंचे तो कार में कुछ युवकों को बाहर निकाला। इस दौरान सोडाला थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। लोगों ने 108 को भी सूचना दी।

इसके बाद घायलों को निजी अस्पताल में ले जाया गया। कार चालक ओवर स्पीड में था। इससे वह कार को कंट्रोल नहीं कर सका और कार को डिवाइडर से भिड़ा दिया। दुर्घटना थाना पुलिस ने कार और स्कूटी को सोडाला थाने पर खड़ा करवाया है।

किराना शॉप से तीन मिनट में 60 हजार पार

शटर बीच से खींचकर ऊपर किया, कैश काउंटर को तोड़ा

जयपुर। ज्योति नगर थाना इलाके में किराना की एक शॉप में सोमवार देर रात चोरी का मामला सामने आया है। शॉप के बड़े शटर को खींचकर बदमाशों ने ऊंचा कर जगह बनाई। अंदर घुसकर कैश काउंटर तोड़कर 60 हजार रुपए चोरी कर ले गए। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया कि लालकोठी की एवरेस्ट कॉलोनी निवासी निहाल जिंदल ने मामला दर्ज करवाया कि टोंक रोड पर मोती एंड संस ज्वेलर्स के सामने उनकी श्रीश्याम ट्रेडिंग कंपनी के नाम से किराना शॉप है। रोजाना की तरह सोमवार रात को शॉप क्लॉज कर घर चले गए। देर रात बदमाशों ने चोरी की नीयत से किराना शॉप को निशाना बनाया। करीब 12 फीट चौड़े शटर को बीच से खींचकर ऊंचा किया। शटर के नीचे से अंदर घुसकर चोरों ने कैश काउंटर को तोड़ा डाला। कैश काउंटर में रखे करीब 60 हजार रुपए चोरी कर बदमाश फरार हो गए। मंगलवार सुबह किराना शॉप में चोरी का पता चला। ज्योति नगर थाना पुलिस ने सूचना पर मौके पर पहुंचकर सबूत जुटाए। किराना शॉप के अंदर-बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज में चोरों की करतूत कैद हो गई। रात 3:17 बजे आए तीन बदमाशों ने शटर को बीच में से पकड़कर पूरी ताकत से खींचा। शटर खींचकर ऊंचा कर अंदर जाने की जगह बनाई। प्लास्टिक के कट्टे हाथ में लिए दो बदमाश अंदर घुसे। एक बाहर कुछ दूरी पर खड़े होकर निगरानी करने लगा। अंदर घुसे बदमाशों ने कैश काउंटर को तोड़कर उसमें रखे करीब 60 हजार रुपए प्लास्टिक के कट्टे में डालकर फरार हो गए। महज करीब 3 मिनट में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश कर रही है।

छत्रपति संभाजी महाराज ने राष्ट्र के स्वाभिमान से कभी समझौता नहीं किया : राज्यपाल

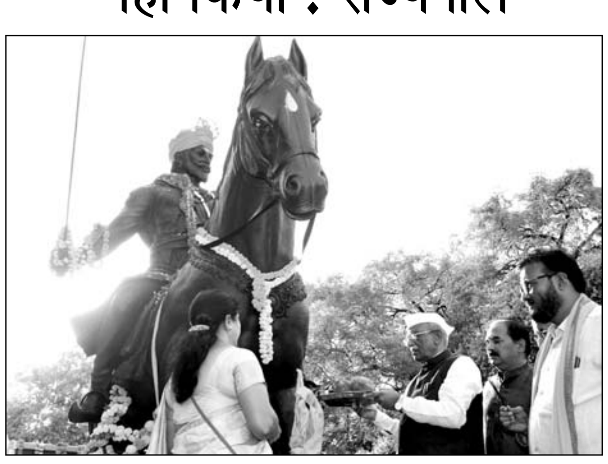

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने नासिक से आई छत्रपति संभाजी महाराज की अश्व सवार भव्य प्रतिमा का भाव भरा अभिनंदन किया।

जयपुर। राजभवन में मंगलवार को छत्रपति संभाजी महाराज जयंती उत्सव समारोह पूर्वक मनाया गया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इस दौरान नासिक से आई उनकी अश्व सवार भव्य प्रतिमा और शोभायात्रा का भाव भरा अभिनंदन किया। दिल्ली में जन्म जयंती मनाने के अंतर्गत मंगलवार को छत्रपति संभाजी महाराज की अश्व सवार प्रतिमा संग शोभा यात्रा राजभवन पहुंची थी।

राज्यपाल ने शोभायात्रा का अभिनंदन करते हुए उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने उनकी प्रतिमा की राजभवन में विधिवत पूजा अर्चना की और कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज धर्माभिमानी थे। उन्होंने औरंगजेब के जुल्म सहे परन्तु राष्ट्र के स्वाभिमान से कभी समझौता नहीं किया। राज्यपाल ने छत्रपति संभाजी महाराज को देश धर्म पर मिटने वाला बताते हुए कहा कि उनका समग्र व्यक्तित्व प्रेरणा देने वाला है। वह शिवा का छावा थे। राष्ट्र के गौरव और औरंगजेब द्वारा धर्म परिवर्तन के प्रलोभन अस्वीकार कर उन्होंने अपने प्राण देश और धर्म पर न्योछावर कर दिए। इससे पहले नासिक से शोभायात्रा राजभवन पहुंचने पर उनकी भावभीनी अगवानी की गई।

'मोरों के लिए गर्मी में करें परिण्डों की व्यवस्था'

जयपुर। जिला मोर संरक्षण समिति की बैठक जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्टर द्वारा वन्यजीव गणना में मोरों की संख्या व मोर के शिकार के प्रकरणों में दोषसिद्धि दर का विशलेषण करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए है। उन्होने गर्मी में मोर व अन्य पक्षियों के पेयजल की व्यवस्था हेतु परिण्डे लगाये जाने पर जोर दिया इसके अलावा मोर बाहुल्य क्षेत्रों में मोर के अण्डो को बचाने हेतु पौष्टिक लम्बी घास व अन्य प्रकार की वनस्पिति लगाने के निर्देश वन विभाग को दिए हैं। बैठक के अन्त में सदस्यों द्वारा मोर संरक्षण समिति के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। बैठक में वी.केतन कुमार, उप वन संरक्षक जयपुर, आरती सिंह, उपनिरक्षक राजस्थान पुलिस जयपुर, रोहित गंगवाल, यशवन्त सिंह रक्षा, एन.जी.ओ., मनीष सक्सेना, हनुमान सहाय मीना, संयुक्त निदेशक, पशु पालन विभाग, सुरेन्द्र सिंह राठौड़, अधीक्षण अभियन्ता, जलदाय विभाग, भजनलाल सी.एफ. डी.सी.पी. दक्षिण, विजय प्रकाश ए.सी.एफ, डी.सी.एफ. जयपुर, उमेश गुप्ता, ए.सी.एफ. जयपुर आदि विभागों व एन.जी.ओ. के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जिला मोर संरक्षण समिति की बैठक में मंगलवार को मोर संरक्षण समिति के पोस्टर का विमोचन भी किया गया।

पुराने भवन के मलबे के निस्तारण के लिए नगर निगम से करें सम्पर्क : जितेन्द्र सोनी

जयपुर। जिला पर्यावरण समिति की बैठक जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार मे आयोजित हुई।

जिला कलक्टर ने उन सभी भवन निर्माण कर्ताओं एवं आमजन से अपील की है कि अपने पुराने भवन को तोड़ कर नवीन भवन का निर्माण कर रहे है तो भवन तोड़ने के पश्चात् शेष रहे मलबे के उचित निस्तारण के लिए नगर निगम ग्रेटर एवं नगर निगम हेरिटेज से अवश्य सम्पर्क करें।

उन्होंने कच्चे फुटपाथो को कंकरिट के स्थान पर इन्टरलाकिंग टाईल्स का प्रयोग करें ताकि बरसात के मौसम मे सड़को का पानी धरती में चला जाए और सड़को को बरसाती नाले बनने से बचाया जा सके।

जिला कलक्टर ने एन्टी स्मॉक गन को उचित स्थान पर लगाने के निर्देश दिए हैं। वही उन्होंने आमजन से कचरा, कचरा-पात्र में डालने या कचरा संग्रहण वाहन में करने की अपील की है ताकि शहर स्वच्छ बनाया जा सकें। यहां सड़को पर सड़क किनारे कचरा डाला जा रहा है वहां उस कचरे को साफ कर धार्मिक महत्त्व पौधे लगाकर शहर को हरा भरा बनाने के निर्देश नगर निगम के अधिकारियों को दिए है। उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि प्लास्टिक न सिर्फ मानव, पशु-पक्षियों के लिए ब्लकि प्रकृति के लिए भी घातक हैं।

इससे नदि नाले अवरूद्ध हो जाते है जिससे शहर में जल भराव एवं बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है इसलिए उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाने के लिए अवैध रूप से विक्रय हो रही प्लास्टिक के जप्ती की कार्यवाही करने के निर्देश नगर निगम के अधिकारियों को दिए है। जिला कलक्टर ने इलैक्ट्रिक वाहनो के चार्जिंग पॉइन्ट लागाने हेतु पेट्रोलियम कम्पनियों से सम्पर्क करने के निर्देश परिवहन विभाग के अधिकारियों को दिए है। इस दौरान बैठक में वी.केतन कुमार, उप वन संरक्षक जयपुर, मनफूल बिश्नोई उप वन संरक्षक वन वर्धन जयपुर ओमप्रकाश शर्मा, उप वन संरक्षक वन्यजीव जयपुर एवं विभिन्न विभागों यथा शिक्षा विभाग, नगर निगम, जे. डी. ए., खनिज विभाग, पशुपालन विभाग, चिकित्सा विभाग, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग, रा. राज्य प्रदूषण नियंत्रण, जल संसाधन, खेल, आदि विभागो के अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला में मसालों और अन्य उत्पादों की हो रही जमकर खरीददारी

चार दिन में हुई 1.28 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री

जवाहर कला केन्द्र में आयोजित किये जा रहे राष्ट्रीय सहकार मसाला मेले में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र में आयोजित किये जा रहे राष्ट्रीय सहकार मसाला मेले के प्रति जयपुरवासियों का विशेष उत्साह नजर आ रहा है। मेले में मसालों के साथ ही अन्य उत्पादों की जमकर खरीददारी की जा रही है। पिछले चार दिन में ही मसाला मेले में 1.28 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री हो चुकी है।

सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने बताया कि मेला दिन-ब-दिन परवान चढ़ रहा है। जयपुरवासी बड़ी संख्या में अपनी आवश्यकता के अनुसार मेले में साबुत एवं पिसे मसालों के साथ ही अन्य उत्पादों की खरीददारी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मेले में 9 मई को 11 लाख, 10 मई को 42 लाख, 11 मई को 44 लाख एवं 12 मई को 31 लाख रुपये के मसालों और अन्य उत्पादों की बिक्री हुई। कॉनफैड स्टोर पर उपलब्ध सिहोरी गेहूं के साथ ही कोटा-बूंदी का तानसेन एवं मधुबाला चावल, केरल के मसाले, इरोड (तमिलनाडु) की हल्दी, बारां का धनिया आदि की मेले में जबर्दस्त डिमांड है। ग्राहकों के लिए मोबाइल चक्की के माध्यम से मसालों की निशुल्क पिसाई की व्यवस्था की गई है। साथ ही, आगन्तुकों के लिए निःशुल्क पार्किंग सुविधा उपलब्ध करवाई गई है।

राजपाल ने बताया कि मेले में स्टॉल्स की संख्या बढ़ाकर 145 कर दी गई है। इस बार कॉनफैड कि स्टॉल सहित लगभग 25 स्टॉल्स पर श्री अन्न उत्पाद भी प्रदर्शित किए जा रहे हैं, जो ग्राहकों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र हैं। साथ ही, ताजा फल एवं सब्जी भी मेले में उपलब्ध हैं।

इसके अतिरिक्त ड्राई फ्रूट्स, कुकीज, चिप्स, नमकीन, पापड़, मंगोड़ी, अचार, जैम, शर्बत, ठण्डाई, माउथ फ्रेशनर, कैंडी, मुम्बईया सौंफ, बनारसी पान, इत्र, ऑर्गेनिक अगरबत्ती, मेहंदी, सूखी सब्जियां, रेडी टू ईट प्रोडक्ट्स, किचन वीयर, हैंडीक्राफ्ट्स, सजावटी सामान, सौन्दर्य उत्पाद, हैल्थ प्रोडक्ट्स एवं परिधान आदि विशेष आकर्षण का केन्द्र हैं।

प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि मेले में प्रतिदिन मनमोहक सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को जयपुर संभाग की ओर से हुई सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोहा।

कार्यक्रम में सुदेश शर्मा एंड पार्टी की ओर से दी गई गीत-संगीत की प्रस्तुतियों ने समां बांधा। साथ ही, राजस्थानी लोकनृत्यों की प्रस्तुति ने भी उपस्थित दर्शकों को रोमांचित किया।

'सत्य कमाई में खुशियॉ अपार'

जयपुर। मानव स्वस्थ एवं सुख समृद्धि के लिए भगवान बुद्ध की शिक्षा, आदर्श व संदेशों को आत्मसात करना आवश्यकता है, मनुष्य जीवन में सत्यकर्म व नैतिक आचरण से ही अपने-पराये के बीच रह रह सकता है।

यह विचार बुद्ध पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध शिक्षा एवं समाज उन्नतीय संस्था द्वारा भगवती नगर आयोजित बुद्ध जयन्ती समारोह में मुख्य अतिथि व्योवृद्ध समाजसेवी रामसिंह ने व्यक्त किये।

उन्होंने बताया कि दिखावे की शान का प्रदर्शन व अधिक आय की चाह के भ्रष्ट तरीकों ने क्रूर व ईर्ष्या को बढा दिया जिससे अपने-पराएं से दूर हुए। झूठी आस्था रखना, असत्य निष्ठा व अनैतिक आचरण सर्वदा विनाशक है।

संस्थापक बौद्ध राधेश्याम कोली ने बताया कि गौतम बुद्ध ने इंसान को "अप्प दीपो भव" का संदेश दिया। कोली ने इंसानियत का पालन तथा अपने बुजुर्गो व मॉ-बाप की सेवा कर जीवन को सार्थक बनाने का भी आह्वान किया।

समारोह में बुद्ध ज्ञान व शिक्षाओं के 'अ' व 'ब' भाग के प्रश्नोत्तरी में लोगों ने उत्साहपूर्व भाग लिया।

सार-समाचार

पानीपेच रोड पर जल मंदिर का लोकार्पण

जयपुर। पानीपेच स्थित टीम 39 जहां चाह वहां राह जन कल्याण ट्रस्ट द्वारा ट्रैफिक पुलिस चौकी के पास पानीपेच रोड पर लगभग सात साल से बंद पड़ी पानी की प्याऊ का जीर्णोद्धार करवाकर पीपल बुध पूर्णिमा पर उद्घाटन किया गया। टीम 39 के प्रधान ट्रस्टी विष्णु बियानी व मीडिया प्रभारी मनीष केडिया ने बताया कि यह प्याऊ पिछले सात साल से जर्जर अवस्था में थी एवं बंद पड़ी थी। टीम 39 द्वारा इसमें टाइल्स एवं मरम्मत कार्य करवाके नई पानी की टंकिया लगाके, दो वाटर कूलर सहित 21 घड़े लगाके इसे चालू किया गया है जो कि निरंतर चालू रहेगी। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि मनोज मुदगल(चेयरमैन अतिक्रमण निरोधक समिति नगर निगम जयपुर हेरीटेज पार्षद वार्ड नंबर-35, सुभाष व्यास (पार्षद वार्ड नंबर 34) द्वारा किया गया। संजीव सुरोलिया, रविंद्र यादव, सुनील शर्मा, रामवतार अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, राम प्रकाश शर्मा, ताराचंद गोयल, नेतराम गुर्जर, महेंद्र खंडेलवाल, कमला जांगिड़, दुर्गेश शर्मा, घनश्याम शर्मा, सुनील अग्रवाल, होती, विमलेश शर्मा, द्वारका प्रसाद जांगिड़, आनंद सिंह नरूका, कमल सिंह, शाहिद भाई, अशोक दुसाद, कैलाश खांडल, कर्मवीर चौधरी, प्रमोद अग्रवाल, दुर्गा लाल चौधरी, संदीप शर्मा, यशवर्धन सिंह, लोकेश शर्मा, सुनील कुमार, पवन वर्मा, हरीश वर्मा अन्य कई लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों का दुपट्टा व माला पहना कर स्वागत किया गया व अतिथियों द्वारा पट्टिका का लोकार्पण कर प्याऊ का उद्घाटन किया गया।

पूजा मित्तल ने सीनियर डीसीएम का पदभार संभाला

जयपुर। उत्तर-पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल पर भारतीय रेलवे यातायात सेवा-2014 की अधिकारी पूजा मित्तल ने मंगलवार को पहली महिला अधिकारी के रूप में जयपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के पद पर कार्य ग्रहण कर लिया है। उल्लेखनीय है कि पूजा मित्तल नें इससे पहले सहायक वाणिज्य प्रबंधक व सहायक परिचालन प्रबंधक-अजमेर, सहायक परिचालन प्रबंधक-जयपुर, मंडल वाणिज्य प्रबंधक-जयपुर, उप मुख्य परिचालन प्रबंधक-मुख्यालय के पद पर सेवाएं दे चुकी हैं। पूजा मित्तल ने कार्यभार संभालने के बाद कहा कि उनका उद्देश्य बेहतर यात्री सुविधाओं और बेहतर प्रशासनिक तालमेल पर रहेगा।

कनक शर्मा ने नाम रोशन किया

जयपुर। सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम मंगलवार 13 मई को जारी कर दिया गया है। इसके तहत इनकम टैक्स कॉलोनी निवासी कनक शर्मा ने सीबीएसई दसवीं बोर्ड की परीक्षा में 82 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए अपने परिवार और स्कूल का नाम रोशन किया है। प्रताप नगर स्थित डॉल्फिन हाई स्कूल की छात्रा कनक शर्मा ने बताया कि उसने बोर्ड एग्जाम के लिए किसी भी तरह का कोई ट्यूशन और कोचिंग नहीं लिया। केवल सेल्फ स्टडी करते हुए यह अचीवमेंट हासिल किया है। अपनी इस उपलब्धि का श्रेय कनक ने अपने पिता वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय भवानी शंकर शर्मा व माता मोनिका शर्मा और स्कूल के टीचर्स जान्हवी मुकरेजा और मुकेश शर्मा को दिया है। कनक का कहना है कि वह भविष्य में आईआईटीयन बनाकर अपने परिवार और समाज का नाम रोशन करना चाहती है।

ब्रजेश्वरी कट्टा को मिले 96 फीसदी अंक

जयपुर। सीबीएसइ 12 में ब्रजेश्वरी कट्टा ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं। सुजल को पढ़ाई करना विशेष रुचिकर लगता है। इस सत्र में ब्रजेश्वरी ने लगातार पढ़ाई को समय दिया आखरी के तीन महीने सोसल मीडिया से दूरी बनाई व निरंतर अभ्यास करते हुए बेहतर परिणाम प्राप्त कर अपने परिजनों का नाम रोशन किया। सीबीएसइ 12 में सुजल महर्षि ने 88 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं। सुजल को पढ़ाई करना ,एक्सरसाइज करना ,और एक्टिंग करने की रुचि है इसमें कई शॉर्ट फिल्म और ऐड फिल्म में काम किया है, और अभी 4 जून को रिलीज, होने वाली राजीव राय की फिल्म जोरा में भी अभिनय किया है।

जयपुर की रूचि गुर्जर अपनी फिल्म लाइफ के लिए पहुंची कांन्स फिल्म फेस्टिवल

जयपुर। जयपुर की रूचि गुर्जर अपनी फिल्म लाइफ के साथ कांन्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में भारत का प्रनिधित्व करने जा रही है। बतौर अभिनेत्री फिल्म लाइफ में अपने दमदार अभिनय के लिए कांन्स फिल्म फेस्टिवल में पहुंचने वाली है। जयपुर के महारानी कॉलेज से बीबीए की पढाई पूरी करने के बाद रूचि ने मुंबई की ओर रुख किया और फिल्मों में अपनी कला का परिचय दिया। फिल्म में रूचि गुर्जर ने एक ऐसी महिला की भूमिका निभाई है जो सामाजिक दबावों और भावनात्मक संघर्षों से जूझ रही है। अपने कांन्स तक के सफर के बारे में रूचि कहती है कि फिल्म लाइफ मेरे लिए एक भावनात्मक सफर रहा है। झुंझुनूं जैसे छोटे शहर से निकलकर कांन्स जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंच पर पहुंचना एक सपना साकार होने जैसा है। यह पल में हर लड़की को समर्पित करती हूं जो जयपुर ही नहीं पूरे राजस्थान का नाम अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रसिद्ध करना चाहती है।

देबांशी शेखावत राजस्थान में प्रथम

जयपुर। देबांशी शेखावत ने सीबीएसई 12 में राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विद्याश्रम स्कूल में अध्ययनरत देबांशी ने 500 में से 499 अंक प्राप्त किये। वे एडीजे लोकेंद्र सिंह शेखावत की पुत्री हैं।

पेयजल समस्या के समाधान के लिए लगाया विशेष शिविर

जयपुर। कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के प्रेरणादायी मार्गदर्शन और सार्थक प्रयासों से झोटवाड़ा की ग्राम पंचायतों में पेयजल की समस्या के समुचित समाधान हेतु विशेष शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुए। यह शिविर ग्राम पंचायत कार्यालय, भैंसावा और ग्राम पंचायत कार्यालय, आसलपुर में आयोजित हुआ। इस शिविर से जोरपुरा, आसलपुर, बोबास, बस्सी झाझड़ा, आईदान का बास, ढाणी बोराज, ढीण्डा, भैंसावा, करणसर, लोहरवाड़ा, डूंगरीकलां, हिंगोनिया, जोरपुरा, सुन्दरियावास, कुड़ियों का बास ग्राम पंचायतें लाभान्वित होंगी। ये एक समर्पित प्रयास-जनता की बेहतर सुविधा के लिए है।

Celebrating World Facilities Management Day 2025

Observed on May 14, World Facilities Management Day recognizes the vital role facility managers play in ensuring safe, efficient, and sustainable environments across workplaces, hospitals, schools, and public spaces. The 2025 theme, "Inspire, Integrate, Innovate," highlights the industry's shift towards smart infrastructure, energy efficiency, and user-centric spaces. From maintaining air quality to implementing eco-friendly technologies, facilities managers are the unsung heroes of operational excellence. As businesses evolve post-pandemic, their contributions in maintaining hygiene, safety, and adaptability have become more crucial than ever. Today, we honour these professionals who keep our built environment functional and future-ready.

#BOOKWORM

Tiny Tales, Big Impact

Best Books to Help Indian Kids Fall in Love with Reading from an Early Age!

In an age dominated by screens, cultivating a reading habit in children may feel like swimming against the current. But books remain powerful tools, shaping young minds, nurturing empathy, boosting imagination, and building strong language skills. For Indian parents and educators looking to sow the seeds of lifelong learning, introducing the right books at the right age can make all the difference. Here's a curated list of some of the best books for Indian kids, spanning toddlers to tweens, that not only entertain but also build a strong reading foundation and cultural connection.

For Ages 2-5: Board Books and First Stories

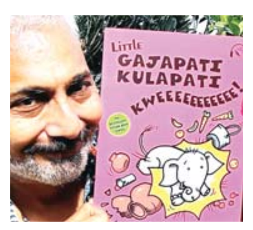

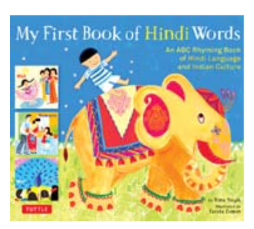

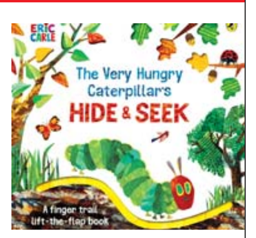

1. **Gajapati Kulapati by Ashok Rajagopalan**
   This adorable elephant with a sneezing problem is a hit among preschoolers. With simple repetitive text and onomatopoeic sounds like 'Aaaaachooo!,' it's perfect for read-aloud fun. Bonus? It's set in a charming Indian village, making it instantly relatable.
2. **My First Book of Hindi Words by Rina Singh**
   An excellent bilingual primer, this book introduces common Hindi words through colourful illustrations and simple rhymes. Great for toddlers growing up in multilingual homes.
3. **The Very Hungry Caterpillar by Eric Carle**
   Though not Indian, it's a timeless global favourite. The vibrant visuals and rhythmic flow help children grasp basic concepts of numbers, days, and food, and it's now available in several Indian languages.

For Ages 5-8: Picture Books and Early Readers

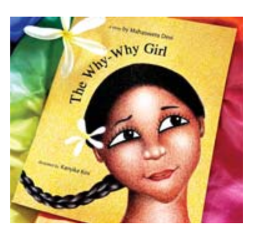

4. **The Why-Why Girl by Mahasweta Devi**
   A powerful story based on the real-life journey of a tribal girl who dares to ask 'why.' This tale introduces themes of curiosity, social equity, and resilience, all wrapped in accessible storytelling.
5. **The Blue Jackal by Karadi Tales**
   A lively retelling of the Panchatantra fable, this book from the Karadi Tales series blends wit and wisdom. The vibrant artwork and audio-book option enhance engagement, especially for first-time readers.
6. **Timmi in Tangles by Shals Mahajan**
   This early chapter book features Timmi, a quirky little girl with a wild imagination. It's funny, real, and refreshingly free of preachy morals, perfect for encouraging kids to enjoy reading for fun.

For Ages 8-12: Chapter Books and Indian Adventures

7. **Swami and Friends by R.K. Narayan**
   This timeless classic is a window into Indian life in the 1930s through the eyes of a mischievous boy in Malgudi. Narayan's gentle humour and vivid storytelling still resonate with young readers today.
8. **The Mystery of the Silk Umbrella by Asha Nehemiah**
   If your child is into mysteries and puzzles, this book is a great pick. With its Indian setting and relatable characters, it keeps readers engaged while encouraging problem-solving.
9. **The Wildings by Nilanjana Roy**
   Set in Delhi's Nizamuddin, this beautifully written fantasy novel follows a secret society of cats. It's poetic, imaginative, and offers a more literary experience for advanced young readers.

Tips to Nurture a Reading Habit in Kids

1. **Make Reading Routine**
   Incorporate reading into bedtime rituals or dedicate 15-20 minutes a day. Consistency is key to habit formation.
2. **Let Them Choose**
   Take your child to bookstores or libraries and let them pick what excites them. Ownership of the reading experience increases motivation.
3. **Create a Reading Corner**
   A cozy, well-lit nook with a few cushions and a book basket can do wonders. Make reading feel like a reward, not a chore.
4. **Lead by Example**
   When children see adults enjoying books, they naturally mirror that behavior. Read together, talk about books, and model curiosity.
5. **Celebrate Indian Authors**
   Support homegrown stories. Indian children, seeing their culture, festivals, food, and names in books, creates deeper connections and pride in their roots.

Why Early Reading Matters

Research shows that children who develop reading habits early not only do better academically but are also more empathetic and imaginative. In a multicultural, multilingual country like India, books also play a vital role in helping children understand diversity, inclusion, and their place in the world. As we guide children through the noise of the digital age, books remain quiet companions, ready to entertain, educate, and empower. So, whether it's a cheeky jackal, a sneezy elephant, or a girl who asks too many questions, there's a perfect book waiting to open up a child's world. Let's turn the page on screen-time guilt and start a new chapter, one where Indian kids fall in love with the written word, one book at a time.

When We Used To Fight Wars Which Looked Like Wars

The famous Surrender Photograph. Jacob first from right.

Jacob with Niazi and Gavin Young. At the famous, Surrender Lunch, 16 Dec 1971, Dacca.

The Mukti freedom fighters played a major role in the defeat of the Pakistan Army. They broke their morale and created an environment of fear. Due credit must be given to them for their role. We had no maps; the ones we had were fifty year old and had no relation to what was on ground. I requested freedom fighters to please get us maps. They got a complete set of maps which I gave to Survey of India in Park Street, Calcutta. These were printed in Survey of India and issued in November. We used Pakistani maps throughout the war. The only intelligence we got from R&AW was two and a half pages. It was Signals Intelligence that gave us all the intelligence we got. By the end of April, I made a draft plan and sent it to Delhi. It was done during monsoons. We doubled the capacity at the railway line and got Border Roads Organisation (BRO) to build roads. We built up the infrastructure and logistics. When the war started, everything was in place.

Maj. Chandrakant Singh VrC *(Retd)*
Military Historian

We have been at a war of sorts. Though not even officially over yet, as I am proceeding to share this account with readers of Arbit. Wars are not going to be what we have been used to, anymore. Advanced technology, and the products of the whole world, who produce and sell weapons, watch abated as their claims are put to test and they win or lose, not to say, a whole lot of world economy looks up or down as the result of one skirmish, let alone a war. Major Chandrakant had been part of a war more like the one we would understand, the Bangladesh one. Just to remind ourselves, all the weapons in the world, all the technology, can't replace human intelligence and will to win. So, here is what Chandrakantji says!

I have had the privilege to have known Gen Jacob and would even say that he was a friend, even though he was closer to my father's age than mine. I first met him in 1967 when he was posted as Commander 12 Infantry Division at Jodhpur. My battalion 4 Guards was under him and we were located at Udaipur. The start of our friendship was a common interest in Western Classical music. Jacob was a brilliant man, the ideal choice as Chief of Staff, Easter Command in 1971. He did a fantastic job both in the logistics build-up and during the operations. But he did himself no credit when in his two biographical books and several TV interviews, he takes sole credit for the victory in Bangladesh. This is Gen Jacobs account in his own words.

"The Bangla elections took place at the end of 1970. The West Pakistanis, on no account, wanted a Bangladesh Prime Minister and did everything to oppose it. It was after the slaughter at Dacca University that Operation Searchlight took place. I saw the refugees come and it was terrible. They were streaming in wounded, smashed and beaten. On 31st of March, Indian Parliament asked Pakistan to transfer power to the Bengalis. On 29th April, we were told to assist the freedom fighters. The BSF in the border areas was then put under the Army. In early April, I got a phone call from Manekshaw saying, "Jake, government wants the Army to move in to East Pakistan." We set up a number of camps for the Mukti Bahini. At least eight to start with, and later, it was increased to ten eleven.

The Mukti freedom fighters played a major role in the defeat of the Pakistan Army. They broke their morale and created an environment of fear. Due credit must be given to them for their role. We had no maps; the ones we had were fifty year old and had no relation to what was on ground. I requested freedom fighters to please get us maps. They got a complete set of maps which I gave to Survey of India in Park Street, Calcutta. These were printed in Survey of India and issued in November. We used Pakistani maps throughout the war. The only intelligence we got from R&AW was two and a half pages. It was Signals Intelligence that gave us all the intelligence we got. By the end of April, I made a draft plan and sent it to Delhi. It was done during monsoons. We doubled the capacity at the railway line and got Border Roads Organisation (BRO) to build roads. We built up the infrastructure and logistics. When the war started, everything was in place.

The works through the monsoon and logistics were the key factors in winning this war. I want to quote (Then Chief of Air Staff) PC Lal, a very competent officer. "Dacca was never an objective, as it was considered not possible to capture. The war had to be short, as UN would intervene. With these restrictions, the objectives were limited to get territory for Bangla government in exile." Once limited objectives were agreed to, each service did what it thought was best. The Pakistan strategy was to defend territory, towns and main roads. Therefore, we based our plans to bypass these and go for the centre of gravity, Dacca. We received Army Headquarters operation instruction on 15th of August. The war officially started on 3rd December, when Pakistan bombed our airfields. As far as we were concerned, however, the war for us had started earlier, on 22nd November. As the Pakistanis were shelling us, we asked for permission to silence these guns and were given permission to go up to ten miles.

The offensive went according to plan, we bypassed the cities. Meanwhile, the American fleet was moving into the Straits of Malacca. On December 13th, there was an American resolution at the United Nations, which was vetoed by the Soviet Union. The Soviets said no more vetoes. Sam Manekshaw reacted and sent us an order to capture 'all the towns in Bangladesh except Dacca.' All the towns we had bypassed were listed, but though we were outside Dacca, no mention was made for its capture. As these orders had also been sent to HQ 3 Corps, we rang up the corps and told them to ignore these orders. The Army Commander, Lieutenant General Jagjit Singh Aurora came agitated into my room, showed me the signal from Army HQ and said that it was entirely my fault as he wanted to capture the towns, but I did not support his view. That night, I got hold of General Niazi on the wireless and told him that our forces outside Dhaka were very strong, a Mukti Bahini uprising was imminent, ethnic minorities would be protected and that they would be treated with dignity if they surrendered.

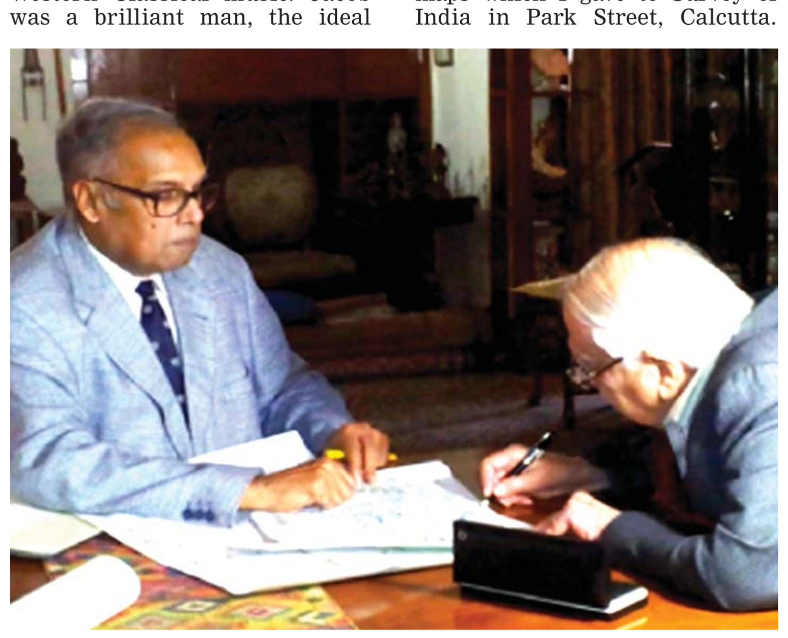

Gen Jacob with Chandrakant.

#1971 WAR

Gen Jacob between Generals Cariappa and Nathu Singh at raising day celebrations of 4 Guards in Udaipur 1967.

> This surrender is unique. It is the only public surrender in history where a ceasefire was converted into surrender and signed in four hours. Niazi had the capacity to fight on for two to three weeks, and the UN was in session. He was taken to task by the Hamidur Rehman report, which said not only had he agreed to surrender but he had shamefully agreed to a public surrender and guard of honour.

On December 14th, I got an intercept that there was a meeting at the Government House in Dhaka. There were two government houses in Dhaka, so, we took an educated guess, and fortunately it was the correct one. The Indian Air Force bombed it within two hours. The governor of East Pakistan resigned. About 4 p.m. that afternoon, Niazi and Major General Farman Ali went to see Spivack, the American Consul General, with the following proposals: Ceasefire under the United Nations, withdrawal under UN, handover of the government to the UN and no war crimes trials and other stipulations. I got to know about it through one of the embassies. So, I informed Manekshaw, who spoke to the American Ambassador in India, who didn't know anything about it.

That same day, the American embassy in Islamabad sent it to New York, and it was given on December 15 to Zulfiqar Ali Bhutto. He refused to accept it. The Americans then gave it to us. On December 15, the ceasefire was ordered. On the morning of December 16, Manekshaw phoned me and said: "Go and get surrender." I asked, "On what terms?" "I have already sent you a draft surrender document. Do I negotiate on that?" "You know what to do, just go!" he replied. Then, I made a mistake. I told him that when I was talking to Niazi, he had invited me for lunch, and I forgot about it. On the staircase, I met Mrs. Aurora, and she told that she was going to Dhaka with her husband. "My place is beside my husband," she said. I was changing helicopters at Jessore to get to Dhaka, when a man came running to me with a signal from Army HQ. I opened it, thinking well, now I have some orders. I was unarmed, and carrying the document which I had typed and sent to Delhi. Only a staff officer was with me. I opened the letter, and it said: "The government of India has approved of General Jacob having lunch with Niazi." Who wanted their permission? (promptness!!)

Anyway, I landed at Dhaka still carrying this paper which I had sent to Delhi. On my arrival, I was met by the UN representatives who said, "We are coming with you to arrange the withdrawal of the Pakistani army and the takeover of the government." I said that thank you very much, but I don't need your help. Fighting was going all around Dhaka between the Pakistani troops and the Mukti Bahini. A Pakistani brigadier met me at the airfield to guide me to Niazi. En route, we were stopped by a unit of the Mukti Bahini, who refused to let us proceed. "We are going to attack Niazi's headquarters," they said. "He is surrendering, please let me go," I said. A long argument took place with the Mukti Bahini, until I said, "Look, your new government is coming in tomorrow, and Niazi wants to surrender, for God's sake, let us go!" Finally, they let us go. I arrived at Niazi's headquarters, where I had the draft surrender document read out to him.

This is an unconditional surrender, he said. "You have only come here to discuss the ceasefire and the withdrawal of the Pakistani army." "General," I replied, "this is not unconditional; I have worked on this for some time. I had put in it that we would protect ethnic minorities, that we would ensure the safety of them and their families, that they would be treated with dignity as officers and men according to the Geneva Convention. So, it is not unconditional. Where would you find all these conditions laid down?" But he said no. I listened to the arguments for some time. His aides like Farman Ali were advising him not to surrender. Finally, I told him, "Look General, you surrender, I will ensure your safety, the safety of your families, ethnic minorities, everyone. You will be treated with respect. If you don't, I am afraid I can take no responsibility for what happens to you or your families. What is more, we will have no other option but to order the immediate resumption of hostilities. I give you 30 minutes." I walked out.

Aurora was supposed to land soon to sign the instrument of surrender. I fervently hoped he was bringing what we had sent Manekshaw. I was alone in a very hostile environment. I was thinking, suppose he doesn't surrender, what do I do? He has 30,000 troops, we have 3,000 and he can fight for three weeks at least! The Hamidur Rehman report also says when they asked him why you surrendered; Niazi told them "General Jacob blackmailed me! He threatened to hand us over to the Bahini, and that they would bayonet us." All rubbish. I did pressurise him and I didn't say I would hand him over to the Mukti Bahini for them to massacre. I said I would not be responsible. I never said I would hand them over. That's a lie.

In fact, in the Hamidur Rehman report, one of the officers, who was present, said that Jacob never used the word bayonet. Anyway, I was wondering what was going to happen as I walked back after half an hour. The paper I gave him was lying on the table. "General, do you accept this paper?" I asked. He kept quiet, he didn't answer. I asked him three times. So, I picked it up, and held it high, and said, "I take it that it is accepted." There were tears in his eyes. There were glares from the other Pakistani generals and admirals. I had no advice, no orders, other than to get a surrender. I didn't know what was going to be signed. What came to be signed had to be re-signed in Calcutta two weeks later. The signed document was wrong.

"I will surrender in my office," Niazi said. I said no, I have already given instructions that you will surrender at the racecourse, in front of the people of Dhaka. "I won't," he said. "You will," I said. "You will also provide a guard of honour." I made my own modalities for the surrender.

This surrender is unique. It is the only public surrender in history where a ceasefire was converted into surrender and signed in four hours. Niazi had the capacity to fight on for two to three weeks, and the UN was in session. He was taken to task by the Hamidur Rehman report, which said not only had he agreed to surrender but he had shamefully agreed to a public surrender and guard of honour, when he could have fought on for some weeks, enabling the UN to intervene. Then, there was that lunch which Gavin Young described as the Surrender Lunch, with all the silverware laid out. After that, while we were going to the airport in Niazi's car, the Mukti Bahini stopped the car and jumped on it. Near the airport, I saw a few of our troops trickling in. I saw two para boys in a jeep and I took them with me. When I got to the airport, Tiger Siddiqi turned up with a truckload of Mukti Bahini.

I don't know why, but I felt he wanted to shoot Niazi. If Niazi was killed at the airport, there would be no surrender. I told the two para boys to shield Niazi, walked up to Siddiqi, I told the two para boys to point their rifles at him, and ordered him off the airfield. Then, Aurora and his entourage, including his wife, landed. I was supposed to travel with Niazi and Aurora, but I was told to make way for Mrs. Aurora. She was more important. Since everyone else had gone, and this was the last car, I hitched a ride in a truck. After the signing, the crowd wanted to lynch Niazi. We had very few troops there. So, we had put a cordon around Niazi, put him in an army jeep which whisked him away. We lost 1,400 men; 4,000 were wounded. The credit for our victory should go to the officers and men who fought gallantly against stiff resistance by the Pakistanis. Due credit must go to Indira Gandhi who displayed courage and determination throughout the crisis. She stood up to US President Richard M Nixon and the UN, and led the country to its greatest victory. We took 93,000 prisoners. The rifle and bayonet at the Amar Jawan memorial in New Delhi belong to an unknown soldier who gave his life in the Jessore sector. Let us not forget their sacrifice."

rajeshsharma1049@gmail.com

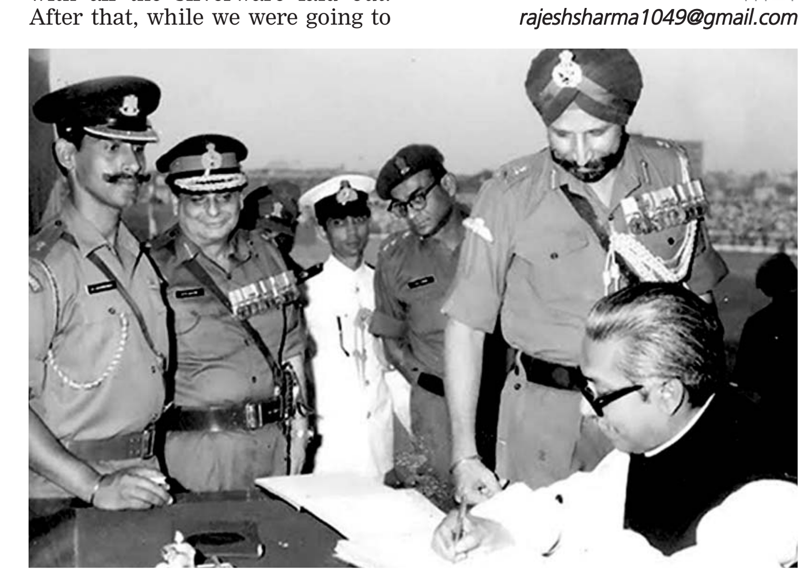

2 March 1972. Sheikh Mujib signing the visitors book of 4 Guards after the ceremonial farewell Parade. Gen Jacob 2nd from left. Gen Aurora behind Sheikh Mujib.

#HEALTH

Booze Snooze Blues

Why That Nightcap Might Be Robbing You of Rest and Waking You Up with the Dreaded 'Next-Day Blah!'

We've all been there, a couple of drinks to unwind, some good food, maybe a laugh or two. It all seems like a great idea until the next morning rolls around and you wake up groggy, foggy, and far from refreshed. That sluggish 'blah' feeling is more than just a hangover, it's your body reacting to alcohol's disruption of one of its most essential processes, sleep.

The Sleep Illusion

Many people assume that a nightcap helps them fall asleep faster. And in a way, that's true. Alcohol is a sedative that can make you feel drowsy and may help you doze off quickly. But here's the catch, while it may aid sleep initiation, it seriously disrupts sleep quality throughout the night. Research shows that alcohol interferes with the body's natural sleep architecture. It reduces rapid eye movement (REM) sleep, the deep, restorative stage where dreaming occurs and your brain processes emotions and memories. Without enough REM sleep, you wake up tired, irritable, and mentally sluggish, no matter how many hours you spent in bed.

The 3 AM Wake-Up Call

Alcohol also acts as a diuretic and suppresses the production of anti-diuretic hormone (ADH), leading to more frequent bathroom visits in the night. That's why many drinkers find themselves wide awake around 3 or 4 AM, hot, dehydrated, and anxious. This phenomenon is also linked to the rebound effect: once the sedative effect of alcohol wears off, your nervous system becomes hyperactive, jolting you awake and making it harder to fall back asleep.

Anxiety Amplified

It's not just poor sleep that's the problem. Alcohol's interference with sleep can worsen next-day anxiety, a condition often dubbed 'hangxiety.' Sleep deprivation, combined with alcohol's impact on neurotransmitters like serotonin and GABA, can heighten stress and make you feel emotionally vulnerable the next day. This emotional toll can be especially brutal for people already prone to anxiety or depression, turning a casual night out into a trigger for a full-blown mental health spiral.

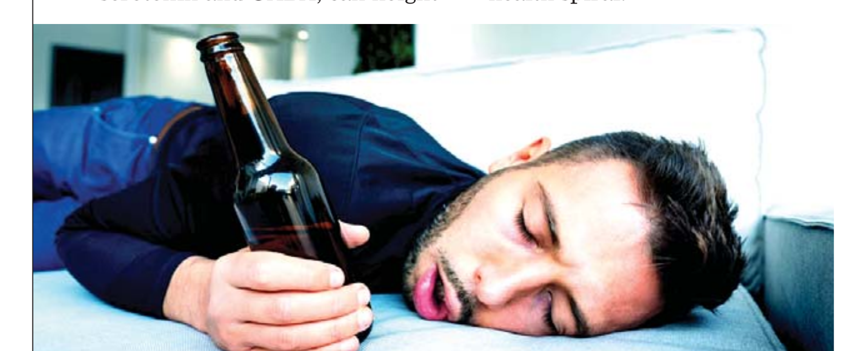

Long-Term Consequences

Regular alcohol use before bedtime doesn't just cause short-term grogginess, it can lead to chronic sleep issues like insomnia and obstructive sleep apnea. Studies also suggest a link between prolonged alcohol use and reduced melatonin production, the hormone responsible for regulating your sleep-wake cycle. In the long term, this disruption may contribute to cardiovascular issues, lowered immunity, and even cognitive decline. It's a domino effect, where one poor night's sleep due to alcohol can snowball into lasting health complications.

Breaking the Cycle

If you're serious about improving your sleep, the answer is simple yet often overlooked: cut back on alcohol, especially in the hours leading up to bedtime. Even a two-week alcohol break can drastically improve sleep quality, energy levels, and mental clarity. So, the next time you're tempted to wind down with a drink, ask yourself, is that short-lived buzz really worth the next-day blah? For your brain, body, and emotional wellbeing, the answer is likely no.

THE WALL

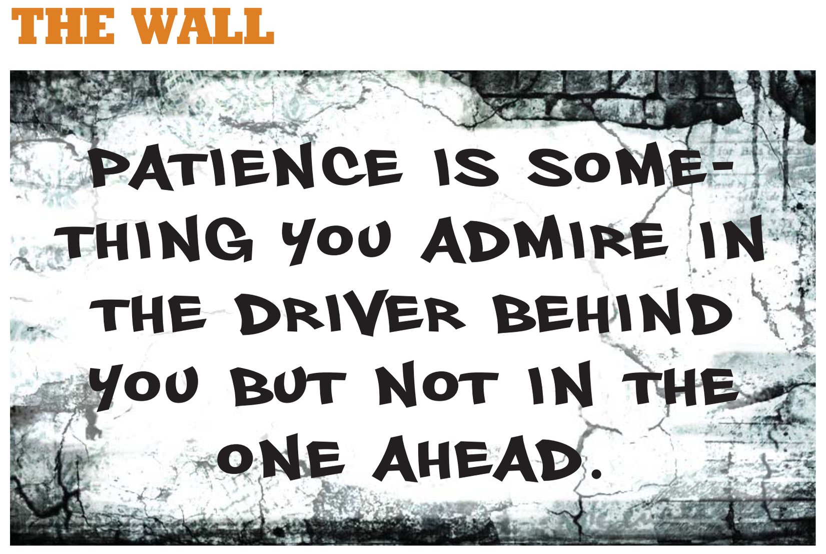

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

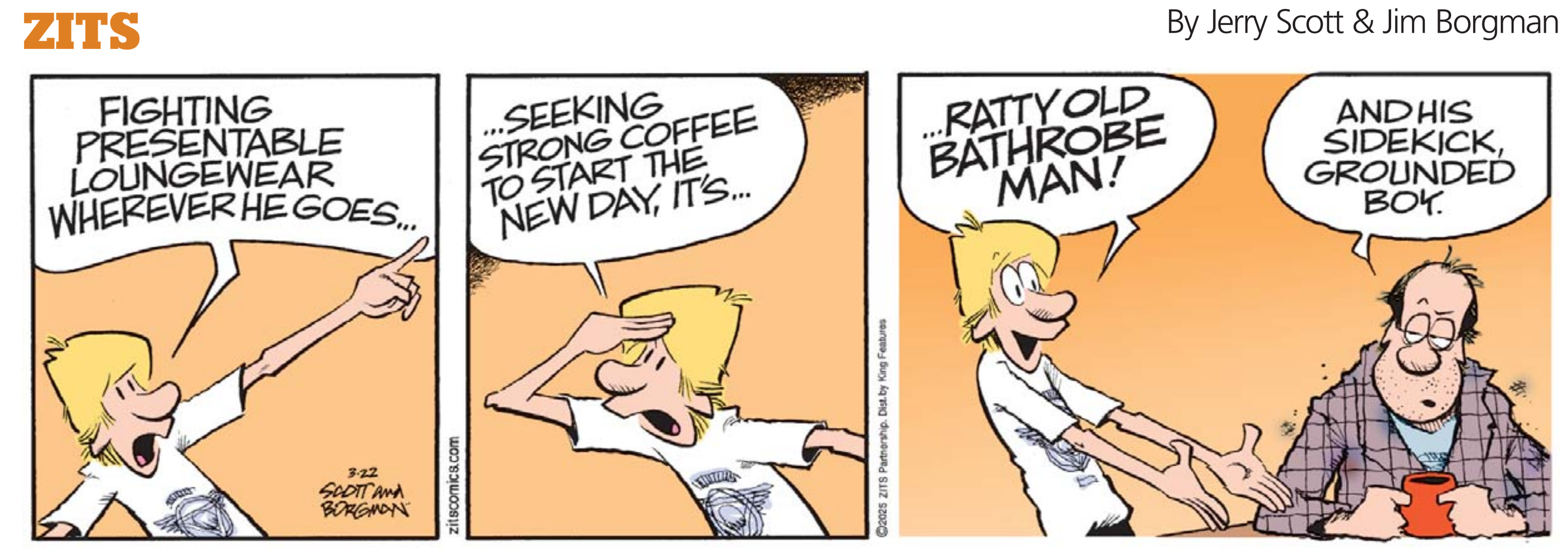

पाली में फैक्टरी के कमरे में फंदे पर युवक का शव लटका मिला

पाकिस्तान की जेल में 28 माह कैद काटकर एक साल पहले ही वापस आया था युवक गेमरराम

पाली, (नि.सं.)। पाकिस्तान की जेल में 28 महीने कैद काटकर आए एक युवक का शव पाली की एक फैक्टरी में फंदे पर झूलता मिला। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने उसके शव को बांगड़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मंगलवार को पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस ने बताया कि बाड़मेर जिले के बिजराडा थाना क्षेत्र के कुम्हारों का टीबा निवासी गेमराराम (24) पुत्र जामाराम मेघवाल जो करीब एक साल से जाड़न कस्बे की एक लोहा फैक्टरी में कोयले का काम करता था। वह अपने भाई और रिश्ते में मामा के साथ एक कमरे रहता था। सोमवार दोपहर को उसका शव फैक्टरी के एक सूने कमरे में फंदे पर झूलता हुआ मिला। घटना की जानकारी जब उसके भाई और मामा को लगी तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पाली के बांगड़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

पुलिस ने अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम की कार्रवाई की।

मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। इसके बाद परिजन शव को एम्बुलेंस से बाड़मेर के लिए रवाना हो गए। पुलिस पुरे मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार गेमराराम भारत-पाक बॉर्डर से सटे गांव कुम्हारों का टीबा का रहने वाला है। गेमराराम का एक लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था। 4 नवंबर 2020 की रात वह गर्लफ्रेंड से मिलने उसके घर गया था। तभी प्रेमिका के परिजनों ने उसे देख लिया। यह देखकर गेमराराम घबरा गया। डर के मारे भागते हुए भारत-पाक की सरहद पर बनी तारबंदी पार कर पाकिस्तान चला गया था। जहां पाक रेंजर्स ने उसे अरेस्ट कर लिया था। करीब 28 महीने बाद पाक जेल से यातना झेलने के बाद 14 फरवरी 2023 को गेमराराम की पाकिस्तान से भारत वापसी हुई थी। मृतक के गांव से भारत-पाकिस्तान सीमा दो किलोमीटर से ज्यादा दूर नहीं है। गेमराराम के खिलाफ बाड़मेर के बीजराड़ थाने में जनवरी 2021 में पॉक्सो एक्ट का मामला दर्ज किया गया था। भारत लौटने के बादल गेमरा से भारत में संयुक्त जांच एजेंसियों ने पूछताछ की। उसके बाद उसे बीजराड़ थाना पुलिस को सौंप दिया। बीजराड़ थाना पुलिस ने उसे पॉस्को एक्ट में गिरफ्तार भी किया था। जेल से रिहा होने के बाद वह पहले गुजरात काम करने गया लेकिन वहां मन नहीं लगा तो एक महीने बाद ही वापस आ गया और करीब एक साल पहले पाली के जाडन के निकट स्थित लोहे की फैक्टरी में मजदूरी पर लगा था।

■ प्रेम प्रसंग मामले में परिजनों के डर से भागते हुए सरहद पार कर पाकिस्तान चला गया था युवक

सूने मकान का ताला तोड़ नगदी व जेवर चुराये

किशनगढ़ बास, (निसं)। नगर पालिका वार्ड नौ के रैणी मौहल्ला स्थित कंपाउंडर दिनेश सोनी के मकान से अज्ञात चोर दरवाजा व खिड़की तोड़कर घर के अंदर रखे चांदी के जेवर व करीब एक लाख रुपए नगद चोरी कर ले गए। पिछले तीन दिन से परिवार घूमने के लिए बाहर गया हुआ था। बंद मकान में चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है।

■ पिछले तीन दिन से परिवार घूमने के लिए बाहर गया हुआ था

पुलिस ने छत पर मौका देख मकान मालिक से जानकारी ली।

किशनगढ़ बास राजकीय सामुदायिक अस्पताल में सेवाएं दे रहे कंपाउंडर दिनेश सोनी ने बताया कि वह तीन-चार दिनों से पत्नी व बच्चों के साथ घूमने के लिए गया हुआ था। मकान पर कोई नहीं था। मंगलवार को वापस घर पहुंचे तो मेन गेट पर ताला लगा हुआ था। ताला खोलकर मकान के अंदर प्रवेश किया तो पीछे का दरवाजा खुला था। कमरे के दरवाजे खुले पड़े थे, सामान फैला हुआ मिला। चोरी की खबर सुनकर पड़ोसी व समाज के लोग घर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर मौका स्थिति को देखा और परिवार से जानकारी ली। कंपाउंडर दिनेश सोनी ने पुलिस को बताया कि करीब एक किलो चांदी के जेवर व लगभग एक लाख रुपए नगद चोरी हुए हैं। पुलिस ने आसपास केमरे देखने चाहे पर कहीं पर भी कैमरा लगा हुआ नहीं मिला। दिनेश सोनी ने बताया कि बाहर जाने से पहले वह सोने के जेवर सुरक्षित स्थान पर रख गए थे जो चोरी होने से बच गए। चोरी की खबर पता लगने पर सरपंच जनेश भूटानी, संदीप वलेचा, हीरू हरवानी, हरीश सोनी, सहित पड़ोसी एवं समाज के लोग पहुंचे और पुलिस से अज्ञात चोरों को पकड़ने की मांग की।

प्रभारी मंत्री के. के. विश्नोई ने जालोर जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा किया

जालोर, (कासं)। जिले के प्रभारी मंत्री के. के. विश्नोई ने मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे जालोर जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा किया। प्रभारी मंत्री ने सरवाना, खेजडियाली व वेडिया गांवों का दौरा किया तथा ग्रामीणों से मुलाकात कर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सीमा पर हुए तनावपूर्ण माहौल का देश के जांबाज सैनिकों द्वारा पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया गया तथा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूरे मिशन की मॉनिटरिंग की जा रही है एवं देश के तीनों सेनाओं द्वारा देश हित में पाकिस्तान के आतंकियों का सफाया किया जा रहा हैं।

■ भारतीय सेना ने आतंकियों को मुंह तोड़ जवाब दिया : के.के. विश्नोई

प्रभारी मंत्री के .के .विश्नोई ने जालोर जिले के निकट सीमावर्ती क्षेत्र का दौरा कर जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि बॉर्डर के इलाकों में होने वाले असामान्य गतिविधियों पर नजर बनाए रखें एवं किसी भी प्रकार का संदेह होने पर निकटतम पुलिस थाना या प्रशासन को सूचना दें। प्रभारी मंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों को सीमावर्ती क्षेत्रों में आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सांसद लुंबाराम चौधरी ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। नाहरसिंह जोधा ने कहा कि वर्तमान में देश की सीमा पर शांति है, लेकिन अगर पाकिस्तान हमला करेगा, तो उसको उसी की भाषा में जवाब दिया जाएगा।

जसराज राजपुरोहित ने कहा कि सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोग अपने आसपास रहने वाले बाहरी लोगों का स्थानीय थाने में वेरिफिकेशन करवाएं एवं किसी भी व्यक्ति पर संदेह हो तो उसकी सूचना पुलिस को देवें। पूर्व सांसद देवजी पटेल ने कहा कि देश का नेतृत्व मजबूत हाथों में है एवं देश की सेना आधुनिक संसाधन से युक्त है। मेड इन इंडिया के हथियारों को पूरे विश्व ने देखा है। भारत किसी भी मोर्चे पर पीछे हटने वाला नहीं। पाकिस्तान द्वारा ड्रोन से भारत पर हमला करने की कोशिश की लेकिन सभी ड्रोन को भारत सेना द्वारा नष्ट कर दिया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे, जिला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव, अतिरिक्त जिला कलेक्टर सांचौर दौलतराम चौधरी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

61.62 लाख रूपये का अवार्ड पारित

तारानगर, (निसं)। तारानगर न्यायालय मोटर दुर्घटना दावाधिकरण के पीठासीन अधिकारी संतोष कुमार मीणा ने सड़क दुर्घटना के विभिन्न मामलों में ब्याज सहित कुल 61.62 लाख रूपये का आवार्ड पारित किया है।

अधिवक्ता अनिल कुमार स्वामी राजपुरा ने बताया कि 24 जुलाई 2016 को सरदारशहर के मेहरी निवासी शोकत अली खां ने भालेरी थाने में इस आशय की पेश की कि उसका भतीजा इस्लाम खां परिवार सहित राजपुरा गया हुआ था। वहां से वापिस रवाना होकर अपनी बोलेरो गाड़ी से सायं पांच बजे भालेरी पेट्रोल पम्प के पास पहुंचा तो सामने भालेरी की तरफ से आ रही बोलेरो कैम्पर के चालक रमेश निवासी चरखी दादरी ने अपनी बोलेरो को तेज गति व लापरवाही से चलाकर इस्लाम की बोलेरो को टक्कर मारी, जिससे बोलेरो में सवार इस्लाम, जन्नत बानो, बच्ची रुकसार की मौके पर मौत हो गई तथा रमेश की गाड़ी में नरेश पुत्र सतवीर निवासी सोरड़ जींद तथा राजवीर उर्फ भोलाराम पुत्र रूपचन्द जो रमेश की गाड़ी में सवार थे, उनकी भी मौत हो गई तथा चालक रमेश की भी उक्त दुर्घटना में मौत हो गई। पुलिस ने अनुसंधान कर न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट तारानगर में चालान पेश किया।

अवैध बांग्लादेशी दंपती अजमेर से डिटेन, अब तक 31 पकड़े

स्पेशल टास्क फोर्स का अभियान जारी, संदिग्ध नेटवर्क की हो रही जांच

अजमेर, (कासं)। अजमेर में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत स्पेशल टास्क फोर्स ने एक बांग्लादेशी दंपती को डिटेन किया है। पुलिस की इस कार्रवाई में अब तक 31 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा जा चुका है। जिनमें से चार को गंज थाना पुलिस टीम की सहायता से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस उपाधीक्षक लक्ष्मण राम के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान टीम ने रबीउल इस्लाम और उसकी पत्नी हलीमा खातून को हिरासत में लिया। पूछताछ में सामने आया कि दोनों बांग्लादेश के मदारपुरा पोस्ट गोदावरी जिला राजशाही के निवासी हैं। लगभग दस साल पहले दोनों अवैध रूप से भारत में घुसे थे और अलग-अलग शहरों में पहचान छुपाकर रहने के बाद अब अजमेर में खानाबदोश के रूप में रह रहे थे। पुलिस इन दोनों के नेटवर्क, संपर्क सूत्रों और यहां किसके माध्यम से पहुंचे, इसकी गहराई से जांच कर रही है। गौरतलब है कि हाल के वर्षों में बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों द्वारा फर्जी दस्तावेजों के जरिये भारत में प्रवेश कर बसने की घटनाएं सामने आई हैं जिससे सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर है।

स्पेशल टास्क फोर्स ने एक बांग्लादेशी दंपती को डिटेन किया।

बारहवीं सीबीएसई एग्जाम का पणिाम जारी, अभिभावकों में खुशी

सीबीएसई 12वीं में बीकानेर में एडीजे लोकेंद्र सिंह शेखावत की बेटी देबांशी के 499 अंक आये

बीकानेर, (निसं)। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन ने 10वीं का रिजल्ट घोषित कर दिया है। अच्छे अंक लाने वाले बच्चों के अभिभावकों के चेहरों पर भी खुशी साफ दिखाई दी। जबकि अच्छे रिजल्ट देने वाले स्कूल संचालकों ने भी अपने स्टूडेंट्स का मुंह मीठा करवाया। जैन पब्लिक स्कूल की छात्रा युद्धिका ने बारहवीं आर्ट्स में 98.8 परसेंट मार्क्स प्राप्त किए हैं। उसने पेंटिंग और आईटी में सौ में सौ मार्क्स लिए, जबकि इंग्लिश में 99 मार्क्स प्राप्त किए। बीकानेर में एडीजे लोकेंद्र सिंह शेखावत की बेटी देबांशी शेखावत ने प्रदेशभर में बारहवीं सीबीएसई एग्जाम में टॉपर लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराया है। देबांशी के 499 अंक आये।

आर्टस स्टूडेंट देबांशी भविष्य में पिता की तरह विधि क्षेत्र में ही अपना भविष्य देखती है। बीकानेर के जैन पब्लिक स्कूल की युक्ति बजाज ने दो विषयों पॉलिटिकल साइंस और जीओग्राफी में सौ में सौ अंक प्राप्त किए हैं। उसने 99.4 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। युक्ति के पांच सौ में से 495 मार्क्स है। बीकानेर की भव्या राजवी ने बारहवीं आर्ट्स में दो विषयों में सौ में से सौ अंक प्राप्त किए। उसके पॉलिटिकल साइंस और हिंदुस्तानी म्युजिक में ये मार्क्स रहे। हिस्ट्री में सौ में से 99 अंक रहे। वो महारानी किशोरी देवी सीनियर सैकंडरी स्कूल की स्टूडेंट है। बीकानेर के जैन पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाली तृप्ति मिश्रा ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

तृप्ति ने पॉलिटिकल साइंस, हिस्ट्री और जीआग्राफी विषय में बारहवीं का एग्जाम दिया था। बीकानेर के आरएसवी स्कूल के स्टूडेंट मोहम्मद अयान ने 98 परसेंट अंक प्राप्त किए हैं। अयान के जीओग्राफी में सौ में से सौ अंक है।

कबाड़ के गोदाम में भीषण आग लगी

मौके पर पहुंची दमकल की मदद से आग पर काबू पाया।

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर कोतवाली थाना इलाके के मछली मोहल्ला में एक कबाड़ के गोदाम में आग लग गई। गोदाम मालिक के मुताबिक उसका करीब 50 हजार का नुकसान हुआ है। गोदाम के पास एक ट्रांसफर था, जिसमें से चिंगारी निकलकर गोदाम में जा गिरी, जिसके बाद गोदाम में आग लग गई। आग लगने के कारण आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया।

कबाड़ गोदाम के मालिक बंगाली ने बताया कि उसका गोदाम मछली मोहल्ला के अंदर स्थित स्थित है। दुकान के पास एक ट्रांसफार्मर है। ट्रांसफार्मर से जा रहे बिजली के तार उसके गोदाम के ऊपर से जाते हैं। बिजली के तारों पर सुबह के समय कुछ बंदर कूद रहे थे। जिसके कारण बिजली के तारों से चिंगारी निकल रही थी। बिजली के तारों से निकली चिंगारी अचानक गोदाम में जा गिरी, जिससे गोदाम में रखी प्लास्टिक ने आग पकड़ ली। धीरे-धीरे पूरे गोदाम में रखे सामान ने आग पकड़ ली। गोदाम से धुंआ निकलने लगा। धुंआ निकलता देख आसपास के लोग मौके पर इकट्ठे हो गए, जिसके बाद गोदाम के मालिक को घटना की सूचना दी गई। गोदाम का मालिक मौके पर पहुंचा और, दमकल विभाग को घटना की सूचना दी गई। जिसके बाद मौके पर दमकल की गाड़ी पहुंची और आग पर काबू पाया जा सका।

■ बिजली के तारों से निकली चिंगारी गोदाम में गिरने से हादसा हुआ

भारत-पाक तनाव के कारण स्थगित एग्जाम अब स्कूल स्तर पर होंगे

बीकानेर, (निसं)। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते सीमावर्ती जिलों में स्थगित एग्जाम अब स्कूल स्तर पर ही पेपर बनाकर लेने होंगे। माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने इस संबंध में मंगलवार सुबह आदेश जारी किया है, जिस जिले में स्कूल जिस दिन शुरू होंगे, उसके ठीक दो दिन बाद एग्जाम होना हैं। क्लास 9 और 11 के चार पेपर अब तक शेष हैं।

निदेशक की ओर से जारी आदेश अनुसार स्थगित परीक्षाओं से संबंधित विषय के प्रश्न पत्रों को मॉडल पेपर के रूप में वितरित किया जाएगा। इसके बाद स्कूल अपने स्तर पर पेपर तैयार करवाकर एग्जाम लेगा। जिन जिलों में स्कूल मंगलवार से शुरू हो गए हैं, वहां गुरुवार से वंचित रहे विषयों के एग्जाम फिर से होंगे। वहीं जिन जिलों में स्कूल बुधवार से शुरू होंगे, वहां शुक्रवार से एग्जाम होंगे। ये पेपर दो पारी में लिए जाने हैं। स्कूल अपनी सुविधा के अनुसार भी पेपर करवा सकता है।

पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर में स्कूल शुरू हो चुके हैं। वहीं जैसलमेर में स्कूल अब तक शुरू नहीं हुए हैं। ऐसे में जैसलमेर के अलावा सभी जिलों में गुरुवार से एग्जाम फिर से शुरू होंगे और जैसलमेर में शुक्रवार से एग्जाम पुनः होंगे। दरअसल ये पहला मौका है जब 9 और 11 के पेपर पूरे राज्य में एक समान हो रहे थे। एक ही पेपर से राज्य के सभी जिलों में परीक्षा शुरू तो हुई लेकिन भारत-पाक तनाव के कारण ये सिलसिला सीमावर्ती जिलों में टूट गया। अब फिर से पेपर प्रकाशित करवाकर वितरण करने के बजाय स्कूल स्तर पर ही एग्जाम का निर्णय किया गया है।

कारखाना लगाने के नाम पर धोखाधड़ी की

खेतड़ी, (निसं)। सिंघाना कस्बे में चूड़ी का कारखाना लगाने के नाम पर धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की ओर से पार्टनरशिप में काम करने के नाम पर 10.50 लाख रुपए हड़प लेने का मामला दर्ज कराया है।

थानाधिकारी रामसिंह यादव ने बताया कि सिंघाना कस्बे के वार्ड 14 निवासी अजय कुमार महाजन ने रिपोर्ट दी कि उसके मौहल्ले का ही संजय सोनी चूड़े बनाने का काम करता है। वह जून 2024 में उसके पास आया तथा चूडी बनाने का कारखाना लगाने की बात कही। इस दौरान उसने रूपए कम होने पर पार्टनरशिप करने के लिए साझेदारी में रूपए लगाने के लिए 15 लाख रुपए देने के लिए कहा। 30 जूलाई 2024 को आरोपी ने उससे 10.50 लाख रुपए ले लिए तथा जल्द कारखाना लगाकर होने वाले मुनाफे आधा हिस्सा देने की बात कही। इस दौरान जब परिवादी ने 28 अप्रैल 2025 को दिए गए रूपये का हिसाब करने के लिए कहा तो वह टालमटोल करने लगा। जब उससे रूपए वापस मांगे तो उसने रूपए देने से मना कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि परिवादी की ओर से दी गई रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

महिला अध्यापिका के दुर्व्यवहार से आक्रोशित ग्रामीणों ने स्कूल के बाहर प्रदर्शन किया

निवाई, (निसं)। गांव कैरोद के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में स्टाफ के आपसी विवाद एवं कार्यरत एक महिला अध्यापिका द्वारा बच्चों से दुर्व्यवहार व अपमानित करने से आक्रोशित ग्रामीणों ने मंगलवार को विद्यालय के मुख्य दरवाजे पर ताला लगाकर प्रदर्शन किया और कार्यवाही करने की मांग की।

विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवजीलाल खंगार ने बताया कि विद्यालय में कार्यरत अध्यापिका कमलादेवी जाट द्वारा विद्यालय स्टाफ व छात्र-छात्राओं के साथ जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया जाता है। पूर्व में शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया था। इसके बाद शिक्षा विभाग ने जांच कमेटी गठित की थी। जांच कमेटी द्वारा जांच की गई थी। इसी प्रकरण को लेकर मंगलवार को कैरोद के समस्त ग्रामीणों ने विद्यालय के मेन गेट पर ताला लगा दिया।

ग्रामीणों ने बताया कि अध्यापिका कमला जाट विद्यालय के स्टाफ व बच्चों सहित ग्रामीणों से भी अभद्रता करती है। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर मुख्य ब्लॉक शिक्षाधिकारी कार्यालय से आरपी रामकिशन बैरवा व प्रशासनिक अधिकारी प्रहलाद मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से काफी देर तक समझाइश की। ग्रामीणों ने अधिकारियों को बताया कि कार्यरत महिला बच्चों को जातिसूचक शब्दों से अपमानित करती है। ग्रामीण काफी देर तक मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को विद्यालय में बुलाने की मांग पर अडे रहे। इसके बाद शिक्षा विभाग के दोनों अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन देते हुए कहा कि पूरे प्रकरण से अधिकारियों को अवगत करवाया जाएगा।

इस बारे में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मंजू मीणा से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि मैं सरकारी कार्य से टोंक शिक्षा विभाग कार्यालय आई हुई हूं। कार्यालय से दो अधिकारियों को मौके पर भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी अध्यापिका कमला जाट के खिलाफ जांच चल रही है। जांच कमेटी द्वारा अभी तक मेरे कार्यालय में जांच प्रस्तुत नहीं की गई है। मामला सही पाए जाने पर अध्यापिका के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी को भी ग्रामीणों द्वारा एक शिकायती पत्र सौंपकर शीघ्र कार्यवाही करने की मांग की है। इस दौरान मुकेश बैरवा, धर्मचंद बैरवा, शिव प्रसाद, मुकेश, रामप्रसाद जाट, मीठालाल, प्रभुलाल, मोहनलाल जाट, प्रेम शंकर बैरवा, जितेंद्र बैरवा, राजकुमार, बंसीलाल, रामपाल व जीतराम सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

गांव कैरोद के विद्यालय के गेट पर ग्रामीणों ने ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया।

■ 'विद्यालय में कार्यरत अध्यापिका कमलादेवी जाट द्वारा विद्यालय स्टाफ व छात्र-छात्राओं के साथ जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया जाता है'

तिरंगा यात्रा 20 को

टोंक। भारतीय जनता पार्टी द्वारा निकाली जाने वाली तिरंगा यात्रा को लेकर भाजपा जन संवाद कार्यालय में बैठक भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान की अध्यक्षता व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोती लाल मीणा के आथित्य में आयोजित हुई। बैठक में 13 मई से 23 मई तक देशभर में निकाली जाने वाली तिरंगा यात्रा को लेकर चर्चा की गई।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम अशोक कुमार महला से बदलकर अशोक कुमार पुत्र श्री रणजीत सिंह रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। निवासी एम-1/14, एल.आई.सी.फ्लेट्स, सेक्टर 6, विद्याधर नगर, जयपुर

मैं गिर्राज प्रसाद शर्मा पुत्र बसन्ता राम, निवासी-उचेकापुरा, पीपलपुरा, करौली राजस्थान-322241 मैंने अपना नाम गिर्राज प्रसाद से बदलकर गिर्राज प्रसाद शर्मा रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए।

मेरा नाम आकाश पुत्र श्री चैना राम से बदलकर अपना नाम आकाश चौधरी पुत्र श्री चैना राम रख लिया है भविष्य में मुझे आकाश चौधरी पुत्र चैना राम के नाम से जाना जावे। पता-48, गोकुल विहार-ए, बुद्धिसिंहपुरा, सांगानेर जयपुर 302029

मैंने मेरा नाम दिनेश चन्द्र पाल से बदलकर दिनेश पाल रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। दिनेश पाल पुत्र श्री गोविन्द चन्द्र पाल 181/118 प्रताप नगर, सांगानेर

I Mukesh Kanwar D/o Parthvee Singh Shekhawat R/o Ward No-04, Bagoli Jhnjhunun, Rajasthan-333801, have changed my name to Manvi Kanwar

I Jaisa Ram S/o Ramesh Kumar R/o Nagneshiyan Dhoondha, PO-Kavas, Dist-Barmer, Rajasthan - 344035, have changed my name to Jaswant Jangid

I Ratni is legally wedded spouse of service no 10301786 Ex Hav Late Jagdish S/O Ramkishor resident of plot no 173 Rajeev nagar hatwata hasanpura Jaipur That i have changed my name which is wrongly entered in my husband service record From RATNI To RATANI vide affidavit dated 7may 2025 before district notary Jaipur

खोया पाया

मेरे मकान नंबर 174/74 प्रताप नगर सांगानेर का अलोटमेंट लेटर कहीं गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें। सुमन शुक्ला 9828651088

मेरा Flat No. B1/0/2 द्वारकापुरी अपार्टमेन्ट, प्रताप नगर, जयपुर का मूल आवंटन पत्र कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें-9057006666

मेरे मकान 3/714 मालवीय नगर जयपुर का मूल मुख्तारनामा मालवीय नगर में कहीं खो गया है मिलने पर सूचित करें 9829181888 सावित्री देवी।

मेरे आवास संख्या 68/193, प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर का मूल भौतिक कब्जे की मूल प्रति कहीं गिर/गुम गयी है मिलने पर सूचित करें- सुरेश कुमार 9829152330

जे.डी.ए. की योजना- अभिनव विहार विस्तार के प्लाट नं- K-413 के जे.डी.ए. से जारी मूल आवंटन-पत्र और कब्जा पत्र जयपुर मे कही खो गये है सूचित करे- हिरा नन्द पमनानी मो- 9460141640

मेरे भूखण्ड सं- सी-209 जे.डी.ए. की योजना अनुपम विहार, अजमेर रोड जयपुर का जे.डी.ए. से जारी मूल आवंटन-पत्र कही गुम हो गया है सूचित करे- सीताराम रैगर मो- 9414253870

मेरे भूखण्ड सं- B/617 जे.डी.ए. की योजना रोहिणी एन्क्लेव जयपुर का जे.डी.ए. से जारी मूल आवंटन-पत्र कही गुम हो गया है सूचित करे- शम्भू दयाल योगी मो- 9079082116

मेरे भूखण्ड सं- A-3 निजी खातेदारी की योजना- नन्द विहार- ग्राम- कल्याणपुरा उर्फ खातीपुरा तह- सांगानेर जयपुर का मूल पट्टा, साईट प्लान और संग्लन स्टाम्प पेपर कही खो गये है सूचित करे आशीष कुमार जारवाल मो- 9414845263

I have lost Original document of my property Somewhere Between Malviya Nagar Industrial Area And Lal Kothi, Jaipur, If found please inform Mr. Vijay Ahuja 10, Palmcourt Colony, Jagatpura Jaipur

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

डीग में जिला प्रभारी मंत्री रावत ने जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली

डीग /भरतपुर। जल संसाधन एवं जल संसाधन विभाग मंत्री एवं प्रभारी मंत्री भरतपुर व डीग सुरेश सिंह रावत ने बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी अधिकारी बजट घोषणाओं की क्रियान्विति को गति देने के लिए संबंधित विभागों से समन्वय करते हुए भूमि आवंटन, डीपीआर, टैंडर प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करते हुये विकास कार्यों को समय पर पूरा करें जिससे विकास कार्यों का लाभ आमजन को समयबद्ध मिल सके।

उन्होंने निर्देशित किया कि बजट घोषणा 2025-26 में जिले के संबंध में की गई घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए आवश्यक व भविष्य में सुगमता को देखते हुए उपयुक्त भूमि का चिन्हीकरण करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने यह बात मंगलवार को पंचायत समिति सभागार डीग में बजट घोषणाओं 2024-25 एवं 2025-26 के संबंध में आयोजित जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक के दौरान कही। इस दौरान डीग-कुम्हेर विधायक डॉ शैलेश सिंह, कामां विधायक नौक्षम चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

'अंजारी डंगीका डीग एवं सेमली नगर में 132 केवी जीएसएस कार्य के लिए सिविल तथा इलेक्ट्रिकल कार्य हेतु कार्यादेश जारी'

प्रभारी मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा के लिए बैठक की।

- अधिकारी अपने दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वहन करते हुए बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध करें : प्रभारी मंत्री

बैठक में जिला कलेक्टर उत्सव कौशल ने पीपीटी के माध्यम से बजट घोषणा 2024-25 एवं 2025-26 के तहत अब तक हुए कार्यों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डीग-कुम्हेर-भरतपुर में सांवई खेड़ा डिप्रेशन से गोवर्धन ड्रेन तक पानी लिफ्टिंग कार्य की दिनांक 7 मार्च 2025 को कार्यादेश राशि 545.66 लाख रुपए जारी किया गया है। 2700 मीटर के विरुद्ध 2250 मीटर पाइपलाइन डालने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। पंप हाउस निर्माण के स्थान तक पहुंच मार्ग का कार्य प्रगति पर है एवं पंप हाउस के लिए बिजली कनेक्शन का कार्य प्रक्रियाधीन है। रसिया डीग में 33 केवी जीएसएस का कार्यादेश जारी करने के साथ ही कार्य प्रारंभ हो चुका है। 33 केवी लाइन तथा सब स्टेशन के पोल खड़े किए जा चुके हैं। लाइन का कार्य प्रगति पर है। 11 केवी के तीन फीडरों में से एक फीडर की लाइन खींची जा चुकी है। शेष 11 केवी फीडरों का कार्य प्रगतिरत है। इसी प्रकार सिरथला एवं जयश्री 33 केवी जीएसएस के तहत दोनों सबस्टेशन के लिए कार्यादेश जारी करने के पश्चात कार्य प्रारंभ हो चुका है। अंजारी डंगीका डीग एवं सेमली नगर में 132 केवी जीएसएस के संबंध में सिविल तथा इलेक्ट्रिकल कार्य के लिए कार्यादेश जारी हो चुके हैं तथा केवी लाइन का कार्य प्रारंभ हो चुका है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अंतर्गत पसोपा नगर में देवनारायण आवासीय विद्यालय को लेकर बताया गया कि 2 मई 2025 को एनआईटी की प्रक्रिया पूर्ण की गई।

ज्ञापन सौंपा

टोंक। एआईसीसी ह्यूमन राइट्स महिला प्रदेशाध्यक्ष संगीता राठी, उपाध्यक्ष समीना खान एवं कंजर समाज महापंचायत राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष ग्यारसीलाल गोगावत, उपाध्यक्ष मंजेश कर्मावत ने पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस विभाग द्वारा कार्यवाही नही होने पर जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपा।

आम सूचना हर आम व खास को सुचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य रामवतार पुत्र श्री हरिनारायण जाति ब्राह्मण नि0 दूदू तह0 मौजमाबाद एवं श्रीमति शांति देवी पत्नि श्री रामनिवास जाति ब्राह्मण नि0 जोबनेर जिला जयपुर के पुत्र / दोहिता विजय गौड पुत्र श्री रामवतार हाल नि0 जोबनेर जिला जयपुर जो की गलत संगत एंव दुर्व्यसनों में पडकर मेरे अभिभाष्यगण की सामाजिक प्रतिष्ठा को धूमिल कर रहा है तथा विजय गौड अपने कर्तव्य एंव दायित्वो से विमुख हो चुका है। मेरे अभिभाष्य अपनी चल अचल पैतृक स्वअर्जित सम्पत्ति से विजय गौड को पूर्व में ही बेदखल कर चुके है। अगर विजय गौड किसी भी आम व खास से किसी भी प्रकार का संव्यवहार करार या उधारी प्राप्त करता है तो मेरे अभिभाष्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। मेरे अभिभाष्यगण विजय गौड को अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है।
दिनांक:14/5/25 भैरूलाल शर्मा, एडवोकेट, मो.9829372772

खोया पाया
मेरा राजस्थान फार्मेसी काउंसिल दारा जारी राजस्थान फार्मासिस्ट पंजीयन प्रमाण पत्र संख्या 31719, जारी दिनांक 17/05/2010 कहीं खो गया है जो इस समय कहीं लगा हुआ नहीं है। मिलने पर उक्त पते 65, Jeevandeep Colony, Road No.14, Sikar Road, Jaipur, Rajasthan 302013 पर पहुंचाने का श्रम करें। नाम एवं पता- Mukesh Yadav, 65, Jeevandeep Colony, Road No.14, V.K.I. Area, Sikar Road, Jaipur. Rajasthan 302013

कार्यालय उपायुक्त किशनपोल जोन नगर निगम जयपुर
सोफिया स्कूल के सामने घाटगेट जयपुर पिन कोड 302003
क्रमांक-F-52/DC/KPZ/2025/218 दिनांक-3/5/2025
सार्वजनिक आपत्ति सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती विमला जैन पुत्री स्व आसानन्द जैन ने दुकान नं. 106 नेहरू बाजार जयपुर का नाम हस्तान्तरण चाहने हेतु आवेदन पत्र के साथ स्वामित्व संबंधित दस्तावेजो की फोटो प्रतियां प्रस्तुत कर उक्त सम्पति का स्वयं के क्षेत्रफल 20.44 वर्गमीटर का नाम हस्तान्तरण कर फ्री होल्ड पट्टा चाहा है। उक्त दुकान के नाम हस्तान्तरण के संबंध मे किसी व्यक्ति सरकारी / गैर सरकारी संस्था या अन्य किसी को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस मे अधोहस्ताक्षरकर्ता को सूचित करे। बाद मियाद गुजरने के आवेदन का नियमानुसार निस्तारण कर दिया जावेगा।
उपायुक्त किशनपोल जोन नगर निगम जयपुर (हैरिटेज)

आम सूचना सर्वसाधारण को यह सुचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य रसूल मुहम्मद पुत्र वकीलएवं अफसाना बैगम पत्नि रसूल मुहम्मद निवासी बन्धा बस्ती नाहरी का नाका, का पुत्र मौहम्मद हासिम एवं उसकी पत्नि आफरीन मेरे मुवक्किल के कहने मे नही है तथा दोनो मिलकर आये दिन मेरे मुवक्किल से दुर्व्यवहार करते है, बेइज्जती करते है, मुझसे अनुचित राशि की मांग करते है, इन दोनो ने मेरे मुवक्किल का जीना दुश्वार कर दिया है, इसलिए मेरे मुवक्किल ने अपने पुत्र मौहम्मद हासिम एवं उसकी पत्नि आफरीन को अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है, आज से मौहम्मद हासिम एवं उसकी पत्नि आफरीन का मेरे मुवक्किल व उसकी समस्त चल-अचल संपति से कोई संबंध व हक अधिकार नही रहा है तथा इन दोनो के द्वारा किसी भी व्यक्ति से किये जाने वाले संव्यवहार, लेन-देन तथा आपराधिक कृत्य व कार्यो के बारे मे मेरे मुवक्किलान की किसी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नही है। अतः सूचित रहे।
(अब्दुल सलीम खान) एडवोकेट, मो.9829098127

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी स्व. श्री कुन्दन सिंह विष्ट निवासी-प्लॉट नम्बर-64, गंगा कॉलोनी, साधना अस्पताल के पास, खातीपुरा रोड, जयपुर की है मेरी अभिभाष्या के पुत्र राजेन्द्र सिंह बिष्ट उर्फ पिंकू एवं मेरी पुत्रवधु मिनाक्षी (देवयानी) दोनो ही मेरी अभिभाष्या को मानसिक व शारिरीक रूप से हैरान-परेशान करते है एवं हर समय लडाई - झगडे करते रहते है इसलिए मेरी अभिभाष्या अपनी स्वयं की चल व अचल सम्पत्ति से दोनों को ही आज दिनांक से बेदखल करती है। अन्य कोई भी दीगर व्यक्ति, संस्था से ये दोनों किसी भी प्रकार का लेनदेन करते है तो मेरी अभिभाष्या की किसी भी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नही होगी। सनद रहे।
जयपुर (हेमेन्द्र सिंह राणावत) एडवोकेट
दिनांक:13/5/25 मो.9829179605

आम सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती चंचल सिखवाल पत्नि श्री प्रदीप सिखवाल निवासी 42, संजय कॉलोनी, नेहरू नगर, जयपुर राजस्थान 302016 यह सूचित करती है कि उनके फ्लेट नं. बी 101, सिल्वर स्प्रिंग अपार्टमेन्ट, ग्राम भुवाणा, उदयपुर राज. के मूल रजिस्ट्री दस्तावेज कहीं खो गये है मेरी अभिभाष्या उक्त फ्लेट की विक्रय प्रक्रिया में है अतः यदि किसी व्यक्ति, बैंक, संस्था या अन्य किसी पक्ष को इस संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आपत्ति, दावा या अधिकार हो तो कृपया प्रकाशन की तिथी 13.5.2025 से 15 दिवस के भीतर लिखित में मेरी अभिभाष्या के पते-42, संजय कॉलोनी, नेहरू नगर, जयपुर राजस्थान 302016 पर सूचित करें या मुझसे संपर्क करें। यदि निर्धारित समय सीमा में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है तो मेरी अभिभाष्या विक्रय प्रक्रिया को आगे बढा सकती है यानी इस संपत्ति का विक्रय किसी अन्य पक्ष को कर सकती है उसके बाद कोई दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा।
एडवोकेट, मुकेश सिखवाल, आनन्द नगर, सीकर राजस्थान 332001, Reg.No. R/2459/2010 मो.नं.9828106349

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.urban.rajasthan.gov.in
ऑनलाईन आवेदन- 215457
क्रमांकः उविप्रा / जोन-9/2025/डी- 1582 दिनांक8/5/25
आम सूचना निजी खातेदारी की योजना गुलाब विहार के भूखण्ड संख्या 45 क्षेत्रफल 211.28 वर्ग गज की लीजडीड श्री विमल कुमार पुत्र श्री ताहील राम के नाम से दिनांक 23.12.2010 को जारी किया गया है। तत्पश्चात उक्त भूखण्ड का बेचान होने पर जोन कार्यालय द्वारा दिनांक 14.03.16 को श्री अवनीत सिंह पुत्र स्व. श्री राजेन्द्र सिंह के नाम से नाम हस्तानतरण पत्र जारी किया गया है। तत्पश्चात श्री अवनीत सिंह द्वारा उक्त भूखण्ड का बेचान जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 06.02.2018 के द्वारा एम.आर.एस.बी. बिल्डर्स प्रा.लि. जरिये निदेशक श्री श्याम सुन्दर शर्मा को कर दिया गया। तत्पश्चात एम.आर.एस.बी. बिल्डर्स प्रा.लि. जरिये निदेशक श्री श्याम सुन्दर शर्मा द्वारा उक्त भूखण्ड का बेचान जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 31.07.2019 के द्वारा श्री विमलेश शर्मा पुत्र श्री रामचन्द्र शर्मा को कर दिया गया। तत्पश्चात श्री विमलेश शर्मा द्वारा उक्त भूखण्ड का बेचान जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 14.02.2024 के द्वारा श्री गीता गोयल पत्नी श्री महावीर प्रसाद गोयल को कर दिया गया। तत्पश्चात श्री गीता गोयल द्वारा उक्त भूखण्ड का बेचान जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 19.07.2024 के द्वारा श्रीमती मुन्ना देवी साह पत्नी स्व. श्री कैलाश चन्द साह को कर दिया गया। आवेदिका श्रीमती मुन्ना देवी साह द्वारा विक्रय पत्र की मूल प्रति प्रस्तुत नही की जाकर प्रमाणित प्रति फोटो प्रति प्रस्तुत की गयी है। आवेदिका श्रीमती मुन्ना देवी साह द्वारा उक्त भूखण्ड का नाम हस्तानतरण एवं लीज होल्ड से फ्री होल्ड लीजडीड जारी किये जाने हेतु आवेदन किया गया है।
अतः निजी खातेदारी की योजना गुलाब विहार के भूखण्ड संख्या 45 की लीजडीड जारी किये जाने के सम्बन्ध मे कार्यवाही की जानी है। इस सम्बन्ध मे किसी भी व्यक्ति विशेष को कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस के अधीन प्रस्तुत करें अन्यथा लीजडीड जारी किये जाने की कार्यवाही कर दी जावेगी।
उपायुक्त जोन-9

औद्योगिक प्रोत्साहन शिविर आयोजित

कोटपूतली। जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र एवं राजस्थान वित्त निगम, भिवाड़ी के तत्वावधान में नीमराना में मंगलवार को औद्योगिक प्रोत्साहन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में भारी संख्या में आगंतुकों और उद्यमियों ने भाग लिया। इस अवसर पर जिला उद्योग अधिकारी दिलखुश मीणा ने स्वागत उद्बोधन द्वारा उद्योग विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। जिनमें राजस्थान सरकार की नवीन योजनाओं यथा राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2024 में नवीन व स्थापित उद्यमों हेतु ईएफसीआई में मिलने वाले छूट व लाभ, वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) पॉलिसी 2024 में ऑटो कंपोनेंट/प्रोडक्ट हेतु रजिस्ट्रेशन व मिलने वाले मार्जिन 15 से 25 लाख तक मार्जिन मनी, अनुदान, न्यू टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन हेतु लाभ मार्केटिंग, प्रमोशनल असिस्टेंस इत्यादि की जानकारी दी। उन्होंने एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी 2024 के तहत एक्सपोर्टर्स को मिलने वाले विभिन्न अनुदान और राजस्थान डैडम्‌ पॉलिसी 2024 के लाभ के बारे में बताया।

जाति बदल कर जमीन की खरीद मामले में एसडीएम ने की जांच शुरू

- वारिस ने दिया अलवर एसडीएम शिकायती पत्र,एसडीएम ने की जांच शुरू

अलवर। अलवर तहसील की माचडी पंचायत के अलापुर गांव में जाति बदल कर फर्जीवाडा कर जमीन को नाम कराने का मामला अब अलवर एसडीएम आईएएस यथार्थ शेखर के पास पहुंच गया है जमीन मालिक के वारिस पोते ने एक शिकायती पत्र दिया है जिसकी अलवर एसडीएम ने जांच भी शुरू कर दी है। अब जल्दी ही इस प्रकरण से पर्दा उठने वाला है जमीन की फर्जी कार्य में शामिल सभी आरोपियों पर जल्दी ही कानून का शिकंजा कसने वाला है। यह प्रकरण लगातार मीडिया में उठता रहा है जिस पर संज्ञान भी लिया गया है लेकिन लिखित शिकायत नही मिलने के कारण मामले की जांच नहीं हो पाई थी।

अलापुर निवासी गुर्जर मल के पोत्र दिनेश कुमार पुत्र किशोरी लाल ने इस संदर्भ में एक शिकायती पत्र अलवर एसडीएम को उनके कार्यालय पहुंच कर सौपा है जिसमें उसने बताया है हाल खसरा नम्बर 22 एवं 24 को जीत सिंह पुत्र बंजार सिंह जाति राय सिख ने प्रथम बार जमीन मालिक गुजरमल पुत्र मवासी जाति जाटव खातेदार से मजबी सिख बनकर एससी की जमीन की खरीद की थी जिसका नामांतरण संख्या 536 एव 537 निर्णय 31 मई 1990 को स्वीकृत कर जमाबंदी 2045-48 मे नामांतरण का नोट अंकन कर दिया गया नामांतरण में भी जीत सिंह पुत्र बंजार सिंह की जाति मजहबी सिख दर्ज की गई जिसने राजस्थान टीनेक्स एक्ट 1955 की धारा 42 का उल्लंघन किया गया है।

जिसके बाद से लगातार 2069-2072 खाता संख्या 106 में जीत सिंह पुत्र बंजार सिंह निवासी पीपली का बास तहसील किशनगढ़ बास अलवर की जाति रिकार्ड में मजबी सिख दर्ज की गई। उस समय तत्कालीन पटवारी नंद किशोर परेवा हाल आफिस कानूनगो मालाखेडा द्वारा जमाबंदी 2069-72 के खाता संख्या 106 को आधार मानते हुए शुद्धि पत्र संख्या 2 दिनांक 14 जून 2018 को अलापुर से रणजीत पुत्र नत्था सिंह जाति राय सिख से मजबी सिख कर दी गई परन्तु जानबूझ कर उसी खाते में दर्ज जीत सिंह पुत्र बंजार सिंह की जाति रायसिख से मजबी सिख करना छोड दी गई।

शिकायतकर्ता ने एसडीएम अलवर से मांग की है कि इस भूमि की खरीद फरोक्त में फर्जीवाडा किया गया है एवं फर्जीवाड़े में शामिल तत्कालीन पटवारी सहित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। जब इस मामले में कानून के जानकारों से बात की तो उन्होंने कहा कि एससी की जमीन कानूनन एससी ही खरीद सकता है जबकि बंजार सिंह राय सिख होने के कारण ओबीसी में आता है और उसने जमीन खरीदने में जो जाति बदलने का फर्जीवाडा किया है।

एसडीएम अलवर यथार्थ शेखर का कहना है कि मुझे शिकायत मिली है मैं इस मामले को देख रहा हूं जैसे ही जांच कार्य पूरा होगा आपको पूरी जानकारी दी जाएगी।

श्री मारुति महायज्ञ 28 मई से

दौसा। श्री राम मंदिर गुप्तेश्वर रोड पर 28 मई से 5 जून तक आयोजित होने वाले श्री मारुति महायज्ञ, मूर्ति स्थापना एवं श्री राम कथा की सफलता के लिए प्रथम पूज्य गणपति महाराज को 14 मई को सुबह 8:15 बजे श्री राम मंदिर पर न्योता जाएगा। श्री राम मंदिर दौसा के महंत महामंडलेश्वर अमरदास महाराज ने बताया कि 28 मई 2025 से 5 जून 2025 तक श्री मारुति महायज्ञ, मूर्ति प्रतिष्ठा एवं श्री राम कथा का आयोजन राम मंदिर दौसा पर किया जा रहा है।

इसमें वृंदावन से साध्वी पीतांबरी दीदी द्वारा राम कथा का वाचन किया जाएगा। इसके साथ ही 11 कुंडीय श्री मारुति महायज्ञ का आयोजन भी होगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अजमान ललिता देवी एवं गिरिराज शर्मा खेड़ला खुर्द दौसा हाल निवासी लुधियाना पंजाब होंगे।उन्होंने श्री राम मंदिर दौसा एवं दौसा नगरी के समस्त भक्त जनों से प्रथम पूज्य गणेशजी को न्योता देने के कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने का आग्रह किया है।

शराब की अवैध दुकान के खिलाफ ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

पावटा। विराटनगर उपखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत चतरपुरा के धोली कोठी बस स्टैंड के नजदीक पिछले दिनों खोले गए शराब गोदाम पर अवैध रूप से शराब बेचने को लेकर सोमवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। सोमवार अल सुबह ही आसपास की ढाणियों के ग्रामीणों ने शराब की दुकान के सामने एकत्रित होकर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की एवं करीब दो घंटे तक जब प्रशासन का कोई नुमाइंदा मौके पर नहीं पहुंचा तो ग्रामीण टेंट लगाकर शराब दुकान के सामने धरने पर बैठ गए।

विरोध जता रहे ग्रामीण प्रहलाद बरवा, सेढूराम, धन्ना लाल, रामदेव, मनीष, राहुल, श्रवण, रोहिताश, प्रकाश, सीताराम ने बताया कि आबकारी विभाग ने बीलवाड़ी बस स्टैंड पर शराब बेचने के लिए दुकान अधिकृत कर रखी है। लेकिन बीलवाड़ी बस स्टैंड पर संचालित शराब की दुकान के ठेकेदार ने धोली कोठी स्टैंड से महज 100 मीटर की दूरी पर शराब गोदाम के नाम से दुकान स्वीकृत करवा कर धड़ल्ले से शराब की बिक्री की जा रही है। ग्रामीण मालीराम, बीरबल, धूडाराम,धन्नाराम ने बताया की जहां पर अवैध शराब बेची जा रही है उससे महज 100 मीटर की दूरी पर सरकारी विद्यालय स्थित है। इस सरकारी विद्यालय में बालिकाएं भी अध्ययन करती है। शराब की दुकान से लोग शराब खरीदकर आसपास पीने के लिए बैठ जाते है। एवं विद्यालय में आने जाने वाली बालिकाओं को घूरते है। जिससे विद्यालय में आने जाने वाली बालिकाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही यहां आसपास की ढाणियों के लोगों खड़े रहकर वाहनो का इंतजार करते है। यहां अल सुबह ही शराब की बिक्री शुरू हों जाती है बेरोकटोक देर रात तक जारी रहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सम्बन्ध में पूर्व में उपखंड अधिकारी, सीओ विराटनगर, आबकारी विभाग के अधिकारियों को अवगत करवाया गया लेकिन इस ओर किसी ने ध्यान नहीं दिया जिससे मजबूरन ग्रामीणों को धरने पर बैठना पड़ा।

धरने की सूचना पर पटवारी सीताराम ज्योतिषी मौके पर पहुंचे एवं धरनार्थियों से वार्ता कर शराब ठेकेदार को सात दिन में दुकान हटाने के निर्देश दिए। जिस पर ग्रामीण शांत हुए। शराब ठेकदारों व आबकारी विभाग तथा पुलिस की मिलीभगत से क्षेत्र में केवल धोली कोठी ही नहीं इसके अतिरिक्त मैड, जवानपुरा , पालड़ी, घेवता , तेवड़ी, सोठाना सहित दर्जनों स्थानों पर गोदाम के नाम पर शराब की अवैध दुकान संचालित हो रही है।

समस्या के समाधान को लेकर महिलाओं ने किया प्रदर्शन

भरतपुर (निस)। समाधान के लिए हाथो में झंडे बैनर लेकर जिन्दावाद एव मुर्दाबाद ,अन्य प्रकार की बेअसर हो रही नारेबाजी के बीच भरतपुर जिले के उच्चौन कस्बे की आबादी में जलभराव एव अन्य समस्या के समाधान को लेकर महिलाओं ने अनूठा प्रदर्शन करते हुए राजनेता और प्रशासन को चेताया,साथ ही मुख्यमंत्री तक कस्बे की समस्याओ को पहुंचाने की गुहार की। महिलाओं के इस अनोखे प्रदर्शन को देख कस्बे के प्रशासन में खलबली मच गई,जो स्वयं के बचाव केलिए कई प्रकार के उपाय किया। कुछ अधिकारी इधर-उधर हो गए।कई अधिकारी दूरी से महिलाओं के प्रदर्शन का नजारा देखते नजर आए। प्राप्त जानकारी अनुसार उच्चौन कस्बे में वाटर बॉक्स कॉलोनी में लम्बे समय से जलभराव की समस्या को लेकर कई बार सांसद और विधायक से मिले। साथ ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों सहित कस्बे में लगे प्रशासन को भी अवगत कराया गया। कस्बे के लोगों ने कई बार जनसुनवाई में भी यह मुद्दा भी उठाया लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका। इस से खफा होकर महिलाएं प्रदर्शन के लिए मजबूर हो गए। जिन्होंने

समस्या के समाधान के लिए उक्त कार्यालय के बाहर ढोलक,मंजीरा बजाकर श्रीनाथ जी सहित अन्य देवी देवता व लोक देवताओं का भजन कीर्तन करना शुरू कर दिया।पीड़ितो द्वारा समस्या को लेकर बताया गया कि कस्बे में की वाटर बॉक्स कॉलोनी में नालियों के ओवरफ्लो होने के कारण सड़कों पर गंदा पानी भरा हुआ है जिससे दुपहिया वाहन फिसल कर गिर जाते हैं और लोग चुटैल हो जाते है। स्कूल जाने बाले बच्चो को गंदे पानी से होकर निकलना पड़ता है, जिससे उनकी ड्रेस खराब हो जाती है। गंदे पानी की वजह से कॉलोनी में मच्छरों का आतंक है, घरों में गंदा पानी घुस रहा है एवं बदबू के कारण लोग परेशान हैं।

चिकित्सा संस्थानों में अनीमिया मुक्त राजस्थान 'शक्ति दिवस' मनाया

कोटपूतली। खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पूरण चन्द गुर्जर के नेतृत्व में मंगलवार को अनीमिया मुक्त राजस्थान "शक्ति दिवस" मनाया गया। शक्ति दिवस का आयोजन प्रत्येक आंगनबाडी केन्द्रों, राजकीय विद्यालयों, उप स्वा0 केन्द्रो, हैल्थ एवं वेलनेस सेन्टर, सीएचसी, पीएचसी व राजकीय चिकित्सा संस्थानों पर किया जाता है।

बीसीएमओ ने मंगलवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिर-आरोग्य परम धनम प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भालोजी, शहरी पीएचसी नागाजी की गौर समेत विभिन्न उप स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण कर स्वास्थ्य केन्द्रों पर उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने हीटवेव व लू तापघात एवं मौसमी बीमीरियों को देखते हुये स्वास्थ्य केन्द्रों पर आगामी तीन माह का दवाईयों का स्टॉक रखने एवं रिकॉर्ड संधारण करने व

चिकित्सा अधिकारी डॉ. पूरण चन्द गुर्जर के नेतृत्व में अनीमिया मुक्त राजस्थान शक्ति दिवस मनाया।

नियर एक्सपायरी दवाईयों का समय पर नियमानुसार निस्तारण करने के निर्देश दिये। साथ ही अनीमिया मुक्त राजस्थान "शक्ति दिवस" अभियान का निरीक्षण करते हुये कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य अनीमिया की पहचान प्रारम्भिक

- 'मरीजों की सेवा को प्रथम कर्तव्य मानते हुये कार्य करें'

अवस्था में कर अनीमिया की दर को कम करना है। शक्ति दिवस पर अनीमिया की स्क्रीनिंग, हीमोग्लोबिन की जांच व अनीमिया का उपचार, आयरन की टेबलेट्स का वितरण एवं अनीमिया संबंधी जागरूकता तथा व्यवहार परिवर्तन हेतु गतिविधिया आयोजित की गई।

मंगलवार को ब्लॉक कोटपूतली में शक्ति दिवस का आयोजन कर 6 माह से 5 वर्ष के बच्चे 5994, 5 वर्ष से 09 वर्ष के बच्चे 1311, 10 से 19 वर्ष की किशोर एवं किशोरियों 1390, गर्भवती महिलाऐं 764 एवं धात्री माताये 572 इस प्रकार कुल 10031 लाभार्थीयों को लाभान्वित किया गया।

ANIL SHARMA
Advocate Rajasthan High Court
32 U.I.T. Quarteers, Shastri Nagar, AJMER, Mobile-9414010765
आम सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक आवासीय जायदाद फ्लेट संख्या 105, वाके पाल्म ग्रोव एच-3, चितरंजन मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302001 जिसका क्षेत्रफल 1800 वर्गफीट है, को मेरे मुवक्किलान(1) श्री पुरूषोतम खूबचंदानी पुत्र श्री ताराचंद खूबचंदानी एवं (2) श्रीमती अंजली रायसिंघानी पुत्री लच्छू रायसिंघानी ने श्री जयदीप दयाल माथुर पुत्र स्व. श्री पीताम्बर दयाल माथुर बहैसियम मुख्तयारआम श्रीमती जयश्री माथुर पत्नी श्री गोपाल माथुर से खरीद करने का इकरार किया गया है।इस फ्लेट संख्या 105 के मालिकाना हक/हित बाबत यदि किसी को भी यदि किसी प्रकार का उज्र/एतराज हो तो निम्न पते पर इस आम सूचना के प्रकाशन के 7 दिवस में लिखित में सूचित करें अन्यथा उक्त अवधि के बाद किसी भी प्रकार की आपति शून्य करार होगी।

आम सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे पिता संपत राम पुत्र श्री नत्थीलाल जाति जांगिड़ निवासी सालोदा की मृत्यु दिनांक 16.06.2023 को हो चुकी है। उनका रजिस्टर्ड पट्टेशुदा मकान/भूखण्ड सालोदा गंगापुर सिटी में है। उनकी मृत्यु के पश्चात् उनके विधिक वारिसान में दो पुत्रियां कमलेश, कुसुम व एक पुत्र मुकेश जांगिड़ व पत्नी प्रेम देवी जीवित है। इसके अलावा मृतक के कोई वारिसांन नहीं है। अब हम मृतक के वारिसान उक्त वर्णित सम्पत्ति का हकत्याग/दानपत्र/विक्रय पत्र करना चाहते हैं, जिसमें किसी भी दीगर व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में पंजीयन कार्यालय में आपत्ति दर्ज करावें। सूचित रहें।
- मुकेश जांगिड़ पुत्र संपतराम जाति जांगिड़ निवासी सालोदा, गंगापुर सिटी

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अदालत अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या - 2, भरतपुर के द्वारा पारित डिक्री के अनुसार साई बाबा मन्दिर के सामने, चौड़ा रास्ता, जयपुर में स्थित जायदाद मकान नं. 2562 जो स्व० श्री सुरेश चन्द मित्तल पुत्र स्व० श्री तुलसीराम मित्तल निवासी भरतपुर के स्वामित्व व आधिपत्य की रही है, जिसमें मकानात, दुकानात बने हुये हैं जिसके विभाजन के दावे में अदालत के निर्णय दिनांक 10.09.2024 की अनुपालना में मनीष कुमार पुत्र स्व० श्री सुरेश चन्द मित्तल निवासी पत्रकार कॉलौनी, जयपुर का आधा हिस्सा एवं दीपक उर्फ सार्थक पुत्र मनीष कुमार निवासी गिर्राज नगर कॉलैनी, किला, भरतपुर (राज०) व आधा हिस्सा के स्वामी व वैधानिक आधिपत्यधारी घोषित किये हैं एवं एक दूसरे की सहमति के बिना उक्त जायदाद को कहीं भी रहन वय मुन्तकिल नहीं करेंगें एवं इसके प्रतिकूल कोई कार्यवाही किये जाने पर उक्त कार्यवाही अवैध व अनाधिकृत होगी एवं किरायेदार व अन्य व्यक्ति स्वयं उत्तरदायी रहेंगें।
भवदीय
दीपक उर्फ सार्थक पुत्र मनीष कुमार निवासी गिर्राज नगर कॉलौनी किला, भरतपुर (राज०)

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/276
चूंकि प्रार्थी श्री राहुल कुमार उपाध्याय वार्ड न. 6. गाँधी चौक, भीतरबाड़ी, बयाना, भरतपुर 321401 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री परशुराम ब्राह्मण फाउण्डेशन, श्री हित राधावल्लभ नगर, पालड़ी मीना, गोनेर रोड, जयपुर, राजस्थान के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 12-05-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 16/07/2025
मोहर अदालत सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम-2, जयपुर (प्रथम) नानगराम व अन्य विरुद्ध रामेश्वर व अन्य
वाद/प्रार्थना पत्र अंतिम
प्रार्थना-पत्र संख्या...... सन्
1. श्रीमती मीनाक्षी देवी पत्नी अशोक कुमार पुत्र गोविन्द नारायण, निवासी ए-921, मालवीय नगर, जयपुर 2. श्रीमती बृजरानी पत्नी ईश्वर दयाल पुत्री गोविन्द नारायण, पता आकृति अपार्टमेंट, फ्लैट नं. 403, 552/7, उदयमार्ग, तिलकनगर जयपुर
उक्त .... ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि .... अत: आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 22 माह 05 सन 2025 को 8.00 एएम पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक् रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा। यह आज दिनांक 08 माह 05 सन 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
वरिष्ठ रीडर
अपर जिला एवं रोशन न्यायाधीश क्रम-9, जयपुर महानगर द्वितीय
मोहर अदालत

विवाधकों के स्थिरीकरण के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
नाम न्यायालय अति. सिविल न्यायाधीश, स्थान एवं न्यायिक मजि. क्रम-3, श्रीमती निशा विरुद्ध अजय देवानी व अन्य जयपुर महानगर द्वितीय
वाद बाबत उदघोषणा एवं स्थाई निषेधाज्ञा
वाद संख्या 1158/25
नाम सौरभ कुमावत पुत्र श्री आत्माराम जाति कुमावत स्थान 369, रामनगर, शास्त्रीनगर, जयपुर
वादीगण ने आपके विरुद्ध के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 26 माह 05 सन 25 को दिन में 7.30 एएम बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से संबंधित सभी कारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह आज दिनांक 06 माह 05 सन 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर कर दिया गया।
मोहर अदालत अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, क्रम-3 जयपुर महानगर द्वितीय

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय श्रीमान उपखण्ड अधिकारी महोदय पावटा जिला कोटपूतली-बहरोड़ राजस्थान
लोकमान्य तिलक जन कल्याण शिक्षण संस्थान बनाम ओमसिंह वगैरह
दावा बाबत् तकास्मा एवं स्थाई निषेधाज्ञा +T.I. मु.नं.16/24 T.I.No. 135/24
बनाम कोमिता कँवर पुत्री श्री ओनाड़ सिंह जाति राजपूत निवासी पाथरेड़ी तहसील पावटा जिला कोटपूतली-बहरोड़ राजस्थान वादी नें आपके विरुद्ध वाद पंजीयन किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 21-05-25 को दिन में 10 बजे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी वारदान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आपस उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करे, जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखि/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आथारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या सुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप मे निर्भर करते है तो आप ऐसे दस्तावेजों को उल्लिखित समय के वाद उपवद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ठ करें।
आपको सूचित किया जाता है यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।
यह वाद तारीख08-5-25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत उपखण्ड अधिकारी पावटा (कोटपूतली-बहरोड)

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय ADJ-9 जयपुर-द्वितीय स्थान मैट्रो जयपुर, विष्णु कुमार विरुद्ध श्यामलाल पारीक
वाद/प्रार्थना पत्र CME
प्रार्थना-पत्र संख्या 193/20 सन
नाम जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, सहायक अभियंता
पता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, जयपुर
उक्त ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि .... अत: आपको चेतावनी दी जाती है कि आफ उस आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 14 माह 05 सन् 25 को 7.30 पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक् रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐशा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा। उक्त दिनांक 09 माह 05 सन 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
वरिष्ठ रीडर
अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम-9, जयपुर महानगर द्वितीय
मोहर अदालत

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
नाम न्यायालय ADJ-9 जयपुर-द्वितीय स्थन मैट्रो जयपुर विष्णु कुमार विरुद्ध श्यामलाल पारीक
वाद बाबत.........
वाद सं. सन........
नाम जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग- सहायक अभियंता, स्थान जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग- जयपुर .... ने आपके विरुद्ध.......... के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 14 माह 05 सन 25 को दिन में 7.30 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। उक्त दिनांक 09 माह 05 सन 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया।
वरिष्ठ रीडर
मोहर अदालत अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम-9, जयपुर महानगर द्वितीय

संक्षिप्त

सीबीएसई के रिजल्ट में छात्रों का श्रेष्ठ प्रदर्शन

कोटपूतली। कस्बे के दिल्ली जयपुरा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित पनियाला मोड़ पर दिल्ली पब्लिक वर्ल्ड स्कूल (सीबीएसई) के 10 वीं एवं 12 वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में विद्यार्थियों ने शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम के साथ उत्कृष्ट अंक अर्जित करके विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। स्कूल के कक्षा 10 वीं के छात्र निलय बंसल पुत्र राज बंसल ने 97.20 प्रतिशत, अग्रिम बंसल पुत्र अनुराग बंसल ने 96.00 प्रतिशत, याशिका यादव पुत्री प्रशांत कुमार यादव ने 95.00 प्रतिशत अंक अर्जित करके विद्यालय का नाम रोशन किया है। कक्षा दसवीं में आधे से ज्यादा बच्चों ने 90प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त किए हैं, वही स्कूल के कक्षा 12वीं के छात्र भरत बागडी पुत्र गर्वित सैनी ने 96.00 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान व मुस्कान अग्रवाल पुत्री राजेश कुमार गुप्ता ने 93.00 प्रतिशत अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान हासिल किया है।

सीबीएसई दसवीं बोर्ड में 95 फ़ीसदी अंक किए हासिल

शाहपुरा । केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई की ओर से जारी दसवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में लक्ष्मी इंटरनेशनल स्कूल के अरिहंत यादव ने 95 फ़ीसदी अंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। यादव ने 500 में से 475 अंक प्राप्त किए हैं। अरिहंत के पिता सीताराम यादव निवासी (दोल्या वाली ढाणी बिदारा) बीएसएफ में डिप्टी कमांडेंट पद पर नागौर में कार्यरत है। माता रजनी यादव गृहणी है। अरिहंत ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के साथ दादा-दादी व गुरुजनों को दिया है। अरिहंत ने बताया कि गणित विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त किए है। उनका मानना है कि कोई भी विद्यार्थी अगर जुनून उनके साथ लक्ष्य निर्धारित कर तैयारी करें तो उसे सफलता अवश्य मिलती है। पढ़ाई के अलावा उन्हें कबड्डी व क्रिकेट खेलने में रुचि है। आगे चलकर वे इंजीनियर बनकर देश की सेवा करना चाहते है।

टेस्ट 15 मई से 17 मई तक

दौसा। संत सुंदर दास राजकीय महिला महाविद्यालय में बी.ए बीएस.सी., बी.कॉम द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के मध्यावधि टेस्ट 15 मई से 17 मई तक संपन्न होगें। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर हनुमान सहाय मंडावरिया ने बताया कि बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की राजनीति विज्ञान, इतिहास एवं हिंदी साहित्य का टेस्ट दिनांक 15 मई को होगा। उन्होंने बताया कि 16 मई को बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर का राजनीति विज्ञान, इतिहास एवं हिंदी का टेस्ट होगा ।इसी प्रकार बीएस.सी. एवं बी.कॉम. के मध्यावधि टेस्ट भी इन्हीं तिथियों में होंगे।उन्होंने बताया कि विज्ञान संकाय एवं वाणिज्य संख्या की छात्राएं अपने-अपने संकाय के प्रभारी से संपर्क करें। सभी छात्राएं प्रातः 10:00 बजे से 2:00 बजे तक संपन्न होने वाले मध्यावधि टेस्ट के लिए समय पर अपने-अपनी निर्धारित कक्षा में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे।

पीएम श्री बालिका विद्यालय की जांची व्यवस्थाऐं

मालपुरा । अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक कार्यालय से कार्यक्रम अधिकारी शेलेन्द्र शर्मा, अनीश अख्तर व सहायक प्रशासनिक अधिकारी चन्द्रवीर सिंह ने मंगलवार को सीबीईईओ मालपुरा प्रतिनिधि भवानीराम जाट के साथ पीएम श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय मालपुरा का औचक निरीक्षण किया। टीम ने निरीक्षण के दौरान विद्यालय मे शिक्षण व कक्षा-कक्ष बैठक सहित सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण कर संस्था प्रधान को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

भरतपुर। जिला कांग्रेस कमेटी भरतपुर के वरिष्ठ पदाधिकारीयों ने जिले की नगर पालिकाओं एवं ग्राम पंचायतों के गलत परिसीमन तथा सीमांकन के विरोध में अतिरिक्त जिला कलेक्टर घनश्याम शर्मा के मार्फत जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।जिला प्रशासन द्वारा अभी हाल ही में पूरे जिले की ग्राम पंचायत एवं नगर निकायों का परिसीमन एवं सीमांकन कार्य किया गया है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा के निर्देशानुसार आज उक्त मांगों से संबंधित, जिले के पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन को ज्ञापन दिया।

सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध रूप से पहुंचे : राज्यपाल

- अलवर में अधिकारियों की ली बैठक, विभागवार समीक्षा कर दिए निर्देश

अलवर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं तथा विकास कार्यो को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करें और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाएं। यह बात राज्यपाल बागड़े ने मंगलवार को मिनी सचिवालय स्थित कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक में कही।

उन्होंने केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर कहा कि अधिकारी संवेदनशील रहकर केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन करावे ताकि सभी पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ सुगमता से मिले। विभागवार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि नई शिक्षा नीति के प्रावधानों की जानकारी हेतु शिक्षकों को प्रशिक्षित करें।

राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय अलवर का पंचम दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षक नई शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों के किताबी ज्ञान के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करें।

उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास एवं प्राचीन ग्रंथ ज्ञान के भंडार हैं। इससे आज का युवा बहुत कुछ सीख सकता है। उन्होंने जल जीवन मिशन की जिले में प्रगति की समीक्षा कर निर्देश दिये कि योजना में नॉन फिजिबल पाए गए गांवों एवं योजना के दायरे से बाहर की ढांणियों में पेयजल व्यवस्था के लिए कार्य योजना बनाएं। उन्होंने कहा कि गांव का पानी गांव में रहे इस उद्देश्य के साथ मनरेगा के तहत जल संरक्षण, चारागाह विकास, पौधारोपण आदि के कार्य अधिकाधिक स्वीकृत कराने व नरेगा कार्यों में वृद्धि करने के संबंध में दिशा-निर्देश दिये।बैठक के दौरान जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने पीपीटी के माध्यम से विभागवार प्रगति की जानकारी प्रदान की। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक संजीव नैन, एडीएम प्रथम मुकेश कायथवाल, एडीएम द्वितीय योगेश डागुर, जिला परिषद के सीईओ सालुखे गौरव रवीन्द्र, यूआईटी सचिव धीगदे स्नेहल नाना, नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका, जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता भवानी सिंह शेखावत, विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता सुधीर पाण्डे, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता रमेश चंद सैनी, पीडब्ल्यूडी विभाग के अधीक्षण अभियंता भूरी सिह, सीएमएचओ डॉ. योगेन्द्र शर्मा, पीएमओ डॉ. सुनील चौहान, डीएसओ विनोद जुनेजा सहित संबंधित विभागीय अधिकारी एवं कार्मिक मौजूद रहे।

फायरिंग-महिला के पैर में गोली लगी, जिला अस्पताल में भर्ती

अलवर । अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम जावली में आपसी कहासुनी को लेकर युवक ने फायरिंग कर दी। जिससे महिला के पैर में गोली लगी। वहीं उसका बेटा भी घायल हुआ है। लक्ष्मणगढ़ थाने के हेड कॉन्स्टेबल भम्बल ने बताया- सोमवार दोपहर को आपसी कहासुनी के चलते दो पक्षों में फायरिंग होने की सूचना मिली थी। घायल हेमा शर्मा और हिमांशु शर्मा ने बताया कि उनके गांव के राजू मीणा ने फायरिंग की है। मामला ये था कि वह ट्रैक्टर की टॉपलिंग लेकर गया था। जब वापस देने आया तो उसने घर पर किसी परिचित को थप्पड़ मार दिया। इस बात पर बहस हो गई। उसके बाद वह दुबारा आया। अवैध हथियार से फायरिंग करने लगा। जिससे मां के पैर में गोली लगी। वहीं हिमांशु भी घायल हुआ है। गोली लगने की पुष्टि पुलिस ने भी की है। पुलिस रिपोर्ट के आधार पर जांच में लगी है। जल्दी आरोपी को गिरफ्तार किया।

जिला रसद अधिकारी ने खाद्य सुरक्षा योजना कों लेकर ली समीक्षा बैठक

चाकसू। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के जयपुर ग्रामीण जिला रसद अधिकारी त्रिलोक चंद मीना ने मंगलवार को चाकसू शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की उचित मूल्य की दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का उद्देश्य सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत संचालित दुकानों की कार्यप्रणाली और वहां उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लेना था। जिला रसद अधिकारी (डीएसओ) जयपुर ग्रामीण त्रिलोक चंद मीणा व प्रवर्तन अधिकारी चाकसू गौरा मीणा ने बताया कि निरीक्षण के पश्चात चाकसू ब्लॉक के उचित मूल्य दुकानदारों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की।

बैठक में एसडीएम शिवचरण शर्मा, जिला रसद अधिकारी (डीएसओ) त्रिलोक चंद मीणा व प्रवर्तन अधिकारी गौरा मीणा , निशांत पंचोली सहित टीम नें दुकानदारों से

रसद अधिकारी ने चाकसू ब्लॉक के उचित मूल्य दुकानदारों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की।

विभाग द्वारा चलाई जा रही योजना के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए बैठक का मुख्य एजेंडा गिव अप अभियान रहा। जिला रसद अधिकारी (डीएसओ) त्रिलोक चंद मीणा व प्रवर्तन अधिकारी ने उचित मूल्य दुकानदारों से इस अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आव्हान किया।

नई पंचायत समिति में शामिल होने को लेकर सौंपा ज्ञापन

पावटा। नवीन पुनर्गठन में मैड कुंडला पंचायत समिति प्रस्तावित हुई है। वही क्षेत्र में धरना, प्रदर्शन, और ज्ञापन द्वारा ग्रामीण अपनी भावनाओं को व्यक्त कर रहे हैं। इस दौरान मैड कुंडला को पंचायत समिति बनाओ संघर्ष समिति के संरक्षक पू.सन्त शंकरनाथ महाराज देवनगरी नवरंगपुरा व सेवानिवृत एसडीएम हरफूल फागना के साथ विभिन्न जनप्रतिनिधियों के साथ सैकड़ों ग्रामीणों ने उपखंड कार्यालय विराटनगर में नवीन पंचायत समिति मैड कुंडला का प्रस्ताव जिला कलेक्टर और सरकार को भेजने की मांग उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर की।

मैड कुंडला को पंचायत समिति बनाओ संघर्ष समिति के प्रवक्ता शिवपाल सूद सेवरा ने बताया कि नवीन प्रस्ताव में विराटनगर पंचायत समिति के मैड कुंडला क्षेत्र की 20 ग्राम पंचायतों का प्रस्ताव दिया गया है। जिनमें मैड़, जोधुला, पूरावाला, तालवा, पालड़ी, आमलोदा, बड़ोदिया, भामोद, नवरंगपुरा , बीलवाड़ी, चतरपुरा, बागावास 84, तेवड़ी ,सेवराखेड़ा , श्यामपुरा,श्यामनगर (स्वामियों की ढाणी), बरवाड़ा ,बियावास भोजेरा और हरिकिशनपुरा (प्रस्तावित) कुंडला क्षेत्र

उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

में 20 पंचायतें आती है। समीपवर्ती ग्राम पंचायत गुर्जरपुरा, खातौलाई,जवानपुरा सहित क्षेत्र को उपखंड अधिकारी विराटनगर द्वारा जिला कलेक्टर कोटपुतली बहरोड़ व सरकार को प्रस्ताव भेजकर पंचायत समिति की अहर्ताएं पूरी की जा सकती हैं ।

यह क्षेत्र पिछले काफी वर्षों से राजनैतिक उपेक्षाओं का शिकार होने के कारण विकास की गति पकड़ नहीं पाया है। नवीन पंचायत समिति सृजन होने के साथ इस क्षेत्र में विकास और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। पुनर्गठन में क्षेत्र अपनी ऐतिहासिक वैशिष्ट्य पहचान मैड़ कुंडला को प्राप्त कर सकेगा। क्षेत्र की लम्बे समय से चल रही अपनी पंचायत समिति की मांग पूरी हो सकेगी।

इस दौरान ज्ञापन सौंपने में पूज्य सन्त शंकरनाथ महाराज, हरफूल फ़ागना, कन्हैयालाल सराधना (प्रधान प्रतिनिधि) महावीर यादव, अविल शर्मा, नेपाल तंवर, जगदीश तंवर, रोहिताश भडाना, रामवतार गुर्जर, मेवाराम सूद, श्रीराम दौराता एडवोकेट, घनश्याम गुर्जर एडवोकेट, मंगल तंवर, अर्जून यादव, अनवर खान, रामप्रताप योगी, सुरजाराम रैगर, कैलाश भडाना, घनश्याम शर्मा अनिल, नवीन रावत, शिंभू यादव, हनुमान धोबी, सुमन गुर्जर, सीताराम, हरि ओम गुर्जर,, रामेश्वर मीना, सीताराम यादव, सुरेश खरवाल, प्रहलाद, सहित क्षेत्र की महिलाओं सहित सैकड़ों ग्रामीणों उपस्थित रहे।

विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

शाहपुरा । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर अध्यक्ष अजित कुमार हींगर एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशानुसार पैरा लीगल वॉलिन्टियर दिनेश कुमार शर्मा ने कोचिंग सेंटर में नालसा गाइडलाइंस एक्शन प्लान मानसिक रूप से बीमार, एवं मानसिक रूप से दिव्यांग पीड़ित व्यक्तियों के लिए नालसा योजना 2015 के बारे में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया। इस शिविर की अध्यक्षता अरविंद कटारिया ने की। इस अवसर पर पैरा लीगल वॉलिन्टियर दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 धारा 4 के अंतर्गत मानसिक दिव्यांग पीड़ित को प्राथमिकता के आधार पर सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा।

इस क्रम में आदेशित किया गया है कि मानसिक रूप से अशक्त पीड़ित एवं दिव्यांग व्यक्ति कलंकित नही है। प्राकृतिक रूगन्ता का चिकित्सा संबंधी सेवाएं से ठीक भी हो सकता है। उसे भी सामान्य व्यक्ति की तरह ही देखा जाना चाहिए। उसे भी संविधान प्रदत्त अनुच्छेद 21के तहत देखरेख का अधिकार मिलना चाहिए। सरकारी योजनाओं में उसे चिकित्सा संबंधी सेवाएं एवं, पैंशन योजना, यातायात के लिए स्मार्ट कार्ड एवं भोजन,आवास की सभी मूलभूत सुविधाएं मिलनी चाहिए। पूर्णरूपेण मानसिक रूप से पीड़ित रोगी की देखभाल के लिए परिवार के एक व्यक्ति माता-पिता दोनों में से एक का मानसिक पीड़ित के स्मार्ट कार्ड के साथ फ्री यात्रा का अधिकार दिया गया है। दंडाधिकारी के पास आवेदन प्रस्तुत किया जाने के उपरांत केयरटेकर के द्वारा मानसिक अशक्त दिव्यांग व्यक्ति की मूलभूत सभी सुविधाएं स्वच्छ वातावरण, एवं पूर्ण रूपेण भरण-पोषण, चिकित्सा, एवं उसे सामान्य व्यक्ति की तरह उपेक्षित व्यवहार नहीं करें, दंडाधिकारी के द्वारा सुनिश्चित संतुष्टि होने के उपरांत ही "मानसिक अशक्त पीड़ित की सम्पत्ति का हक उसके केयरटेकर को मिलेगा।" इस शिविर में 45 लाभार्थियों ने भाग लिया। इसी क्रम में स्टडी पाइंट लाईब्रेरी में व्यवस्थापक हेमलता वर्मा की अध्यक्षता महिला यौन उत्पीडन, वाणिज्यिक शोषण रक्षार्थ शिविर आयोजित किया गया। पैरा लीगल वॉलिन्टियर दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि मानसिक उत्पीड़न के स्थिति में हमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की हेल्पलाइन नंबर 15100, पर आपने रजिस्टर्ड मोबाइल फोन से मिस कॉल करे।

रक्तदान शिविर का आयोजन, 362 यूनिट रक्त संग्रहण

दौसा। मातृ दिवस के पवित्र अवसर पर दौसा के कृष्ण हॉस्पिटल में एक भव्य और सार्थक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 362 यूनिट रक्त संग्रहण हुआ जिसका संचालन कृष्ण दत्त शर्मा, निदेशक, कृष्ण अस्पताल द्वारा किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य रक्त की कमी को दूर करना और समाज में रक्तदान के महत्त्व को जागरूक करना था। शिविर की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई जिसमें विधायक दौसा डी.सी. बैरवा एवं पुलिस अधीक्षक सागर राणा प्रमुख थे। इस अवसर पर कार्यक्रम में पधारे विशिष्ठ अतिथियों ने शिविर का अवलोकन कर रक्त दाताओं को सम्मानित किया जिनमें अतिरिक्त जिला कलेक्टर आर.एस. चौहान, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती कल्पना जैमन, पूर्व बीसूका अध्यक्ष विनोद बिहारी जी, राजस्थान ग्रुप ऑफ कॉलेज के चेयरमैन सी. एल. मीणा, डॉक्टर सुनील कट्टा, कट्टा हॉस्पिटल बांदीकुई, डॉक्टर राजेश खंडेलवाल, निदेशक, यूडेन्ट ग्रुप ऑफ़ डेंटल

रक्तदाताओं को सम्मानित करते पूर्व विधायक शंकर शर्मा।

हॉस्पिटल आदि उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर में संतोकबा दुलर्भजी अस्पताल, जयपुर, एस.एम.एस., जयपुर, जिला अस्पताल दौसा और बालाजी ब्लड बैंक, दौसा की टीमों ने सक्रिय रूप से रक्त संग्रहित किया। इस शिविर में कृष्ण अस्पताल दौसा के समस्त चिकित्सकों और स्टाफ जिनमें प्रमुख रूप से डॉ. उमेश दत्त शर्मा, डॉ. ऋतू शर्मा, डॉ.अंकुर शर्मा, डॉ रजनीश शर्मा, डॉ अमित पारीक, डॉ राजेंद्र अग्रवाल ,डॉ अमित सिंह, डॉ विमल सैनी, डॉ पुरुषोत्तम शर्मा, डॉ आमिर, डॉ कमल कुमावत, डॉ रवि दायमा, डॉ मनोज चौधरी शामिल थे। दौसा के प्रबुद्ध युवाओं द्वारा रक्तदान में बढ़ चढ़कर भाग लिया जिनमें के के मीणा, डिप्टी कमिश्नर इनकम टैक्स, दिल्ली, डॉ सुभाष बिलोनिया, एडिशनल डायरेक्टर, चिकित्सा एवं मेडिकल विभाग, विश्व विख्यात मिमिक्री आर्टिस्ट अशोक खेडला आदि थे।उनका योगदान और प्रेरणा रक्तदान के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाने में सहायक सिद्ध हुआ।

शिविर का समापन समारोह पूर्व विधायक दौसा शंकरलाल शर्मा के सानिध्य में हुआ उन्होंने रक्तदाताओं को सर्टिफ़िकेट एवं माला पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा, रक्तदान एक महान कार्य है, जो किसी की जान बचाने के बराबर होता है। आज के इस आयोजन में भाग लेकर हम सभी ने यह सिद्ध कर दिया है कि मानवता का वास्तविक अर्थ तभी समझा जा सकता है जब हम एक-दूसरे की मदद के लिए आगे बढ़े। यह आयोजन एक प्रेरणा है कि समाज के हर व्यक्ति को रक्तदान के माध्यम से दूसरों की मदद करनी चाहिए। कार्यक्रम में अन्य सम्माननीय अतिथियों ने भी रक्तदान के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए और इसे मानवता की सेवा का सर्वोत्तम रूप बताया। समारोह के समापन पर आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन

श्रीमाधोपुर। श्री आदर्श महिला बीएड कॉलेज में चल रहे एसयूपीडब्ल्यू कैंप के द्वितीय दिन विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कैंप प्रभारी एवं कॉलेज प्राचार्य डॉ. बी.एल. सैनी ने बताया कि द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र में ट्रेनर श्री सतीश यादव ने छात्राध्यापिकाओं को सेबी (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड) की स्थापना, उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली की जानकारी दी।साथ ही उन्होंने वित्तीय प्रबंधन, निवेश के सुरक्षित विकल्प, तथा साइबर फ्रॉड से बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी, जिससे छात्राओं को डिजिटल युग में सुरक्षित लेन-देन की समझ विकसित हो सके।द्वितीय सत्र में "स्वावलंबन के पथ पर" विषय पर एक प्रायोगिक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें छात्राओं ने बिना गैस चूल्हे की खाद्य सामग्री जैसे- सैंडविच, लेमन राइस, भेलपूरी, स्प्राउट्स आदि तैयार कर व्यावहारिक कौशल का परिचय दिया।इस गतिविधि में चार समूहों ने भाग लिया।

सार-समाचार

तिरंगा यात्रा निकाली

चाकसू। विधानसभा क्षेत्र की कोटखावदा तहसील में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के निदेश पर भाजपाइयों की ओर से आमजन के साथ कस्बे में तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रामावतार बैरवा ने शामिल होकर सभी ने देश के सैनिकों की खुशहाली की कामना की लिए श्री ओगढ़ बालाजी मन्दिर में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस दौरान कार्यक्रम में कैलाश जी शर्मा पूर्व अध्यक्ष कृषि उपज मंडी, प्रधान प्रहलाद मीणा,श्रवण गुर्जर भाजपा जिला उपाध्यक्ष,भाजपा मण्डल अध्यक्ष बनवारी लाल शर्मा, गिरिराज डूंगरी सहित सैकड़ों की संख्या में आम जन व महिलाए मौजूद रही।

निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित

नारायणपुर । कस्बा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. पूरणमल चौधरी ने फीता काटकर किया। यह शिविर जिला अंधता निवारण समिति जयपुर के सहयोग से शंकरा आई हॉस्पिटल और जीवन बचाओ आंदोलन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक चले इस शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुराधा एवं उनकी टीम द्वारा कुल 60 मरीजों की नेत्र जांच की गई, जिसमें 10 मरीजों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई। इन मरीजों को आगे के उपचार हेतु जयपुर स्थित शंकरा आई हॉस्पिटल भेजा गया, जहां बुधवार को उनका निशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। शिविर संयोजक नित्येंद्र मानव ने जानकारी दी कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के आमजन को नेत्र रोगों की समय पर जांच और समुचित उपचार उपलब्ध कराना है। शिविर में मोतियाबिंद की पहचान सामान्य नेत्र रोगों की जांच और आवश्यकता अनुसार निशुल्क लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा भी प्रदान की गई। स्थानीय लोगों ने इस सेवाभावी आयोजन के लिए आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के शिविर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बेहद लाभकारी हैं और इससे स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है। इस अवसर पर डॉ. मनीष बामनिया, समन्वयक अशोक टेलर समेत अन्य चिकित्सा एवं सहयोगी स्टाफ मौजूद रहा।

तहसीलदार को सौपा ज्ञापन

टोंक। खातेदारी जमीन पर सरकारी बोर्ड लग जाने पर नन्दकिशोर बलाई व परिवाजनो ने टोंक तहसीलदार को ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में बताया कि परिवादी नन्दकिशोर पुत्र महावीर प्रसाद बलाई जिसकी जमीन अजमेर रोड गुर्जर छात्रावास के सामने स्थित है, जिस पर सरकारी बोर्ड लग जाने से नन्दकिशोर व परिजनो ने टोंक तहसीलदार को प्रार्थना पत्र सौपकर उक्त खातेदारी जमीन के दस्तावेज पेश कर उक्त जमीन पर लगे बोर्ड को हटवाने तथा जमीन को सुपुर्द करने हेतु लिखा।

फुलेरा जंक्शन पर चल रही जलसेवा से रेल यात्रियों को मिली राहत

फुलेरा। फुलेरा जंक्शन पर दैनिक रेल यात्री संघ एकीकृत के बेनर तले जन सहयोग से गर्मी के मौसम में रेल यात्रियों के लिए प्रारंभ की गई जल सेवा से ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों को आरओ का शीतल जल निशुल्क मिलने से काफी राहत मिली है। स्टेशन पर ट्रेन के ठहरते ही कार्यकर्ता दौड़कर यात्रियों को ठण्डा पानी पिलाते है। इसके साथ ही बोतल, केन आदि में पानी भर दिया जाता है। इस जल सेवा के चलते यात्रियो को पानी की तलाश में इधर-उधर नहीं भटकना पडता है। साथ ही महंगे भावों में पानी की बोतले नहीं खरीदनी पड़ती है। दैनिक रेलयात्री संघ एकीकृत के अध्यक्ष अशोक वासदेव ने बताया कि जल को लेकर हमारा यही लक्ष्य है कि इस भीषण गर्मी में ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों को आर.ओ युक्त शीतल जल कोच में बैठे ही मिले। वहीं आगे बताया कि इसी मकसद से जल सेवा अक्षय तृतीया से प्रारंभ की गई है। इसके साथ ही बताया कि रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन सुबह 8.30 बजे से सांय 5.30 बजे तक दैनिक रेलयात्री संघ के पदाधिकारी, स्काउट, रेलवे पेंशनर्स, दुर्गावाहिनी टीम सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के द्वारा जल सेवा मे सहयोग करके रेल यात्रियो को शीतल जल पिलाया जा रहा है। रेलवे स्टेशन पर दैनिक रेलयात्री संघ एकीकृत की टीम एवं जन सहयोग से पिछले कई वर्षों से प्रतिवर्ष यह जल सेवा की जा रही है। जिससे आमजन व रेल यात्रियो को शीतल जल की सुविधा मिलती आ रही है।

भोमिया जी का विशाल मैला सम्पन्न

मनोहरपुर। बागावास अहिरान- तलियारा स्थित श्री भोमिया जी महाराज व रामदेव जी का विशाल मैला रविवार को सम्पन्न हुँवा मैले से पहले काफी संख्या में शनिवार को महिलाओं और पुरषों ने आतेला स्थित कुण्डा धाम से कलश व झंडे लेकर भोमिया बाबा के दरबार में पहुँचे उसके बाद रविवार को दिन में बाबा के भोग लगाकर दिनभर सैकड़ो लोगों ने प्रसादी ली और दिनभर सांस्कृतिक नेहड़ा कार्यक्रम चला जिसमे महासी मुखराम व महासी जयराम की पार्टी ने भक्तों को कथा श्रवण करवाई वहीं ग्राम जनता व बाबा के भक्तों ने बाबा के मंदिर के जीणोद्धार के लिए सेवा में पत्थर बजरी सीमेंट रोड़ी, लोहया, और निर्माण मजदूरी तक के खर्चे की सेवा बोली है जिसको लेकर बाबा की सेवा कमेटी जल्द ही निर्माण कार्य चालू करवाएगी, इसके साथ ही अनेक भक्त लोगों ने बाबा के मंदिर में भक्तों ने सेवा राशि भी भेंट की है इसके बाद बाबा की मैला कमेटी ने भक्त लोगों का आभार धन्यवाद जताया।

जोधपुरा में श्याम जागरण आज

नारायणपुर। श्री श्याम बाल कृष्ण मंडल के तत्वावधान में ग्राम पंचायत कोलाहेडा के गाँव जोधपुरा में स्थित सरकारी स्कूल के पास 14 मई को 19वां श्याम संकीर्तन बड़े ही श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ आयोजित किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। संरक्षक गिर्राज शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर बाबा जोनी महाकाल आर्ट क्लब द्वारा नारायणपुर कस्बे के राधा-कृष्ण मंदिर से दोपहर 2 बजे से एक भव्य व आकर्षक झांकी यात्रा निकाली जाएगी जो जोधपुरा पहुंचेगी। झांकी में विभिन्न धार्मिक प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। इसके उपरांत रात्रि 8.15 बजे से श्याम जागरण शुरू होंगा, जिसमें देशभर से आने वाले प्रसिद्ध गायक कलाकार बीरबल साईवाड (जयपुर), प्रकाश गुर्जर (त्रिवेणी धाम), संगीता चौधरी (गाजियाबाद), देवेन्द्र चौधरी (गाजियाबाद), रामप्रकाश भडाना (जयपुर) और नृत्य कलाकार निशा यादव (जयपुर), सिमरन (जयपुर), कैलाश छैला द्वारा रात्रि भर भक्ति भाव से ओत-प्रोत संकीर्तन और नृत्य प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

एग्री बायोटेक इंडस्ट्री अजीतगढ़ ने लगाया वाटर कूलर

श्रीमाधोपुर।भीषण एवं चिलचिलाती गर्मी को देखते हुए रीको एरिया अजीतगढ़ में मजदूरों एवं राहगीरों के लिए शाहपुरा -अजीतगढ़ मार्ग पर पावर ग्रेड के पास शीतल जल उपलब्ध करवाने हेतु एग्रीबायोटेक इंडस्ट्री के वाइस प्रेसिडेंट अनिल सेठ के आदेशानुसार वाटर कूलर लगाया गया है। फैक्ट्री के सहायक महाप्रबंधक पीके सिंह ने जानकारी दी कि पहले भी पेयजल हेतु कम्पनी ने समय- समय पर आसपास के क्षेत्र में एवं उप तहसील परिसर में वाटर कूलर लगाए हैं। फैक्ट्री प्रबंधन ने एईएन अरविंद कुमार मीणा एवं समस्त विद्युत विभाग कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

रोहित-कोहली की अनुपस्थिति से इंग्लैंड को फायदा होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि सीरीज में शुभमन गिल टीम इंडिया की अगुवाई करने के लिए पसंदीदा विकल्प होंगे।
- मोईन अली

इंग्लैंड के बल्लेबाज, विराट कोहली के संन्यास को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ स्मृति मंधाना

भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना को आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में फायदा हुआ है। दरअसल, वह इस रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। श्रीलंका में हाल ही में खत्म हुए त्रिकोणीय सीरीज में भारत की खिताबी जीत में मंधाना ने अहम भूमिका निभाई थी। वहीं अब उनकी नजरें नंबर वन पर बनी हुई हैं।पिछली बार 2019 में नंबर एक वनडे बल्लेबाज बनीं मंधाना ने श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में संपन्न सीरीज की पांच पारियों में 264 रन बनाए। जिसके साथ ही वह इस सीरीज की दूसरी सबसे सफल बल्लेबाज रहीं।

क्या आप जानते हैं ?... आईपीएल 2025 का सीजन अपने आखिरी चरण में चल रहा था। इस सीजन अब तक कुल 58 मुकाबले खेले जा चुके थे जिसमें पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच गुरुवार को रद्द हुआ मैच भी शामिल है।

रेप पीड़िता को न्याय दिलाने के लिये एसएमएस स्टेडियम में बम धमाके की धमकी दी

7 दिन में तीसरी बार मिला बम का ईमेल, लिखा- हैदराबाद के होटल में एक लड़की से रेप हुआ, इसलिए मेल कर रहे

जयपुर, 13 मई। सवाई मानसिंह स्टेडियम को 7 दिन में तीसरी बार बम से उड़ने की धमकी दी गई है। इस बार धमकी के साथ एक रेप पीड़िता को न्याय दिलाने की गुहार की है। इसके बाद पुलिस ने स्टेडियम में सर्च ऑपरेशन शुरू कर इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। सवाई मानसिंह स्टेडियम में मंगलवार दोपहर 2 बजे एक बार फिर धमकी भरा ईमेल आया। इसमें लिखा- हम साल 2003 में हैदराबाद के लेमन ट्री होटल में एक लड़की के साथ रेप करने वाले के बारे में पुलिस का ध्यान आकर्षित करने के लिए स्टेडियम को बम से उड़ने की धमकी भरे मेल कर रहे हैं। मेल में लिखा कि दो लोगों ने पीड़िता से दहेज में एक करोड़ रुपए मांगे।

मैं राजस्थान सरकार से विनती करता हूं कि रेप के आरोपी को गिरफ्तार करे।इससे पहले 8 मई और 12 मई को भी एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। घंटों सर्च के बाद स्टेडियम में कुछ भी नहीं मिला था। पुलिस ने करीब तीन घंटे तक एसएमएस स्टेडियम में सर्च अभियान चलाया। सर्च के दौरान वहां पर मौजूद खिलाडियों सहित अन्य लोगों को बाहर निकाल दिया गया।

राजस्थान खेल परिषद के सचिव राजेंद्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि मंगलवार को तीसरी बार जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम को बम से उड़ने की धमकी मिली है। इसमें स्टेडियम को बम से उड़ने के साथ ही एक रेप पीड़िता को न्याय दिलाने की बात भी कही गई है। ईमेल को लेकर हमने पुलिस को सूचना दी है। पुलिस ईमेल पर भेजे गए नंबरों के साथ ही मेल भेजने वाले व्यक्ति के आधार पर इस मामले की जांच कर रही है। इसके साथ ही स्टेडियम में भी सर्च किया गया, लेकिन कुछ भी नहीं मिला।

एसएमएस स्टेडियम में नए शेड्यूल अनुसार पहला मैच 18 को

जयपुर, 13 मई। भारत और पाकिस्तान बॉर्डर पर फिलहाल शांति का माहौल बना है। दोनों देशों के बीच सीजफायर पर सहमति बनी है, लेकिन भारत के क्रिकेट मैदानों को बम से उड़ाने की धमकियां रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम को 6 दिन के भीतर तीसरी बार बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बताया जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सफलता का बदला लेने के इरादे से ये धमकी दी गई है। बताते चलें कि आईपीएल 2025 के नए शेड्यूल अनुसार अभी यहां 3 मैच और खेले जाने बाकी हैं। पहले भी जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। ये दोनों धमकियां 8 मई और 12 मई को आई थीं। धमकी के बाद प्रशासन सतर्क हो गया है और स्टेडियम को फिर से खंगाला जा रहा है। 12 मई को आईपीएल 2025 का नया शेड्यूल जारी किया गया था, बचे हुए 17 मैचों में से तीन जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में ही खेले जाने हैं।

जब 8 मई को सवाई मानसिंह स्टेडियम को पहली बार धमकी मिली थी, तभी से स्टेडियम के आसपास के इलाकों में चौकसी बढ़ा दी गई और साथ ही तलाशी अभियान पिछले कई दिनों से जारी है। बताया जा रहा है कि ईमेल

के जरिए मिली धमकी के बाद साइबर क्राइम टीम सक्रिय हो गई है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में नए शेड्यूल अनुसार पहला मैच 18 मई को राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स के बीच खेला जाएगा। इसके अलावा 24 मई को पंजाब किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स और 26 मई को यहीं पर पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस का मैच खेला जाएगा।

पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर का दावा

रोहित-विराट नहीं खेलेंगे 2027 वनडे वर्ल्ड कप

नई दिल्ली, 13 मई। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। दोनों ही खिलाड़ी पहले ही टी20 इंटरनेशनल से रिटायरमेंट ले चुके हैं। दोनों अब बस वनडे क्रिकेट खेलते दिखेंगे। दो साल बाद 2027 वनडे वर्ल्ड कप खेला जाना है। माना जा रहा है कि दोनों वर्ल्ड कप खेलने के बाद रिटायरमेंट लेंगे।

इस दौरान पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर का मानना है कि दोनों ही वनडे वर्ल्ड कप में नहीं खेलेंगे।रोहित ने 7 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान किया था। वहीं कोहली ने 12 मई को टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा है। दोनों खिलाड़ियों ने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया था।रोहित और कोहली अब बस वनडे क्रिकेट खेलते हुए दिखेंगे। दोनों ही खिलाड़ियों का लक्ष्य

होगा कि 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप को जीतकर क्रिकेट से रिटायमेंट की घोषणा की जाए।

ऐसे में गावस्कर ने वर्ल्ड कप को मद्देनजर रखते हुए कहा है कि वो दोनों खिलाड़ी इस टूर्नामेंट का भाग नहीं होंगे।गावस्कर ने कोहली और रोहित की तारफी करते हुए कहा कि दोनों ही खिलाड़ी इस फॉर्मेट के बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन सवाल ये है कि क्या दोनों खिलाड़ी जिस तरह का खेल पिछले तीन साल से खेलते हुए आ रहे हैं, क्या वो आगे भी इसी तरह खेल पाएंगे?

गावस्कर ने आगे कहा कि, वे खेल के इस फॉर्मेट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले रहे हैं, फिर से सिलेक्शन कमिटी शायद 2027 वनडे वर्ल्ड कप पर नजर रखी रहेगी, वे देखेंगे क्या वे 2027 वनडे वर्ल्ड कप की टीम में शामिल हो पाएंगे? क्या वे जिस तरह से योगदान देते आ रहे हैं, उस तरह योगदान दे पाएंगे, यही सिलेक्शन कमिटी की सोच होगी। अगर सिलेक्शन कमिटी सोचती है हां वे सक्षम हैं तो दोनों ही वहां होंगे।

द. अफ्रीका ने की डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए टीम की घोषणा

केपटाउन, 13 मई। दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को लॉर्ड्स में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। दक्षिण अफ्रीकी चयनकर्ताओं ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले के लिए टीम की कमान आज टेम्बा बवुमा को सौंपी। टोनी डी जोंजी, रयान रिकेल्टन और एडन मारक्रम शीर्ष क्रम के बल्लेबाजी विकल्प हैं, जबकि उभरते सितारे ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड बेडिंघम और बावुमा मध्य क्रम की कमान संभालेंगे। काइल वेरिन स्टंप के पीछे अपना जौहर बिखेरेंगे। वहीं गेंदबाजी की बात की जाये तो मुल्डर और जेनसन के साथ कैगिसो रबाडा, एनगिडी, डेन पैटरसन और कॉर्बिन बॉश के तेज गेंदबाजी की कामन होगी। केशव महाराज, सेनुरन मुथुसामी को स्पिन गेंदबाज के रूप में टीम में जगह दी।

दिग्गज शतरंज खिलाड़ी कास्पारोव का बयान, डी गुकेश से कालर्सन को बताया बेहतर

नई दिल्ली, 13 मई। रूस के महान चेस खिलाड़ी गैरी कास्पारोव का मानना है कि डी गुकेश भले ही वर्ल्ड चैंपियन हैं, लेकिन नार्वे के मैग्नस कार्लसन हर लिहाज से उनसे बेहतर हैं। कास्पारोव का मानना है कि गुकेश उनकी तुलना में अलग स्थिति में है क्योंकि नार्वे के कार्लसन इस दौर में मौजूद हैं और बेस्ट हैं।

बता दें कि, महज 17 वर्ष की उम्र में गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को 14 गेमों में हराकर वर्ल्ड चैंपियनशिप का खिताब जीता था। इस दौरान गुकेश ने कास्पारोव का रिकॉर्ड तोड़ा था।कास्पोरोव 22 साल के थे जब उन्होंने 1985 में अनातोली कार्पोव को हराकर वर्ल्ड खिताब अपने नाम किया था। कास्पारोव ने बुकारेस्ट में सुपरबेट शतरंज क्लासिक के दौरान सेंट लुईस शतरंज क्लब के यूट्यूब चैन से कहा कि, गुकेश आधिकारिक रूप से वर्ल्ड चैंपियन हैं और इसमें कोई शक नहीं है लेकिन हर लिहाज से उससे बेहतर एक और खिलाड़ी भी है।

गुकेश और कार्लसन के बीच ये तुलना पहली बार नहीं हुई है। कास्पारोव ने गुकेश समेत भारत के युवा शतरंज खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए उन्हें विशी के बच्चे करार दिया। पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद उनके समकालीन रहे हैं।

आरबीआई रिक्रिएशन क्लब जयपुर ने नील कमल क्रिकेट क्लब को हराया

जयपुर, 13 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के पूल डी के मैच में आर बी आई रिक्रिएशन क्लब ने नील कमल क्रिकेट क्लब को 8 विकेट से हराया। आज प्रात: के एल सैनी स्टेडियम पर नील कमल क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आरुष मक्कड़ के 38 रन, वंश शर्मा के 38 रन, दर्शील के 27 रन व सर्वहित वर्मा के 20 रन नाबाद से बारिश से बाधित मैच में 20 ओवर में 5 विकेट पर 152 रन बनाए। आर बी आई रिक्रिएशन क्लब के लिए प्रिंस ने 27 पर 3, भूदेव सिंह ने 28 पर एक विकेट लिया। जवाबी पारी में आर बी आई

रिक्रिएशन क्लब ने राजेश विश्नोई सीनियर के 52 रन, प्रणय शर्मा के नाबाद 72 रन व शक्ति सिंह के 13 रनों से 16.4 ओवर में 2 विकेट पर 153 रन बनाकर मैच जीत लिया। नील कमल क्रिकेट क्लब के लिए अमन शेखावत ने 19 पर 2 विकेट लिए।

नारायणा एकेडमी की जीत में संजू सारन शतक से चूके, नवीन बूरी का ऑलराउंडर प्रदर्शन

जयपुर, 13 मई। चंबल स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित 17वी राज्य स्तरीय नन्द सिंह मेमोरियल क्रिकेट लीग में आज खेले गए नारायणा क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मैच में नारायणा एकेडमी ने संस्कार एकेडमी को 174 रनों के विशाल अंतर से हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नारायणा एकेडमी ने संजू सारन 92 आदित्य सैनी 60, नवीन बूरी 49 नाबाद, यश खीचड़ 41, रोहन सारन 31, सात्विक 23 रंक सहयोग से 50 ओवर में 7 विकेट पर 334 रन बनाए। संस्कार एकेडमी की ओर से राजवीर लाम्बा, अभयराज ने 2-2 विकेट, निशांत , देवांग जैन ओर अशाद हुसैन ने 1-1 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए संस्कार एकेडमी नारायणा की शानदार गेंदबाजी के सामने 38 ओवर में 160 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। योगेश सैनी 51, अभयराज 29, अक्षत गुप्ता 27, राजवीर लाम्बा 15 रन बनाए। नारायणा की ओर से नवीन बूरी 4 मयंक गिल 3, यश खीचड़ 2, रोहित चौधरी ने 1 विकेट लिए। आज के मैन ऑफ़ द मैच नवीन बूरी रहे।

मरीन ड्राइव पर राजस्थान के राइडर्स का दबदबा, 2 स्वर्ण सहित जीते 5 पदक

पटना, 13 मई। बिहार की राजधानी पटना के मरीन ड्राइव पर मंगलवार को खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2025 की रोड साइक्लिंग स्पर्धा में राजस्थान के साइकिलिस्टों ने तूफानी प्रदर्शन किया। आज यहां ठंडी हवाओं और दर्शकों की भारी भीड़ के बीच राजस्थान के राइडर्स ने व्यक्तिगत टाइम ट्रायल में अपना दमखम दिखाया और छह में से पांच पदक अपने नाम किए, जिनमें से दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य शामिल हैं। लड़कों की 30 किलोमीटर की रोमांचक रेस में तो राजस्थान के बेटों ने क्लीन स्वीप कर दिया।

दोनों ही वर्गों में महाराष्ट्र की जुल गंजम नारकर एकमात्र ऐसी राइडर रहीं, जिन्होंने राजस्थान के दबदबे को चुनौती दी। नारकर ने 20 किलोमीटर की रेस 32 मिनट और 49.291 सेकेंड (औसत रफ्तार 36.6 किलोमीटर प्रति घंटा) में पूरी कर रजत पदक अपने नाम किया। लेकिन, स्वर्ण पदक पर कब्जा राजस्थान की मंजू चौधरी ने किया। बीकानेर में अभ्यास करने वाली बाड़मेर की इस बेटी ने 32 मिनट 15.142 सेकेंड (औसत रफ्तार 37.2 किलोमीटर प्रति घंटा) के साथ पहला स्थान हासिल किया। दिलचस्प बात यह है कि मंजू का यह पहला खेलो इंडिया यूथ गेम्स है और वह सिर्फ रोड रेसिंग में ही हिस्सा लेती हैं। मंजू की टीम की साथी रुक्मिणी भी पीछे नहीं रहीं और उन्होंने 33 मिनट 40.233 सेकेंड (औसत रफ्तार 35.6 किलोमीटर प्रति घंटा) में रेस पूरी कर कांस्य पदक अपने नाम किया।

स्कूल गेम्स की चैंपियन और दो साल पहले ही साइक्लिंग शुरू करने वाली मंजू ने अपनी जीत पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने आई थी और मैं अपने परफॉर्मेंस से बहुत खुश हूं। मुझे रोड रेसिंग बहुत पसंद है और मैं सिर्फ टाइम ट्रायल में ही हिस्सा लेती हूं। यहां रेस करने में मुझे बहुत अच्छा लगा। महिलाओं की इस स्पर्धा में महाराष्ट्र की शिवानी कृष्ण पारित चौथे और मेजबान बिहार की अमृता कुमारी पांचवें स्थान पर रहीं। पुरुष वर्ग के 30 किलोमीटर टाइम ट्रायल रेस में राजस्थान के रामवतार चिम्पा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्लीन स्वीप किया। रामवतार ने 40 मिनट 21.245 सेकेंड (औसत रफ्तार 44.6 किलोमीटर प्रति घंटा) के साथ स्वर्ण पदक जीता।

वहीं, उनके साथी महादेव सारन ने 40 मिनट 49.486 सेकेंड (औसत रफ्तार 43.9 किलोमीटर प्रति घंटा) में रेस पूरी कर रजत पदक हासिल किया। कांस्य पदक भी राजस्थान के ही महावीर सारन के नाम रहा, जिन्होंने 41 मिनट 43.480 सेकेंड (औसत रफ्तार 43.1 किलोमीटर प्रति घंटा) में रेस पूरी की।

भारत लौटने को तैयार नहीं है विदेशी खिलाड़ी

नई दिल्ली, 13 मई। बीसीसीआई और आईपीएल टीमें 17 मई से फिर से शुरू हो रहे आईपीएल के लिए अपने खिलाड़ियों को भेजने के लिए विदेशी बोर्ड पर दबाव बना रहे हैं। बीसीसीआई के आला अधिकारियों ने आईपीएल सीओओ हेमांग अमीन से कहा है कि वे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड से खुद बात करके सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करे।भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के कारण 9 मई को लीग स्थगित कर दी गई थी। इसके एक दिन बाद ही हालांकि, युद्धिवराम की घोषणा के बाद आईपीएल की

बहाली का मार्ग प्रशस्त हुआ। बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि, हम विदेशी बोर्ड से निजी तौर पर बात कर रहे हैं जबकि टीम सीधे अपने खिलाड़ियों के संपर्क में है। हमें उम्मीद है कि अधिकांश लौट आएंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भारत लौटने या नहीं लौटन का फैसला खिलाड़ियों पर छोड़ दिया है। वहीं टीम अधिकारियों ने बताया कि कुछ विदेशी खिलाड़ी वापसी को लेकर अभी बी आशंकित हैं लेकिन अधिकांश के लौट आने की संभावना है। सीएसके के सीईओ कासी विश्वनाथ ने कहा कि, संशोधित कार्यक्रम का ऐलान कल रात हुआ। हम अपने विदेशी खिलाड़ियों से संपर्क कर रहे हैं। इसके बाद ही तस्वीर साफ हो सकेगी। हमारा मैच 20 मई को है तो अभी काफी समय है। साथ ही पंजाब किंग्स के ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मार्कस स्टोइनिस और जोश इंगलिस के लौटने की उम्मीद कम है, हालांकि, मुख्य कोच रिकी पोंटिंग उन्हें मनाने की कोशिश कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के जेवियर बार्टलेट, आरोन हार्डी, अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह उमरजई और दक्षिण अफ्रीका के मार्का यानसेन लौट सकते हैं। चेन्नई और हैदराबाद प्लेऑप की दौड़ से बाहर हैं जबकि पंजाब प्लेऑफ में पहुंच सकता है। सनराइजर्स को कप्तान पैट कमिंस और ट्रेविस हेड के लौटने की उम्मीद है।

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद विराट कोहली पत्नी अनुष्का शर्मा संग संत प्रेमानंद के आश्रम पहुंचे

नई दिल्ली, 13 मई। विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया। जिसके बाद दुनियाभर के उनके फैंस हैरान रह गए। इसके अलगे ही दिन यानी मंगलवार को वह वृंदावन के संत प्रेमानंद का आशीर्वाद लेने पहुंचे हैं। उनके साथ उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा भी है। इस दौरान ये कपल वृंदावन के श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में साढ़े तीन घंटे से भी ज्यादा समय तक रहे। उन्होंने संत प्रेमानंद से आध्यात्मिक चर्चा की। बता दें कि, ये पहली बार नहीं है जब विराट-अनुष्का संत प्रेमानंद से मिले हों इससे पहले भी वो उनसे मिलते रहे हैं। सबसे पहले कोहली और अनुष्का 4 जनवरी 2023 को संत प्रेमानंद से मिले थे। इसके बाद इस साल 10 जनवरी को उन्होंने वृंदावन पहुंचकर फिर से संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की थी। कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणाकी थी। तीसरी बार कोहली पत्नी संग संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन के लिए पहुंचे। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के कारण स्थगित आईपीएल लीग और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद कोहली पत्नी संग अनुष्का शर्मा के साथ श्री हित राधा केली कुंज आश्रम पहुंचे। दोनों ने आध्यात्मिक चर्चा की।

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के साथ होने वाली श्रृंखला के लिए टीम की घोषित

लंदन, 13 मई। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी सफेद गेंद श्रृंखला के लिए टीमों की घोषणा कर दी है। चयनकर्ताओं ने एकदिवसीय और टी-20 श्रृंखला के लिए हैरी ब्रूक को टीम का कप्तान बनाया है। 29 मई से शुरू होने वाली इस श्रृंखला के तहत दोनों टीमों के बीच तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 खेले जायेंगे। लियाम डॉसन की सितंबर 2022 के बाद पहली बार टी-20 प्रारुप में लौटे हैं। इसकी के साथ फिल साल्ट और ल्यूक वुड की भी टी-20 टीम में वापसी हुई है जबकि विल जैक्स दोनों टीमों में खेलेंगे।

आईपीएल 2025 : अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम पर खेला जाएगा फाइनल मुकाबला!

नई दिल्ली, 13 मई। एक बार फिर आईपीएल 2025 17 मई से शुरू होने जा रहा है। अब एक बार फिर आईपीएल 17 मई से शुरू होने जा रहा है। लीग स्टेज के 13 मुकाबलों के वेन्यू का ऐलान हो गया है, जबकि प्लेऑफ और फाइनल के फाइनल के वेन्यू को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है। अब इसको लेकर बड़ा अपडेट आया है।आईपीएल 2025 17 मई से शुरू होगा, जहां आरसीबी और केकेआर के बीच भिड़ंत होगी। लीग स्टेज के 13 मैच 6 स्टेडियम में खेले जाएंगे। वहीं डबल हेडर मुकाबले 18 मई और 25 मई को देखने को मिलेंगे।वहीं आईपीएल 2025 में बाकी बचे लीग मैच दिल्ली, लखनऊ, जयपुर, मुंबई, अहमदाबाद और बेंगलुरु में होंगे। लीग स्टेज का आखिरी मुकाबला 27 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स और आरसीबी के बीच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में होगा।

इसके बाद से प्लेऑफ मुकाबले शुरू हो जाएंगे। क्वालीफायर 1,29 और एलिमिनेटर 30 मई को खेला जाएगा। जबकि दूसरा क्वालीफायर 1 जून को होगा। जबकि सीजन का फाइनल 3 जून को खेला जाएगा। वहीं रिपोर्ट्स के अनुसार, अब फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। आईपीएल 2025 से चेन्नई सुपर किंग्स, राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद बाहर हो चुकी है। वहीं बाकी बची सात टीमों के बीच प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

साहिल दीवान का ऑलराउंड प्रदर्शन, आकिब की शानदार गेंदबाजी से बाउंड्री ब्रेकर अजमेर विजयी

जयपुर, 13 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज सोनी क्रिकेट स्टेडियम, करधनी कालवाड़ रोड़, जयपुर पर खेले गये पूल डी के मैच में साहिल दीवान 34 रन नाबाद व 13 रन पर 3 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन तथा आकिब खान 8 रन पर 3 विकेट की शानदार गेन्दबाजी की बदौलत बाउण्ड्री ब्रेकर क्रिकेट एकेडमी, अजमेर ने कियान क्रिकेट एकेडमी को 8 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये कियान क्रिकेट एकेडमी की ओर से शेर सिंह 27 रन

व देवेश शर्मा 10 रन को छोड़कर कोई भी अन्य बल्लेबाज बाउण्ड्री ब्रेकर क्रिकेट एकेडमी, अजमेर के गेन्दबाजों साहिल दीवान 13 रन पर 3 विकेट, आकिब खान 8 रन पर 3 विकेट, राहुल छपरवाल 12 रन पर 2 विकेट तथा अमन मीणा 0 रन पर 1 विकेट की गेन्दबाजी के समक्ष नहीं टिक सके और पूरी टीम 18.1 ओवर में 75 रन बनाकर सिमट गई।

76 रन के विजय लक्ष्य को लेकर खेलने उतरी बाउण्ड्री ब्रेकर क्रिकेट एकेडमी की ओर से साहिल दीवान 34 रन नाबाद (11 गेंद 2 चौके 4 छक्के), मिरान खान 26 रन नाबाद, पुनित मिश्रा 15 रन की मदद से विजयी लक्ष्य 80 रन 2 विकेट खोकर 7.5 ओवर में ही हासिल कर 8 विकेट से आसानी से जीत दर्ज कर ली। कियान एकेडमी की ओर से मयंक स्वामी 10 रन पर 1 विकेट लेकर एकमात्र सफल गेन्दबाज रहे। मेन ऑफ मैच साहिल दीवान 34 रन नाबाद व 13 रन पर 3 विकेट बाउण्ड्री ब्रेकर क्रिकेट एकेडमी, अजमेर रहे।

अल्काराज और ड्रेपर भिड़ेंगे इटायिन ओपन के क्वार्टरफाइनल में

रोम, 13 मई। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज इटालियन ओपन के अंतिम आठ में ब्रिटेन के जैक ड्रेपर से भिड़ेगे। आज यहां राउंड ऑफ 16 मुकाबले में अल्काराज ने रूस के करेन खाचानोव को दो घंटे 29 मिनट तक चले उतार-चढ़ाव वाले मुकाबले में 6-3, 3-6, 7-5 से हराकर टूर्नामेंट के अंतिम आठ में जगह बनाई। वहीं एक अन्य मुकाबले में विश्व के पांचवें नंबर के खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में एक सेट से पिछड़ने के बावजूद वापसी करते हुए फ्रांस के कोरेंटिन मुटेट को 1-6, 6-4, 6-3 से हराया। यह इस वर्ष में तीसरी बार होगा जब जैक ड्रेपर और स्पेन के कार्लोस अल्काराज किसी मुकाबल में भिड़ेंगे।

रॉयल फुटबाल क्लब ने जयपुर एलिट फुटबाल क्लब को 3-0 से शिकस्त दी

जयपुर, 13 मई। जेरथी फुटबॉल क्लब सीकर ग्राउंड, मानसरोवर जयपुर में मैच खेले गए राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव श्री दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज के दिन 3 मैच खेले गए जिसमें सभी टीमों ने उत्कर्ष प्रदर्शन किया अभी तक 73 मैच खेले जा चुके है।

प्रथम मैच :- जयपुर राइजिंग फुटबाल क्लब और रियल जयपुर फुटबाल क्लब के बीच खेला गया मैच 0-0 से बराबरी पर रहा। पहला हॉफ में 0-0 से बराबरी पर रहा दूसरे हॉफ में आक्रामक खेल खेला गया दोनों ही टीमों ने 2-2 गोल किए । गोल जयपुर

राइजिंग युधिष्ठिर 53 मिनट ओर तन्मय 65 मिनट ने गोल किए रीयल फुटबाल क्लब की तरफ से आदित व्यास ने 68 मिनट ओर तनिष्क 76 मिनट पर गोल किए ।

दूसरा मैच :- जयपुर एलीट फुटबाल क्लब सीकर और रॉयल फुटबाल क्लब के बीच खेला गया मैच रॉयल फुटबाल क्लब ने 3-0 से शानदार जीत हासिल की । तीनों ही गोल अनुज शर्मा 5, 36, 69 मिनट ने किए ओर हैट्रिक लगाई।

तीसरा मैच :- जिंक फुटबाल अकादमी और सिटी वालव्स फुटबाल क्लब के बीच खेला गया मैच जिंक अकादमी ने 3-0 से जीत हासिल की। आगामी फुटबाल लीग के मैच 15 मई को में खेले जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने राजस्थान समिट में हुए विभिन्न एम.ओ.यू. की समीक्षा बैठक की

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निवेशकों की अपेक्षाओं की पूर्ति हमारी जिम्मेदारी है

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइज़िंग राजस्थान समिट में हुए एमओयू की प्रगति की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि जिला कलैक्टर निवेशकों को जमीनों के सभी संभव विकल्पों का मौका मुआयना भी कराएं।

जयपुर, 13 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2030 तक 350 बिलियन डॉलर बनाना हमारी सरकार का लक्ष्य है। इसकी प्राप्ति में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अंतर्गत हस्ताक्षिरत एमओयू की समयबद्ध क्रियान्विति मील का पत्थर साबित हो रही है। समिट के अन्तर्गत, लगभग 37 लाख करोड़ रूपये के एमओयू हुए हैं, जिनमें से 3 लाख करोड़ रूपये के निवेश समझौते धरातल पर भी उतर चुके हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे संबंधित निवेशकों से निरंतर संवाद कर उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने का प्रयास करें।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निर्देश दिये कि जिला कलैक्टर बेहतर सामंजस्य के साथ एम.ओ.यू. की क्रियान्विति को सुनिश्चित करें।**

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राइजिंग राजस्थान समिट में पर्यटन, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, वस्त्र एवं परिधान, ऑटोमोबाइल तथा इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) क्षेत्र में हस्ताक्षिरत एमओयू की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला कलैक्टर निवेशकों द्वारा इच्छित जमीन के आवंटन के लिए त्वरित निर्णय लें।

साथ ही, निवेशकों को जमीनों के सभी संभव विकल्पों का मौका मुआयना भी कराएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव, ढ ाणी से लेकर कस्बों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ ीकरण हमारी सरकार का प्रमुख ध्येय है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में युवाओं के लिए भी कैरियर के सुनहरे अवसर हैं।

मुख्यमंत्री ने ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिक व्हीकल क्षेत्र में हुए एमओयू के क्रियान्वयन की समीक्षा के दौरान कहा कि प्राकृतिक संसाधनों की सीमितता के कारण वर्तमान समय में इलेक्ट्रिक वाहनों की उपयोगिता बढ़ ती जा रही है।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत एवं विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारी तथा संबंधित निवेशक उपस्थित रहे। साथ ही, विभिन्न जिला कलैक्टर वीसी के माध्यम से जुड़े।

70 देशों के राजनयिकों को ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी

नयी दिल्ली, 13 मई। भारत ने 70 देशों के राजनयिकों को आज यहां ऑपरेशन सिंदूर के सफल संचालन के बारे में विस्तार से जानकारी दी और पाकिस्तान द्वारा चलाये गये दुष्प्रचार का भी पर्दाफाश किया।

एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय ने मंगलवार को यहां बताया कि रक्षा खुफिया एजेंसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल डी एस राणा ने भारत-पाकिस्तान संबंधों में नए मानदंड स्थापित करने वाले ऑपरेशन सिंदूर के सफल संचालन के बारे में जानकारी दी।

- **वार्ता में भारत ने पाकिस्तान के दुष्प्रचार का पर्दाफाश किया।**

उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन में नए युग के युद्ध में सैन्य श्रेष्ठता के माध्यम से भारत की शक्ति और राष्ट्रीय संकल्प का प्रदर्शन किया गया।

बातचीत के दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में स्वदेशी हथियारों की युद्ध प्रभावशीलता के साथ संयुक्तता और एकीकरण के माध्यम से हासिल समन्वित बल प्रयोग पर भी प्रकाश डाला गया। उन्होंने पाकिस्तान के द्वारा चलाए जा रहे भारत विरोधी दुष्प्रचार अभियान और क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता पर इसके प्रभाव का की भी जानकारी दी।

जस्टिस बी.आर. गवई आज सीजेआई पद की शपथ लेंगे

सीजेआई की कुर्सी तक पहुँचने वाले वे अनुसूचित जाति के दूसरे व्यक्ति हैं

नयी दिल्ली, 13 मई। न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई बुधवार (14 मई) को उच्चतम न्यायालय के 52वें मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ लेंगे।

सर्वोच्च न्यायालय के इतिहास में यह एक उल्लेखनीय मील का पत्थर माना जा रहा है, क्योंकि वे पूर्व मुख्य न्यायाधीश के जी बालकृष्णन के बाद अनुसूचित जाति समुदाय से न्यायपालिका में शीर्ष पद पर पहुँचने वाले दूसरे व्यक्ति हैं। उनकी मुख्य न्यायाधीश के तौर पर नियुक्ति निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के आज सेवानिवृत्त होने के बाद हुई है। न्यायमूर्ति गवई को 24 मई, 2019 को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया। वह 23 नवंबर, 2025 को सेवानिवृत्त होंगे। वह प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ, प्रमुख अंबेडकरवादी, पूर्व सांसद एवं कई राज्यों के राज्यपाल रह चुके आर एस गवई के पुत्र हैं।

न्यायमूर्ति गवई ने नागपुर विश्वविद्यालय से बीए एलएलबी की डिग्री ली इसके बाद 16 मार्च, 1985 को वकालत शुरू की थी।

- **जस्टिस के.जी. बालकृष्णन अनुसूचित जाति के पहले सदस्य थे जो सीजेआई बने थे।**
- **जस्टिस संजीव खन्ना मंगलवार को सीजेआई पद से सेवानिवृत्त हो गए और 14 मई को जस्टिस गवई को सीजेआई पद की शपथ दिलाई जाएगी।**
- **जस्टिस गवई विख्यात अंबेडकरवादी, पूर्व सांसद तथा कई राज्यों के राज्यपाल रहे आर.एस. गवई के पुत्र हैं।**

उन्होंने वर्ष 1987 से 1990 तक बम्बई उच्च न्यायालय में स्वतंत्र रूप से वकालत की। उन्होंने वर्ष 1990 के बाद मुख्य रूप से संवैधानिक कानून और प्रशासनिक कानून में बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ में वकालत की।

न्यायमूर्ति गवई को 14 नवंबर, 2003 को उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किए गए थे। वह 12 नवंबर, 2005 को बम्बई उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश बने।

न्यायमूर्ति गवई ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मुंबई में मुख्य पीठ के साथ-साथ नागपुर, औरंगाबाद और पणजी में सभी प्रकार के कार्यभार वाली पीठों की भी अध्यक्षता की।

उन्होंने महाराष्ट्र के पूर्व महाधिवक्ता और बम्बई हाईकोर्ट के न्यायाधीश (स्वर्गीय) बैरिस्टर राजा एस भोंसले के साथ करियर की शुरूआत की हालांकि उन्होंने संक्षिप्त अवधि तक ही उनके साथ काम किया।

वे शीर्ष अदालत में संवैधानिक पीठ द्वारा किए गए कई महत्वपूर्ण निर्णयों का हिस्सा रहे हैं, जिनमें नोटबंदी, अनुच्छेद 370, चुनावी बॉन्ड योजना और एससी/एसटी श्रेणियों के भीतर उप वर्गीकरण शामिल हैं। उन्होंने एससी/एसटी के बीच क्रीमी लेयर शुरू करने की पुरज़ोर वकालत की थी।

चौमूं में स्कॉर्पियो की टक्कर में चार की मौत

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की कालाडेरा रोड पर हुई टक्कर में मोटर साइकिल सवार उछल कर 30 फीट दूर गिरे थे

चौमू / कालाडेरा, 13 मई। कालाडेरा चौमू सड़क मार्ग पर स्थित जयसिंहपुरा-गुवारड़ी पुलिया के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो गाड़ी ने 2 मोटरसाइकिलों को टक्कर मार दी। इस हादसे में मोटरसाइकिल सवार 4 लोगों की मौत हो गई तथा स्कॉर्पियो में सवार 2 लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। स्कॉर्पियो की स्पीड इतनी अधिक थी कि पहिया (टायर) निकलकर अलग हो गया। हादसा मंगलवार को शाम 5.30 बजे कालाडेरा थाना क्षेत्र में हुआ।

गोविन्दगढ़ सीओ राजेश जांगिड़ ने बताया कि, यूपी के नंबर की स्कॉर्पियो गाड़ी तेज स्पीड में कालाडेरा से चौमू की ओर आ रही थी। मोटरसाइकिल सवार चौमू से कालाडेरा जा रहे थे। कालाडेरा चौमू सड़क मार्ग पर स्थित जयसिंहपुरा-गुवारड़ी के पास स्कॉर्पियो ने दो मोटरसाइकिलों पर 4 युवकों को टक्कर मार दी। मोटरसाइकिल सवार उछलकर 30 फीट दूर जा गिरे। चारों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद

- **गोविन्दगढ़ सी.ओ. के अनुसार यूपी की स्कॉर्पियो कालाडेरा से चौमूं आ रही थी, जब जयसिंहपुरा-गुवारड़ी पुलिया पर यह टक्कर हुई। स्कॉर्पियों में बैठे दो व्यक्ति भी गंभीर रूप से घायल हैं।**

स्कॉर्पियो बेकाबू होकर सड़क से करीब 50 फीट दूर गड्ढे में जाकर पलट गई। स्कॉर्पियो बुरी तरह डैमेज हो गई। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए थे। सड़क पर लम्बा जाम लग गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिलों को साइड में करवाया और क्रेन की मदद से स्कॉर्पियो गाड़ी को हटाकर पुलिस थाने भिजवाया गया। चारों शवों को चौमू के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। कालाडेरा थाना क्षेत्र के अनोपपुरा के अमित मीणा पुत्र राजेश मीणा उम्र 20 वर्ष और अजय शर्मा, पुत्र सीताराम शर्मा उम्र 24 वर्ष के परिजनों के आने के बाद पोस्टमार्टम करवा कर मृतकों के शवों को परिजनों को सौंप दिया। दूसरी मोटरसाइकिल सवार योगेश बुनकर पुत्र पुरणमल बुनकर निवासी जीणमाता नगर रामपुरा सेवापुरा थाना दौलतपुरा जिला जयपुर शहर, पूरण मल पुत्र लच्छूराम जाति बुनकर निवासी जीणमाता नगर रामपुरा सेवापुरा थाना दोलतपुरा जिला जयपुर शहर, के शवों को मोर्चरी में रखवाया गया है। इनके परिजनों के आने के बाद पोस्टमार्टम करवाया जायेगा। हादसे में स्कॉर्पियो सवार गंभीर रूप से घायल दो लोगों को चौमू के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे की जानकारी मिलने पर चौमू विधायक शिखा मील बराला व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा अस्पताल पहुंचे और जानकारी ली।

जिंदा बम प्रकरण...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्य को मिली फांसी की सजा को हाईकोर्ट ने रद्द कर उन्हें भी दोषमुक्त किया था। इसके बावजूद भी समान मामले में विशेष न्यायालय ने गत 8 अप्रैल को याचिकाकर्ता सहित तीन अन्य को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुना दी। याचिका में इस आदेश को चुनौती देते हुए कहा गया कि जिंदा बम का मामला मूल मामले से अलग नहीं है। घटना में किसी तरह की जनहानि भी नहीं हुई है। उस पर आरोप था कि उसने धमाकों के बाद टीवी चैनल को ईमेल भेजकर जिम्मेदारी ली थी। समान आरोप से विशेष न्यायालय ने उसे बरी कर दिया था। ऐसे में अब उसे जिंदा बम के मामले में सजा नहीं दी जा सकती। इसलिए विशेष न्यायालय के आदेश को रद्द कर उसे दोषमुक्त किया जाए। मामले पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने राज्य सरकार को नोटिस जारी करते हुए निचली अदालत से रिकॉर्ड तलब किया है।

गौरतलब है कि 13 मई, 2008 को शहर में विभिन्न स्थानों पर कुल 8 बम ब्लास्ट हुए थे। चांदपोल हनुमान मंदिर के पास एक बम जिंदा मिला था। मामले में विशेष न्यायालय ने 18 दिसंबर, 2019 को शाहबाज हुसैन को बरी करते हुए शेष चार अभियुक्तों को फांसी की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने मार्च 2023 को चारों आरोपियों की सजा को रद्द कर दिया था।

भारत-पाक युद्ध को अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दर्शकों की रुचि और प्रासंगिकता। ज्यादातर पश्चिमी दर्शकों के लिए दक्षिण एशिया आज भी भौगोलिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक रूप से दूरस्थ लगता है। न तो यहाँ प्रत्यक्ष पश्चिमी सैन्य हस्तक्षेप है, और न ही आर्थिक दृष्टि से कोई बड़ा प्रभाव। इसलिए पश्चिमी मीडिया की संपादकीय टीमों को लगता है कि इस क्षेत्र की खबरें उनके पाठकों और दर्शकों से जुड़ाव नहीं बना पाएंगी। जब मिसाइलें चलती हैं तो एक छोटी सी रिपोर्ट, संयुक्त राष्ट्र या अमेरिका का कोई बयान, और फिर चुप्पी।

विडंबना यह है कि न्यूक्लियर डिटरैंस (परमाणु निरोध) का अस्तित्व ही मीडिया के इस रुख का कारण है। संपादक यह मानकर चलते हैं कि दोनों पक्ष युद्ध से पहले ही पीछे हट जाएंगे, जैसा कि अतीत में होता आया है। लेकिन यह मान्यता आज की बदलती परिस्थितियों में खतरनाक साबित हो सकती है। आज की राजनीति, सोशल मीडिया से प्रेरित राष्ट्रवाद, और धुंधले युद्धों के बीच, गल्तियाँ करने की गुंजाइश कहीं ज्यादा बढ़ गई है।

अंत में आता है, इण्डिया पैराडॅक्स। एक उभरती आर्थिक शक्ति और पश्चिम की इंडो-पैसिफिक रणनीति में अहम भागीदार होने के कारण ग्लोबल मीडिया में भारत एक जटिल स्थान पर है। प्रमुख मीडिया संस्थान, जो दक्षिण एशियाई पाठकों को ध्यान में रखते हैं, भारत की आलोचना करते हुए भी सावधानी बरतते हैं, ताकि पाठकों तक उनकी पकड़ बरकरार रहे और उन्हें डिजिटल प्रतिक्रिया का सामना नहीं करना पड़े।

नतीजा क्या है?

एक ऐसी कहानी, जो वैश्विक स्थिरता को प्रभावित कर सकती है, उसे कभी-कभी तो किसी हॉलीवुड सेलिब्रिटी के तलाक या किसी वायरल वीडियो से भी कम तवज्जो मिलती है।

अगर अकल्पनीय घटना घटित हो जाए, अगर किसी गलती से एक बड़ा युद्ध शुरु हो जाए, तब शायद पश्चिमी मीडिया हड़बड़ाकर ब्रेकिंग न्यूज़ दिखाना शुरु कर दे। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होगी, उस तरह की पत्रकारिता के लिए, जो जनमत तैयार कर सकती थी, कूटनीति को प्रभावित कर सकती थी, या शायद संकट को टाल सकती थी।

एक ऐसी दुनिया में, जहाँ धारणाएं नीतियाँ तय करती हैं और सार्वजनिक दबाव निर्णयों को प्रभाति करते हैं, वहाँ इस सुस्ती को केवल पत्रकारिता की चूक नहीं, एक रणनीतिक दृष्टिहीनता कहा जा सकता है।

'ऑपरेशन सिंदूर अब भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी पर्दाफाश कर दिया जिसमें इस प्रणाली को नष्ट करने का दावा किया गया था।

वायु योद्धाओं के निरंतर भारत माता की जयघोष के बीच मोदी ने जमकर सराहना की और कहा कि उनकी वीरता और गौरव की कहानी ऑपरेशन सिंदूर की गूंज अब दुनिया भर में सुनाई दे रही है।

मोदी ने एक्स पर लिखा, आज सुबह, मैं एएफएस आदमपुर गया और हमारे बहादुर वायु योद्धाओं और सैनिकों से मिला। साहस, दृढ़ संकल्प और निडरता के प्रतीक उन लोगों के साथ समय बिताना बहुत ही विशेष अनुभव था। भारत हमारे सशस्त्र बलों के प्रति हमेशा आभारी रहेगा, जो हमारे देश के लिए सब कुछ करते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आपरेशन सिंदूर अब भारत का न्यू नॉर्मल है। हमने तीन सूत्र तय कर दिये हैं । यदि भारत पर आतंकी हमला हुआ तो हम अपने तरीके और शर्तों पर तथा अपने समय पर जवाब देंगे। दूसरा भारत न्यूकलियर ब्लैकमेल नहीं सहेगा। भारत आतंकी सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग अलग नहीं देखता और अब दुनिया भी भारत के इस नये रूप को देखते हुए आगे बढ़ेगी।

केन्द्र के आश्वासन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

था, जिसका उल्लंघन किया गया है। याचिका में कहा गया है कि आश्वासन के बावजूद, पंजीकृत वक्फ संपत्ति को नष्ट कर दिया गया।

यह अवमानना याचिका उत्तराखंड के महफूज अहमद ने दायर की है। देहरादून के रहने वाले याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि राज्य प्रशासन ने बिना किसी नोटिस के दरगाह को ढ हा दिया है, जबकि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधित कानून को लागू नहीं करने का आश्वासन दिया था।

याचिका में यह भी कहा गया है कि यह दरगाह 1982 में सुन्नी सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ लखनऊ के साथ पंजीकृत थी। याचिका में दावा किया कि दरगाह पिछले 150 वर्षों से धार्मिक महत्व का एक पूजनीय स्थल रहा है और संपत्ति की वैधता साबित करने वाले प्रासंगिक दस्तावेज उनके पास हैं। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि यह कार्रवाई मुख्यमंत्री के पोर्टल पर की गई एक सामान्य शिकायत के आधार पर की गई थी।

न्यायिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा के उपाय किए जा रहे हैं। इसके लिए होमगार्ड की नियुक्ति के साथ ही सीसीटीवी लगाए गए हैं। अदालत ने कहा कि झारखंड में एडीजे स्तर के अधिकारी की गोली मारकर हत्या हुई है। इस पर एजी ने कहा कि यहां भी ऐसी घटना हुई थी। जोधपुर हाईकोर्ट में समान मामले में जनहित याचिका चल रही है। उसके आधार पर एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर कार्रवाई की जा रही है। इस पर अदालत ने कहा कि अब तक मामले में जो कार्रवाई की गई है उसकी जानकारी अदालत में पेश की जाए।

गौरतलब है कि न्याय शिखा अपार्टमेंट में एक महिला न्यायिक अधिकारी के आवास पर चोरी की घटना हुई थी।

इसके बाद सामने आया था कि न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा के लिए कोई पुख्ता इंतजाम नहीं हैं, जबकि उस क्षेत्र में करीब 150 अधिकारी रहते हैं। मामले में राजस्थान न्यायिक सेवा अधिकारी संघ ने भी सीजे को पत्र लिखा था।

भाजपा को शीघ्र ही जवाब ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डॉनल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान दोनों को "दो महान देश" कह कर एक ही स्तर पर रख दिया, लेकिन मोदी न तो इसका प्रतिवाद कर पाए और न ही अमेरिकी राष्ट्रपति को तथ्यों का सही विवरण दे पाए। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में, मोदी ने तीन दिवसीय युद्ध के विवादास्पद मुद्दों का कोई ज़िक्र नहीं किया, बल्कि उन्होंने कहा कि भविष्य में पाकिस्तान को सबक सिखाया जाएगा।

सवाल यह है कि जब हालात अनुकूल थे, इसी समय क्यों नहीं? जब सेना को पूरी तरह तैयार कर दिया गया था और "फाइनल स्ट्राइक" के लिए कहा गया था, तो अचानक सेना को क्यों रोक दिया गया और पीछे हटने का आदेश दे दिया गया?

देशवासी पूछ रहे हैं: आख़िर चल क्या रहा है, प्रधानमंत्री जी? क्या हुआ उस गर्जना का, जिसमें कहा गया था कि वे आतंकवादियों का पीछा "दुनिया के अंत तक" करेंगे?

पहलगाम में खुफिया तंत्र की विफलता को दबा दिया गया है तो गृह मंत्री अमित शाह की जवाबदेही और ज़िम्मेदारी कहाँ है?

वह प्रचार भी ध्वस्त हो गया कि भारत के पास दुनिया भर में ढेरों मित्र और शुभचिंतक हैं, जब भारत ने पाकिस्तान पर हमला किया, उस समय कोई भी देश खुलकर भारत के साथ नहीं आया, जबकि पाकिस्तान को चीन और तुर्की जैसे देश खुलकर समर्थन दे रहे थे।

मोदी सरकार को आत्ममंथन की सख्त जरूरत है, केवल दिखावटी स्पष्टीकरण और क्षति-नियंत्रण ही अब पर्याप्त नहीं हैं।

पाक उच्चायोग का अफसर भारत से निष्कासित

नयी दिल्ली, 13 मई। भारत ने नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के एक अधिकारी को अवांछित घोषित करते हुए 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने के लिए कहा है।

विदेश मंत्रालय ने आज यहां बताया कि भारत सरकार ने नयी दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में काम करने वाले एक पाकिस्तानी अधिकारी को भारत में उसकी आधिकारिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए गतिविधियों में शामिल होने के लिए गैर-आकलन व्यक्ति घोषित किया है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार अधिकारी को 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी को आज इस आशय का आदेश जारी किया गया।

'भारतीय सेना और हथियारों की ताकत ने पाकिस्तान को मजबूर किया, युद्ध रोकने के लिए'

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देते हुए कहा कि इसमें ट्रंप की कोई भूमिका नहीं थी

नयी दिल्ली, 13 मई। भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा भारत एवं पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने की सहमति के पीछे परमाणु युद्ध की आशंका और व्यापार बंद करने की धमकी को कारण बताये जाने को आज खारिज कर दिया तथा जम्मू कश्मीर को लेकर दोनों देशों के बीच मध्यस्थता कराने की मंशा को भी अस्वीकार कर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में यह स्पष्ट किया कि

- **प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि 7 मई को ऑपरेशन शुरु होने से 10 मई को गोलीबारी बंद करने की सहमति बनने तक अमेरिका से सैन्य स्थिति पर बातचीत हुई थी, ट्रेड का मुद्दा नहीं उठा था।**

भारत एवं पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने का फैसला पाकिस्तान की पहल पर दोनों देशों ने द्विपक्षीय रूप से लिया है और इसमें किसी भी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं है। यह सिर्फ भारतीय सैन्य कार्रवाई की ताकत से संभव हो पाया। जायसवाल ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की टिप्पणियों पर पूछे गये सवालों के जवाब में कहा कि 07 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से लेकर 10 मई को गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद करने पर सहमति बनने तक, भारत और अमेरिका के नेताओं के बीच सैन्य स्थिति पर बातचीत होती रही। इनमें से किसी भी चर्चा में व्यापार संबंधी कोई मुद्दा नहीं उठा।

अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा परमाणु युद्ध संबंधी आशंका के बारे में प्रवक्ता ने कहा कि भारत की सैन्य कार्रवाई पूरी तरह से पारंपरिक रूप से हुई है। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि पाकिस्तान की नेशनल कमांड अथॉरिटी 10 मई को बैठक करेगी। लेकिन बाद में उन्होंने इसका खंडन किया।

भारत-पाक युद्ध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

युद्धपोत और वो अब अमेरिका की वैश्विक शक्ति को चुनौती दे रहे हैं। एक महाशक्ति चुनौती में है और एक नई महाशक्ति उसे हटाकर उसकी जगह लेने की तैयारी में।

अब इन दोनों स्थितियों की तुलना कीजिए: एक ओर है मध्ययुगीन युद्ध, और दूसरी ओर एक आर्थिक युद्ध, जो धीरे-धीरे भू-राजनीतिक संघर्ष में बदल रहा है। दो अलग अवधारणाएं। दो अलग युद्ध। लेकिन दोनों ही उतने ही खतरनाक हैं।

क्योंकि यह मध्ययुगीन युद्ध अब तीर-तलवार और भाले से नहीं लड़ा जा रहा, बल्कि इक्कीसवीं सदी के अत्याधुनिक घातक हथियारों से लड़ा जा रहा है। इसी विशेष संदर्भ में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दुविधा यह रही कि उन्हें भारत की स्थिति को, बिना पूरी सच्चाई बताए, समझाना पड़ रहा था। वे देशवासियों को आश्वस्त कर रहे थे कि युद्धिवराम कोई बाहरी निर्णय नहीं था। और वे बाहरी दुनिया को यह संदेश दे रहे थे कि भारत के पास निर्णय लेने की स्वतंत्रता है और भारत आज भी, और आगे भी, अपने निर्णय खुद ही लेगा।

भाजपा ग्यारह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बैठक और संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे हैं। युद्धिवराम के बाद भाजपा की पहली प्रेस वार्ता में, पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने दावा किया कि पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकाने, 11 एयरबेस नष्ट हुए तथा 100 आतंकी और 50 सैनिक मारे गए। 13 से 23 मई तक चलने वाली तिरंगा यात्रा के दौरान, भाजपा देशभर में जुलूस निकालेगी, जिनमें पार्टी कार्यकर्ता और प्रमुख नागरिक तिरंगा लेकर शामिल होंगे। पार्टी नेताओं ने कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प के साथ-साथ, सशस्त्र बलों की वीरता और दृढ़ निश्चय को प्रदर्शित करेगा।

शशि थरूर किसके प्रवक्ता हैं, कांग्रेस के या ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और तत्काल युद्धविराम" के लिए राजी किया है। सोमवार को उन्होंने यह दावा किया कि उनकी (ट्रंप) शर्तों पर उनके (भारत-पाकिस्तान) के सहमत न होने की स्थिति में, उन्होंने इन युद्धरत पड़ोसियों को, उनके साथ व्यापार न करने की, धमकी दी थी।

हैरान करने वाली बात यह है कि थरूर, सरकार का हिस्सा तो है नहीं, कि उन्हें नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच समझौते के बारे में हुई बातचीत की विस्तृत जानकारी हो, इसके बावजूद उन्होंने पार्टी के रुख की परवाह न करते हुए, ये सब बातें ऑन रिकॉर्ड कहने का साहस किया।

मोदी सोमवार की शाम को उस समय एकाएक आक्रोशित नजर आये, जब उन्होंने घोषणा की कि भारत न्यूक्लियर ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा, लेकिन उन्होंने ट्रंप द्वारा उपमहाद्वीप में शांति स्थापित करने की उनकी भूमिका पर जोर दिये जाने तथा कश्मीर मुद्दे के समाधान की पेशकश के उनके दावे पर स्थिति साफ नहीं की।

थरूर ने यह माना कि संभवत: अमेरिकन राष्ट्रपति को या तो सही तरीके से ब्रीफ नहीं किया गया, या फिर वे ब्रीफिंग को समझ नहीं पाये। उन्होंने ट्रंप को सलाह दी कि वे दक्षिण एशियाई मामलों पर अपने असिस्टैंट सेक्रेटरी ऑफ स्टेट, पॉल कपूर, जिनकी नियुक्ति की अभी अमेरिकन सीनेट ने पुष्टि भी नहीं की है, की बात को ध्यान से सुना करें। जो भी हो, यह तथ्य, कि ट्रंप ने अपना एक ही दावा तीन बार दोहराया था, थरूर के कथन पर संदेह पैदा करता है।

ट्रंप द्वारा युद्ध विराम की घोषणा किये जाने के बाद, इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी तथा सुषमा स्वराज के वे वीडियो सामने आये हैं, जिनमें इन नेताओं ने कश्मीर सहित, भारत के अंदरूनी मामलों में किसी तीसरे पक्ष की दखलन्दाजी को खारिज किया है।

थरूर ने इस बात को स्वीकार नहीं किया कि पिछले सप्ताह दोनों देशों के बीच दुश्मनी बढ़ने के दौरान, अमेरिका ने किसी प्रकार की कोई मध्यस्थता की थी, जिसके बारे में विपक्ष ने प्रश्न खड़े करना शुरू कर दिया है।

थरूर ने कहा कि हो सकता है कि अमेरिकन सेक्रेटरी ऑफ स्टेट ने हमारे विदेश मंत्री से फोन पर बात की हो। और उसके बाद, पाकिस्तान से बात की हो, और पाकिस्तान से कह दिया हो कि देखिये, अगर आप (पाकिस्तान) ऐसा नहीं करेंगे तो वे (भारत) भी वैसा नहीं करेंगे। यह तो कोई मध्यस्थता नहीं है। थरूर ने कहा, "मध्यस्थता तो तब होती, जब जयशंकर ने रूबियो को फोन करके कहा होता कि क्या आप पाकिस्तान से ऐसा कह देंगे? और मैं ऐसा नहीं मानता कि भारत ने ऐसा किया होगा।"

थरूर इस मुद्दे पर कोई ठोस जानकारी प्राप्त किये बिना ही यह सब कुछ मान रहे हैं।

ये ऐसे प्रश्न हैं, जिनके उत्तर भारत सरकार को देने चाहिए, जैसे पहलगाम हमले में शामिल उन चार आतंकियों का क्या हुआ, जिनमें से तीन की तो भारतीय एजेंसियों ने पहचान कर ली थी।

थरूर ने कहा कि भारत को कम से कम एक आतंकी को तो जीवित पकड़ना ही चाहिए, जिससे यह मालूम किया जा सके कि यह हमला उन्होंने किसके निर्देशों पर किया था। थरूर ने यह सुझाव भी दिया कि इस बात का इंतजार किया जाना चाहिए कि चार दिन तक चली लड़ाई के दौरान भारत को हुए नुकसान से संबंधित प्रश्नों के जवाब मोदी सरकार कब, कहां और कैसे देने का निर्णय लेती है।

एक धीर-गंभीर राजनैतिक टिप्पणीकार का मानना है कि थापर से हुई बातचीत में थरूर के अनुमान उनकी पार्टी को बेचैनी की स्थिति में लाने की दृष्टि से सोचे समझे तथा नपे-तुले प्रतीत हुए। ऑपरेशन सिंदूर से एक सप्ताह पहले, थरूर ने मोदी के साथ एक मंच साझा किया था। उस समय मोदी ने चुटकी ली थी कि कांग्रेस सांसद की (इस मंच पर) उपस्थिति से "कुछ लोगों की नींद उड़ जायेगी।"

थरूर स्वयं को एक "क्लासिक लिबरल" के रूप में प्रस्तुत करते हैं तथा कई अवसरों पर उनके विचार कांग्रेस के अधिकृत रूख के विपरीत रहे हैं, जैसे मुश्किल से तीन महीने पहले एफ-35 स्टेल्थ एयर क्राफ्ट की खरीद के मामले में।

नेहरू के "पंचायती राज" से उनके विरोध के अलावा, केरल में उनके मुख्य राजनैतिक विरोधी वामपंथियों के बारे में उनके विचार भी ऑन रिकॉर्ड हैं। केरल कांग्रेस के नेतृत्व से उनकी दूरी से सभी परिचित हैं।

कुछ समय पहले, एक अन्य चैनल को दिये एक अन्य इंटरव्यू में, थरूर इस प्रश्न के सीधे उत्तर के कगार पर पहुंच गये थे कि क्या वे निकट भविष्य में भाजपा में शामिल होंगे।

उन्होंने कहा था, "नहीं, हर पार्टी की अपनी एक आस्था और इतिहास होता है। अगर किसी पार्टी की मान्यता आपके गले नहीं उतरती है, तो आपका उस पार्टी में शामिल होना ठीक नहीं है। लेकिन स्वतंत्र रहने का विकल्प तो हमेशा ही खुला हुआ है।"

क्या "स्वतंत्र होना" कांग्रेस को छोड़ने और भाजपा में शामिल होने से पहले का "मिड स्टॉप है?

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908